# I-IRCI an UNIVA The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरीं 27, 1982 (फाल्गुन 8, 1903)

No. 9]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 27, 1982 (PHALGUNA 8, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में तथा जा सकें (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग Ш--खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रेक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दल्ली-110011, विनांक 14 दिसंबर 1981

सं. पी. /1790-प्रशाः ।।।—दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में उनके सहायक सतर्कता अधिकारी के प्रद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर रु. 650-1200 के वेतनमान में तीन वर्ष की अथिध के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति होतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक संवा आयोग के उसके अधिकारी श्री कौलाश चंद्र की सेवाएं 14 दिसम्बर, 81 के अपराहन से इन अनुदेशों के माथ दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान की सींपी जाती हो कि वह सतर्कता अधिकारी, विल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान की सींपी जाती हो कि वह सतर्कता अधिकारी, विल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान, लिंक हाउस, नई विल्ली को तत्काल रिपोर्ट करें।

### दिनांक 21 जनवरी 1982

सं. ए. 12025(11)/3/78-प्रका. 111--विरिष्ठता कोटा के अन्तर्गत वर्ष 1979 के लिए अनुभाग अधिकारी की चयन सूची में समिलिति करने होनू संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. में उनके नामित किए जाने के परिणामस्बरूप श्री सुदोग कामार को 1 जनवरी, 1982 के पूर्वाहन से आगामी आवोशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के एद पर नियुक्त किया जाता है।

रं. पी./1890-प्रजा. ।—संघ ठोक संक्ष आयोग की सम-संगाठ विधम्बना दिनांक 1-1-1980 के अनुक्रम में अध्यक्ष, रोग लोक संदा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली, 1958 के विनियम 4 के परन्तुक द्वारा उन्हें प्रदत्त शिक्तयों के अधीन डा. टी. रामासामी को 22 दिसंबर, 1981 से दो वर्ष की अग्रेतर अविध के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्या-लय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

यः राः **गांधी** अवर सचिव (प्रशाः) संघ लोक सेवा आयोग

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. ए. 32015/1/80-प्रका. 11---इसा कार्यालय की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 16 अक्तूबर, 1981 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा मंघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान महायक (अ. एवं सां.) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री आर. डी. क्षत्रिय की 13-1-82 से 12-4-82 तक 3 माम की अग्रेतर अवधि के लिए श्रीमती राजकुमारी आनंद, किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) के अवकाश पर होने के कारण जसके स्थान पर किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) के पद पर तदर्भ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हीं।

(2409)

1-476GI/81

### दिनांक 11 जनवरी 1982

सं. ए. 32014/4/80-प्रशा. ।।—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा इस कार्यालय के स्थायी संपदा पर्यवेक्षक श्री आर. पी. सिंह को 22-1-1982 से तीन मास की अविध के लिए अथवा आगामी आवशों तक, जो भी पहले हो, रु. 650-30-740-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में सम्पदा प्रवन्धक एवं बैठक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर. पी. सिंह अवगत कर लें कि संपदा प्रबंधक एवं बैठक अधिकारी के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति का उन्हों नियमित विलियन अथवा उक्त ग्रेड में विरिष्ठता का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

> पी. एस. राणा कृते सचिव अनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेवा आयोग

### नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 फरवरी 1982

- सं. पी./1782-प्रशा. ।।——इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-9-1981 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा महालेखाकार का कार्यालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ के लेखा अधिकारी श्री एल. आर. सरीन को 1-12-1981 से 31-3-1982 तक की अग्रेतर अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विक्त एवं बजट अभ्धिकारी के पद पर निय्कत करते हैं। श्री सरीन इस अधिसूचना व्वारा निर्धारित अविध के दौरान कोई प्रतिनियुक्तित (इयूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।
- 2. यह अधिसूचना कार्मिक और प्रशासनिक सूधार विभाग के अन्मोदन से जारी की गई है; देखिए उनका पत्र सं. 39017/2/81-स्था. (ल) विनांक 27-11-1981 तथा इसे जारी करने के लिए महालेखाकार हरियाणा ने भी सहमति दे दी है; देखिए उनका पत्र सं. प्रशा./जी.ओ./पी.एफ./एल.आर.एस./81-82/5648 दिनांक 28-1-1982।

पी. एस. राणा अन्भाग अधिकारी, कृते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

### गृह संत्रालय

# केन्द्रीय अद्योगिक सुरक्षा बल

### महानिद्देशक का कार्यालय

नर्ह दिल्ली-110019, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

सं. ई-38013(4)/14/81-कार्मिक—सिंद्री को स्थानांत-रित होने पर, श्री सी. डी. क्करोती ने 10 नवबंर, 1981 के अपराह्न से के. औ. सू. ब. यूनिट, बी. सी. सी. एल. भरिया के महायक कमान्डोंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

### विनांक 1 फरवरी 1982

सं. ई-16014(5)/1/78-कार्मिक--मूल विभाग में प्रत्या-वर्तित होने पर श्री बी. एस. सिंह ने 31 अक्तूबर, 1981 के अपराह्न से के. औ. सू. ब. यूनिट, डी. एस. पी. दुर्गाप्र के सहायक कमंडिन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

- सं. इ -38013(4)/16/81-कार्सिक----राष्ट्रपति, श्री आर. एस. श्रीयास्तव को, तदर्थ आधार पर प्रोन्तत होने पर, 9 नवम्बर, 1981 के पूर्वाहन से, जिस तारीख से उन्होंने के. औ. स्. ब. यूनिट, भिलाई इस्पात लि., भिलाई में उक्त पद का कार्यभाग सम्भाला था, के. औ. म्. ब. में महायक कमां डेन्ट के रूप में नियक्त करते हैं।
- मं हैं-38013(4)/19/81-कार्मिक---भोपाल में स्थाना-तरण होने पर श्री एम . के. चौपड़ा ने 2 नवम्बर, 81 के अप-राह्न से के. औ. सु. ब. यूनिट, बी. आई. ओ. पी. (डिपाजिट-5) के महायक कभांडोट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- सं. **इ**-38013(4)/19/81-कार्मिक--भिला**र्ड** में स्थानां-तरित होने पर, श्री वार्ड. पी. जोगेवार ने 25 नवंबर, 1981 के अपराह्न से के. औ. सु. ब. यूनिट आर. एस. पी. राजर-केना के सहायक कर्मांड ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक--राज्यरकेला से स्थानांतिरत होने पर श्री वाई. पी. जोगेवार ने 30 नवस्वर, 81 के पूर्वीहन से के. औ. सु. व. यूनिट, भिलाई इस्पात लिमि-टेड, भिलाई के महायक कर्मांड टेके पद का कार्यभार संभाव लिया है।
- मं ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—विडनार पाइप-लाइन, राजकीट (गूजरात) में स्थानांतरण होने पर श्री बी. के. मेहता ने 24 नवंबर, 1981 के अपराहन से के. औ. सू. व. यूनिट आई. ओ. सी. (जी. आर.) बडौदा के सहायक कमां-डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 26 नवम्बर, 1981 के पूर्वाहन से के. औ. स्. ब. यूनिट, आई. ओ. सी. सलाया-मथुरा पाइपलाइन, विडनार (गूजरात) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भान लिया।
- सं . ई-38013(4)/21/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री जी. एस. कपूर को, तदर्थ आधार पर प्रोन्तत होने पर, 12 विसंबर, 81 के पूर्वाह्न से, जिस तारीख से उन्होंने के. औ. सु. ब. यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कलकत्ता में उक्त पद का कार्यभार संभाला था, के. औ. मु. ब. में सहायक कामांडिट के रूप में नियुक्त करते हैं।
- सं. ई-38013(4)/21/81-कार्मिक—कारेबा में स्थानांत-रित होने पर श्री बी. पी. दावें ने 26 नवम्बर, 1981 के अप-राहन से के. औ. सू. ब. यूनिट, आई. पी. सी. एल. बढ़ो-दरा के सहायक कमार्डट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- सं है-38013(4)/21/81-क्रार्मिक—-राष्ट्रपति, श्री एस. के. अबरोल को, तदर्थ आधार पर प्रोनन्त होने पर, 11 दिसंबर 1981 के पूर्वाह्न से जिस तारीख से उन्होंने के. औ. सू. ब. यूनिट, आई. ओ. सी. गुजरात रिफाईनरी, बरौनी मे उक्त पद का कार्यभार सम्भाला था, के. औ. स्. ब. में सहायक कमांड टे के रूप में नियुक्त करते हैं।
- सं. ई-38013(4)/14/81-कार्मिक--- आरिया से स्थानात-रित होने पर, श्री सी. डी. कुकरोती ्ने 21 नवम्बर, 81 के पूर्वान्ह से के. औ. स्. ब. यूनिट एफ. पी. डी. आई. एल. सिन्दरी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुर<sup>न्</sup>द्र नाथ महानिद्यास

### वित्त मंत्रालय

### आधिक कार्य विभाग

# बैंक नोट मुद्रणालय, देवास देवास, दिनांक 5 फरवारी 1982

पत्र सं. बीएनपी/सी/5/81—इस कार्यालय की समसंख्यक अधियूचना दिनांक 9-8-81 के अनुक्रम में श्री एस. के. शुक्ला की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्तित की अवधि उन्हीं शहीं पर दि. 4-2-82 से आगामी छः माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरों जाने तक, जो भी पहले हो, यड़ाई जाती है।

म्. वं. चार महा प्रदन्धक

# प्रतिभूमि कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक

1982

सं 7/57/11950---कार्यालय आदोश क्रमांक बी एन -- पी / इं/8/एस-12---दिनांक 20-1-82 के द्वारा वैंक नोट प्रेम देवास से रिलीव होने के परचात् श्री एम एन श्रीरंगानाथन को प्रशासनिक अधिकारी के पव पर प्रारंभिक एक वर्ष की अवधि के डेपूटेशन पर दिनांक 27-1-82 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाता है। वे इस नियुक्ति पर वेतनमान रूठ 840-40-1000-द अ -- 40-1200 के न्यूनतम अर्थान् रुठ 840-00 प्रतिमाह के दर से उनका बेतन प्राप्त करेंगे।

श रा पाठक महाप्रबंधक

### भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

# भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. प्रशा. 1/सी-7ए-142/6351—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में अधोहस्ताक्षरी ने श्री सुनील कुमार श्वल, लिपिक (व्यक्तिगत संख्या 05/5997) को इस कार्यालय के ज्ञापन संख्या प्रशासन-1/सी-7ए-142/5545 दिनांक 8 जनवरी, 1982 द्वारा नोटिस दिया था कि उनकी सेवायों उनकी नोटिस दिये जाने की तिथि से एक माह पश्चात् समाप्त हो जायोंगी। उप-पूक्त नोटिस रिजस्टर्ड डाक से भेजी गयी थी जो इस कार्यालय में वापस आ गई है।

अधोहस्ताक्षरी यह नोटिस दोता है कि कि थित थी सूचील कुमार शुक्ल की सेवायों राजपत्र में यह नोटिस प्रकाशित होने की तिथि से एक माह पश्चाल् समाप्त हो जायोंगी।

> एस. जे. एस. आहलूबालिया वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# निद्रोशक, लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेल बम्बई-वी. टी., दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. एयू/एडमिन/मिस/कान/973—-श्री च. दा. चित्रे, अवरण कोटी अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) दिनांक 21-1-1982 (पूर्वोह्न) से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधि-कारी के कार्यभारी पद पर नियक्त किये गये।

स. य. गोविन्दराजन निवेशक लेखा परीक्षक कार्यालय निद्रोशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

# नक्षे विल्ली-2, विनांक 28 जनवरी 1982

सं. प्रशासन-1/कार्यालय आदोश संख्या 429—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एच. सी. काहली को जल एवं विव्युत विकास परामर्श सेवाएं (भारत) लिमिटेड, नई दिल्ली में दिनांक 14-7-1981 से संलग्न विवरण में समाविष्ट शर्ती पर स्थायी रूप से विलियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पत्र संख्या 51-जी. इ.-।।/1-81 दिनांक 11-1-1982 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त हो।

> विष्णु सहाय वर्मा संयुक्त निद्देशक ले., प. (प्रशासन्)

# कार्यालय निस्रेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

### नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. 5694/ए-प्रशासन/130/79-81—हंडियन रोड कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड में स्थायी रूप से अन्सर्लयन के परिणामस्वरूप श्री वी. एल. एन. राव, स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारीं, का इस विभाग में ग्रहणाधिकार मूल नियम 14-ए(इ) के अधीन दिनांक 11-11-1981 से समाप्त हो गया है।

राधेदेयाम गृप्त संयुक्त निद्देशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

# महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम) आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद-500476, दिनांक 5 फरवरी 1982

सं. एडमिन-आई/8-132/81-82/489—-श्री र. गाँविन्दाराजन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदोश, दिनांक 31-1-82 के अपराहन को सेवा से निवृत्त हुए।

श्री एस. कॉंड्या, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्या-लय, आंध्र प्रदेश, दिनांक 31-1-82 के अपराह्न को सेवा से निवृत्त हुए।

श्रीर. राधवन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्या-लय, आंध्र प्रदेश, दिनांक 31-1-1982 के अपराह्न को सेवा से निवत्त हुए।

श्री एन. सुबहुमन्यन-।।।, लेखा अधिकारी, स्हालंखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश, दिनांक 1-2-1982 के पूर्वास्न को सेवा से निवृत्त हुए।

> रा. हरिहरन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

### रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फीक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फीक्टरियां बोर्ड

नद्दं दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

मं. 01/82/जी--वार्धक्य सेवा निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एस. जायारामन्, स्थानापन्न सहायक प्रवन्धक

(मौलिक और स्थादी स्टोर होल्डर) तारीस 30वीं नवस्थर, 1981 (अपराहन) से सेवा निवृत्त हुए।

### दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. 02/82/जी—नार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के. डी. सन्याल, स्थानापन्त उप प्रवन्धक/मीलिक एवं स्थायी सहायक प्रवन्धक दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

### विनांक । फरवरी 1982

सं. 3/जी/81—-वार्धक्य निवृत्ति आयू (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री आर. के. सित्रा, स्थानापन्त डी. डी. जी. ओ. एफ. स्तर-।। (मीलिक एवं स्थायी ए. डी. जी. डो. एफ. ग्रंड-।।) दिनांक 30 सितम्बर, 1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं. 4/जी/81--वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी. सी. पाल, स्थानापन्न वरिष्ठ डी. ए. डी. जी. ओ. एफ. (मौलिक एवं स्थायी डी. ए. डी. जी. ओ. एफ.) दिनांक 30 सितम्बर, 1981 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

वी. की. मेहता सहायक महानिद्शाक, आर्डानैस्स फीक्टरियां

### वाणिज्य मंत्रालय

मु<del>ख्</del>य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का क्रार्यालय नर्ड दिल्ली, दिनांक 3 फारवरी 1982

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

### (स्थापना)

सं. 6/1096/75-प्रका (राज)/944—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और उसी सेवा के वर्ग । के स्थानापन्न अधिकारी और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय नई विल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त श्री जी एस प्रेवाल को 31-12-81 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमंति प्रदान करते हैं।

### दिनांक 4 फरवरी 1982

सं. 6/502/56-प्रका. 'राज.'/934—-राष्ट्रपति, श्री आई. वी. चूनकत केंन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के अधिकारी एवं इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 जनवरी, 1982 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से मुक्त होने की अनुमति देते हैं।

जे. के. माथुर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंति

### (वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1982

सं. ए-12025 (1)/6/80-प्रशासन-।। (क)---राष्ट्रपति थी राम कृष्ण कपूर को 16 जनवरी, 1982 के प्वहिनं से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, अगरतला में सहायक निवेशक ग्रेड-। (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते ही।

पी. इंकर अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

# नौवहन और परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदोशालय

बम्बई-400001, विनांक 1 फरवरी 1982

# (वाणिज्य पोत परिवहन)

सं. 3(5) सी आर बी/81—राष्ट्रपति, श्री शंकर चक्रवतीं को 5 विसम्बर, 1981 पूर्वाहन से आगामी आवेश तक प्रशिक्षण पोत ''भद्रा'' कलकरता में इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> भाः कृः पवार नौबहन उप-महानिद्देशक

# पृतिं तथा निपटान महानिदंशालय

(प्रशासन अनुभाग-।)

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1982

सं प्र 1/1(960)—इस कार्यालय की दिनांक 30-11-81 की अधिसूचना संख्या प्र 1/1(1058) के अधिक संबोधन में राष्ट्रपति सहायक निवेशक पूर्ति (ग्रेड-11) श्री लक्ष्मीनारायण को दिनांक 6-11-1981 (पूर्वाह्न) से छः माह की अविध अथवा संघ लोक सेवा द्वारा नामित अधिकारी उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक निवेशक (ग्रेड-1) (भार-ताय पूर्ति सेवा के ग्रेड-111) (ग्रूप ''ए'') के रूप में नियुक्त करते हैं।

# विनांक 4 फरवरी 1982

सं. प्र 1/1(1186)— महानिद्योक पृतिं तथा निपटान एत्य्यारा निरक्षिण निद्याक (धातुकर्म) जमसंदपुर के कार्यालय में अधीक्षक श्री एम. एम. महाजन को दिनांक 23-12-1981 के पूर्वाह्न में निरक्षिण निद्योक (धातु कर्म) वर्णपुर के कार्यालय में श्री जी. नन्दींगा सहायक निद्योक (प्रशासन) (ग्रेड-11) सेवा निवृत के स्थान पर पूर्णत: तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निद्योक (प्रशासन) (ग्रेड-11) के स्प में निय्कत करते हैं।

एस. एल. कपूर उप निद्याक (प्रशासन)

# (प्रशासन अनुभाग-6)

# नक् दिल्ली, दिसंक 4 फरवरी 1982

मं. प्र 6/247(388)— पूर्ति तथा निपटान महानिवंशालय की दिनांक 27-11-79 की अधिसूचना संख्या प्र 6/247(388) के अधिक मण में राष्ट्रपति महादेश ने निर्णय किया है कि श्री एस. सी. आनन्द जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निवेशक रिरीक्षण (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-11) के रूप में वास्तव में 16-9-74 को पदोस्तत हुए थे की पदोन्नित की तारीख 2-4-70 (प्रकृष्टिन) होगी।

- सं. ए-17011/206/82-प्र 6--महानिव शक, पृति सथा निपटान, ने निरक्षिण निद्येषक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी.) श्री अजय मुखर्जी को दिनांक 21-12-1981 के पूर्वाहन सं आगामी आवशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरक्षिण अधिकारी (इंजी) के रूप में नियुक्त कर दिया है।
- सं. ए-17011/207/82-प्र 6—महानिदाशक, पूर्ति तथा निषटान ने निरीक्षण निद्याक कालकाता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी.) श्री कालीदास सेन गुप्ता को दिनांक 16-12-1981 के पूर्वाहन से आगामी आदोशों तक उनी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी.) के रूप में नियक्त कर दिया है।
- सं. ए-17011/208/82-प्र 6—महानिद्याक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निद्याक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री सुकुमार मुखर्जी को दिनांक 16-12-1981 के पूर्वाह्म सं आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न महायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में नियुक्त कर दिया है।
- मं. ए-17011/209/82-प्र 6—महानिदंशक, पूर्ति तथा -निपटान ने निरीक्षण निदेशक कलकरता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी.) श्री अजय कुमार बैनर्जी को दिनांक 16-12-1981 के पूर्वाह्न स आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानाएन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी.) के रूप में नियुक्त कर दिया है।

एम जी मैनन उप निद्यास (प्रशासन)

### इस्पात और खान मंत्रालय

(स्वान विभाग)

### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 जनवरी 1982

- सं. 683 वी. /ए-19012 (2-सहायक भूभौतिकीविद)/19 बी. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद श्री जी. राजाप्रभू ने भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के पद का कार्यभार 28-8-81 (अपराह्न) से त्याग-पत्र देकर छोड़ दिया है।
- मं 720 बी /ए-32013 (ए आ)/80-19 ए भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के निम्निलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में , अस्थाई क्षमता में , आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गुई तिथि से एदोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं:---
  - अ. सं. नाम और नियुक्ति-तिथि
  - श्री बी. के. सरकार--9-12-1981 (अपराहन)
  - श्री एस . के . दास गुप्ता--14-12-1981 (पूर्धाह्म)

जे. स्वामी नाथ महा निद्येशक

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

### दहरदून, दिनांक 9 फरवरी 1982

मं सी -5790/718-ए--श्री एन मोहन राज, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, दिनांक 7 नवस्वर, 1981 (पूर्वाहन) से श्री सालिग राम स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जिनका स्थानांतरण हो गया है, के स्थान पर दक्षिण मध्य सर्वित कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैंदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. से. ग्रूप ''बी'') के पद्म पर 840-40-1000-व रो -40-1200 रु. के वेतनमान में तद्म आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

जी. सी. अप्रवाल बिगोडियर भारत के महासर्वे क्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

### आकाशवाणी महानिद्यालय

# नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1982

सं 2/30/81-एस-दो--महानिव शक, आकाशवाणी, एसद्द्वारा श्री जार्ज अथयेड, लेखाकार, मेन्ट्रन संल्ज यूनिट आकाशवाणी, बम्बई 23-1-1982 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, गौरसपूर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 3 फरवरी 1982

- मं. 29/3/81-एस-दो--महानिक्ष्णेक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री राम फार्म रोडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, वाराणसी 15-1-82 (पूर्वाह्न) से फार्म रोडियो अधिकारी, आकाशवाणी, अंबिकापूर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।
- मं 29/2/81-एस-दो—महानिद शक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री सी मुरगा नवन, फार्म रोडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, त्रिचुरापल्ली 18-1-1982 (पूर्वाह्न) से फार्म रोडियो अधिकारी, आकाशवाणी कोयम्बटूर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कस्ते हैं।

एस वी सेषादी उपनिद्याक प्रशासन कृते महानिद्यास

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाव

बम्बई-26, विनांक 25 जनवरी 1982

सं. 6/88/54-ई. एस. टी.-।—फिल्म प्रभाग, बंबई के श्री एम. एम. वैद्य, स्थायी मूख्य कौमरामैन ने अपना पदभार (31-10-1981 के अपराहन में) छोड़ विया है और भारतीय फिल्म और दूरदर्शन संस्थान, पूना में "सिनेमैटोग्राफी प्रोफेसर" के रूप में दिनांक 2-11-1981 के पूर्वाहम से प्रतिनियुक्ति पर चले गये हैं।

श्री एन नरसिंघ राव, स्थायी कौमरामैन को दिनांक 2-11-1981 के पूर्वाह्म से श्री एम एम वैद्यु के स्थान पर म्ल्य कौमराभीन के रूप में नियुक्त किया जाता है।

# दिनांक 30 जनवरी 1982

सं. 5/16/76-प्रशा. (।)—मुख्य निर्माता ने श्री डी. आर. हलदनकर स्थानापन्न कौमरामैन फिल्म प्रभाग दिल्ली को स्था. समाचार रील अधिकारी के पद पर दि. 6-10-1980 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग, दिल्ली में नियुक्त किया है।

एस. के. य्य सहा. प्रशा. अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

### प्रेस सूचना कार्यालय

# ाई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1982

सं. ए -12026/1/78-स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी एतव्द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के सहायक तथा पत्र सूचना कार्यालय, नर्क दिल्ली में कार्यरत श्री सत्य नारायण निगम को पत्र सूचना कार्यालय के उत्तरी क्षेत्र कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाहन से अगले आदश तक के लिये नियुक्त करते हैं।

मदन मोहन धर्मा सहायक प्रधान सूचना अधिकारी कृते प्रधान सूचना अधिकारी

### स्वास्थ्य सेवा महानिव शालय

# नर्क दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. 12025/18/80-एन. आई. सी. डी. /प्रशा.-1--राष्ट्रपति ने श्री कुलदीप सिंह को 14 दिसम्बर, 1981 (पूर्वा-हन) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली में उप सहायक निवंशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

> टी. सी. जैन उप निदोशक प्रशासन

# कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) तेलहन विकास निंदोशालय

ह<sup>2</sup>दराबाद-500 029, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. एक. 8-16/76-स्था --- निदोशक, श्री अ का का मुखजी को दिनाक 5 जुलाई, 1977 से तेलहन विकास निदोशालय, होदराबाद में सांस्थिकीय अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हों।

म. दा. वासनिक निदंशक

# ग्रामीण पूनर्निर्माण मंत्रालय विषणस एवं निरक्षिण निदक्षालय

फरीदाबाद, विनांक 29 जनवरी 1982

सं. ए. 19025/73/81-पृ. तृ. — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री सुभाष चन्द्र साहा की इस निवं- शालय के अधीन दिनांक 14-1-82 (पूर्वाह्न) से अगेले आदोश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-111) के रूप में नियुक्त किया गया है।

### दिनांक 5 फरवरी 1982

सं. ए. 19025/14/81-पृ. तृ.—-विभागीय पदोन्नित समिति (वर्ग "ब") की संस्तृतियों के अनुसार सर्वश्री महोन्द्रपाल और के. सी. रुिनवाल, बरिष्ठ निरीक्षक इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 26-12-81 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग।) के रूप में पदोन्नित किए गए हैं।

# दिनांक 6 फरवरी 1982

मं. ए. 12026/2/78-प्र. तृ.—इम निद्देशालय के अधीन फरीदाबाद लेखा अधिकारी के रूप में श्री शिव करुमार सूद की प्रतिनियुक्ति, जो आरम्भ में दिनांक 19-11-78 से 2 वर्ष की अविध के लिए थी, और बाद में 19-11-80 से 30-11-81 तक की अविध के लिए बढ़ाई गई थी, पूनः अभी भी अविध के लिए प्रतिनियुक्ति की वर्तमान शतीं पर दिनांक 1-5-81 से 18-2-82 तक बढ़ाई गई है।

बी. एल. मनिहार के निद्योक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

# परमाण उर्जा विभाग

# विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

### बम्बई-5, दिनांक 30 जनवरी 1982

सं. विप्राइप/3(240)/77-प्रशासन-1352—निदशिक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एत्द्दारा श्री आर. जे. भाटिया, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग पूल के स्थायी प्रवरण श्रेणी लिएक तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-।। को इस प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर वेतनमान रह. 650-30-740-35-880-इ. रो.-40-960 में 1~8-1977 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

एसः जीः नायर मुख्य प्रशासन अधिकारी **कसे** निदोशक

# (परमाणु सनिज प्रभाग)

हैदराबाव-500 016, दिनांक 3 फरवरी 1982

सं. प. ख. प्र.-3/82-भर्ती — दिनाक 12 जनवरी, 1982 की समसंख्यक अधिसूचना में आधिक संघोधन करते हुये परमाणु उर्ज्ञा दिभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एत्व्ह्यारा स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी. के. विजयकृष्टन को उसी प्रभाग में स्वर्गीय श्री एसं. के. मलहात्रा के स्थान पर 18 नवस्थर, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर 31 जनवरी, 1982 तक 75 दिन के लिए तदर्थ रूप में स्थाना-पन्न प्रशामनिक अधिकारी-।। नियुक्त करते हों।

सं. प. ख. प्र.-16/3/82-भती ——दिनंक 12 जनवरी, 1982 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक संबोधन करते हुये परमाणु उन्नी विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निर्देशक एत्द्द्यारा परमाणु खनिज प्रभाग की स्थायी सहायक श्रीमती कमला सहगल को उसी प्रभाग में श्री पी. के. विजयकूचन, सहायक कार्मिक अधिकारी की प्रशासनिक अधिकारी-।। के पद पर पद्दोन्नित होने पर 18 नवस्वर, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर 31 जनवरी, 1982 तक 75 दिन के लिए तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प. ख. प्र.-1/1/81-भती — परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु सनिज प्रभाग के निविधाक एतस्य्यारा श्री विनेध जन्द्र गुप्त की परमाण् स्तिज प्रभाग में 15 जनवरी, 1982 के पूर्वाहन से अगले आदोश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/श्रीभयन्ता ग्रेड "एस. बी." नियस्त करते हैं।

म. सू. राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

# भारी पानी परियोजना बम्बई-400008, विनांक 6 फरवरी 1982

सं. 05052/81/अग. — भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री जिय असंतराव रावेकर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी संयन्त्र (बड़ोबा) को, उसी संयंत्र में पूर्वाह्न 8 अगस्त, 1981 से आगे आदश होने तक के लिए स्थाना-पन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता (ग्रेड एस बी) नियुक्त करते हैं।

मं . 05052/अंग . /81--भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री जसबंतलाल शिवलाल परमार, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी संयन्त्र (बड़ाचा) को उसी संयन्त्र में पूर्वाह्न अगस्त 1, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियक्त करते हैं।

सं 05052/इग 81/375—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कन्दुकुरी वेंकट सीताराम अंजेनिया शर्मा, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी संयंत्र (बड़ादा) को उसी संयंत्र में पूर्वाहन अगस्त 1, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस बी) नियक्त करते हैं।

सं. 05052/81 अग /376—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री मोहनलाल गुप्ता, अर्ध स्थायी वैज्ञा-निक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न बैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी संयन्त्र (बड़ादा) को उसी संयन्त्र में पूर्वाह्न अगस्त 1, 1981 से आगे आदोश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम बी) नियक्त करते हैं।

> र. **च**. कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

# तारापुर परमाणू दिजलीघर तारापुर, दिनांक 3 फरवरी 1982

सं. टी ए पी एस/1/22(1)/76-आर—मुख्य अधीक्षकः, तारापुर परमाणु विजलीधर, परमाणु उन्जा विभाग श्री एन. जी. मलकानी, प्रवन्धक, हास्टल के छ्ट्टी पर जाने के फालस्वरूष्ट्र स्थानापन्न दैज्ञानिक सहायक 'वी' श्री इ एन. अध्यर को तारा-पुर परमाणु विजलीधर में तवर्थ आधार प्र रु. 650-30-740-

35-880-द रो -40-960 के बेतनकाम में दिनांक 27 जन-वरी, 1982 की पूर्वाहत से 26 फरवरी, 1982 के अपरा-क्रन तेक के लिए प्रवस्थक, झास्टल के रूप में नियुक्त करते हैं।

> द. वि. सरकालं प्रशासनिक अधिकारी-।।।

### अंतरिक्ष विभाग

# दिकम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

(स्थानापन्न विभाग)

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 27 जनवरी 1982 मं. वी. एस. एस. सी./स्था./एफ/1 (17)—निदरेक, थी. एस. एस. सी., अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्निलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस. बी.'' के पद पर रु. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000 द रो.-40-1200 को ग्रेड में 1 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक निग्नुस्त करते हैं :—

#### कमसं. ना

### प्रभाग/परियोजना

- श्री एम. पी. रामचन्द्र पणिक्कार---आर. पी. पी.
- 2. श्री वी. विजयमोहन्त नायर--- आर. पी. पी.
- 3. श्री डी. स्धेशन--कम्प्यूटर
- 4. श्री पी. श्रीकण्ठन नायर--कम्प्यूटर
- 5. श्री पी. नागलिंगम--सी. जी. डी.
- श्री जी. राजेन्द्रनाथन--पी. ई. सी.
- 7. श्री के. स्क्रमारन नायर---आर. एफ. एफ.
- श्री ए. चन्द्रश्लेपन—आप्यल, आर. एस. आर.
- श्री एम . सुक्तारन नायर——
  ई. एफ . एफ .
- 10. श्री आर. दर्रै--ए. आर. डी.
- 11. श्री सी. रामकष्णन--ए. पी. ई. पी.
- 12 श्री ईं नारायणन-पी सी एम .
- 13. श्री जी. वर्गीस--एल. पी. डी.
- 14. श्री की. पी. बेण्गोपालन-ई. एम. डी.
- 15. श्रीमती सुभद्रा रवीन्द्रन पिल्ली--टेर्ल्स/आइरोक्स
- 16. श्रीमती ऑर. इंदिरा देवी---एस. टी. एफ.

के. पी. आर. मेनोन प्रज्ञासन अधिकारी-।। (स्थापना)

### सिव्ल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलीर-560009, दिनांक 29 जनवरी 1982

सं. 10/3(45)/79-सि. इं. प्र. (मृख्या.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मृख्य अभियन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, बंगलीर में इंजीनियर एस. बी. श्री एम. वी. राजगोपाल का संवा से त्यागपत्र विनांक जनवरी 25, 1982 अपराहन से स्वीकार करते हैं।

एच. एस. रामदास प्रशासन अधिकारी-1 **कृते** मुख्य अभियन्ता

महानिष शेक नागर विमानन का कार्यालय नक दिल्ली., दिनांक 14 जनवरी 1982

सं. ए. 19011/52/80-ई.-1---राष्ट्रपति ने महा-निद्देशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री आर. एम. अजमानी, उपनिवंशक संचार का सरकारी सेवा से त्याग पत्र विनाक 8-1-1982 अपराहन से स्वीकार कर लिया है।

# दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/7/79-ई.-1--राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन कार्यालय के श्री बी. आर. शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक को विनाक 21-1-1982 में 20-7-1982 तक छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरों जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियक्त किया है।

# दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. ए. 38013/1/81-क्व. ए.—कोत्रीय निद्याल, कल-करता के कार्यालय के श्री जे. एन. सिंह, विरष्ट विमानक्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर विनांक 31-12-1981 में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

### दिनांक 28 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/13/81-ई. 1--राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री बी. रामा स्ब्रहमण्यम्, निद्येषक प्रशिक्षण और अनुभापन की दिनांक 20-1-82 से 28-2-1982 तक की अवधि के लिए या उपमहानिदेशक का पद भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, उपमहानिदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

### दिनांक 29 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/5/80-ई.ए.—-राष्ट्रपति ने श्री जे सी. पारती, विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 6-2-1981 से विरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर प्रोफार्मा पदोन्नित प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता उपनिद्याक प्रशासन

### नइ दिल्ली, विनांक 2 फरवरी 1982

सं. ए. 19011/46/80-ई. 1—महानिद्देशक नागर विभानन के कार्यालय के श्री एन. गोपाल, उपनिद्देशक उपस्कर ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 31-1-1982 (अपराहन) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता उपनिदोशक प्रशासन **कृते महानिद**ेशक नागर विमानन

### नक् दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

स. ए. 32014/3/81-ई. एस — महानिद्येषक नागर विमानन ने सर्व श्री एस. एस. आस्था और जे. एस. संगवान, अधीक्षकों को विनाक 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाहन) से छः मास की अविध के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, सामान्य कर्ती पर प्रकासनिक अधिकारी (समूह "ल") के पद पर तदर्थ आधार पर नियकत किया है।

### दिनाक 19 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/4/79-इं. एस. — राष्ट्रपति नं गर्थथी एस. एक. बोहरा और एस. एस. कुनरे, विमान निरीक्षकों का दिनाक 26-12-1981 (पूर्वहन) से छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इन में में जो भी पहले हों, बरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में तक्ष्य आधार पर नियुक्त किया है।

### विनांक 29 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/4/79-कं. एस.—-राष्ट्रपति ने श्री एस. मजूमदार, विमान निरोक्षक की दिनोक 30-12-1981 (पूर्वा-हन) से छः मास की अविधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, दरिष्ठ विमान निरोक्षक की ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

# दिनांक 5 फरवरी 1982

सं. ए. 32014/3/81-ई. एस.— महानिदोशक नागर विमानन ने सर्वश्री आर. जी. शिन्दो, एस. एच. लाला, एस. जी. मिलक और के. टी. सीन, अधीक्षकों की प्रशास-निक अधिकारी के पर्य पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31-7-82 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरो जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्ती पर जारी रखने की मंजूरी दीं हैं।

जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निवंशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1982

मं. ए. 32013/8/80-ई. सी. ——इस विभाग की दिनांक 10 अप्रैल, 1979 की अधिसूचना संख्या ए. -32013/11/79-ई. सी. के कम में, राष्ट्रपति ने निम्निलिखित दो तक-नीकी अधिकारियों को जो इस समय निवंशक, रोडियो निर्माण और धिकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में विरष्ठ सकनीकी अधिकारी के ग्रंड में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनोक 31-3-1981 से विरष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रंड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें इसी कार्यालय में तैनात किया है:——

- ा. श्रीएस. सी. दुग्गल
- 2. श्रीके विष्वनाथन
- 2. श्री एस. सी. दुग्गल, श्री के. विश्वनाथन, विरष्ठ तकनीकी अधिकारियों को उच्च पद पर पदोन्नित के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी की संयुक्त पात्रता सूची ग्रंड में नियमित नियमित की तारील के अनुसार स्थान दिया जाएगा बशतें कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/विरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रंड में उनकी परस्पर वरीयता रखी जाए और यह भी कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियक्त अधिकारियों के मामले में तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियक्ति के लिए उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरीयता भी कायभ रखी जाए।
- सं. ए. 32013/10/80-ई. सी.—-राष्ट्रपति ने निम्न-निखित दो शंचार अधिकारियों को प्रत्येक की नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अविध के लिए वरिष्ठ संचार

अधिकारी के ग्रेड में तदर्भ आशार पर नियुक्त जिया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेंशन पर तैनान किया गया है:---

कम सं., नाम, वर्तभान तैनाती स्टोशन, नया तैनाती स्टोशन और कार्यग्रहण करने की तारीख।

- श्री एन स्वियनदी, वैमानिक संचार स्टोशन होदरा-बाद, वैमानिक संचार स्टोशन, मन्नाम--28-12-1981।
- श्री एस साना, वैमानिक संचार स्टोशन, कुलकत्ना, क्षेत्रीय निद्शेक का कार्यालय, कलकत्ता—24-12-1981≀

### दिनोक 5 फरवरी 1982

मं. ए. 32013/4/80-ई. सी.—-राष्ट्रपति ने बैमानिक संचार स्टोशन, गुनाहाटी के श्री पी एए. मिलक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की दिसांक 4-11-1981 (प्वीहन) से छः मास की अवधि के लिए सहायक निदोशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और सहानिद्शक नागर विभारत (म्ह्या-लय), नई दिल्ली में नैनान किया है।

प्रमा चन्द सहायक निदोशक प्रशासन कृतो सहानिदोशक नागर विभानन

### केन्द्रीय जल आयोग

न्द्र दिल्ली-110066, दिनांक 6 फरवरी 1982

मं ए.-19012/937/81-स्था. पांच—-विभागीय पदां-चित सिमित (समूह स) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतस्व्वारा श्री एस. के. महोंगांगी पर्यवेक्षक जो कि राष्ट्रीय जलविद्युत निगम लि. नई दिल्ली के अधीन बाह्य काडर पद पर प्रतिनियुक्ति/काडर में बाहर सेवा पर होते हुये ''आसन्न कनिष्ठ नियम'' की सभी धर्तों को प्रा करते हैं को उनकी अनुपस्थित में अतिरिक्त सहायक निदं-शक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु. 650- 30- 740- 35- 810- द रो. - 35- 880- 40-1000- द रो. - 40- 1200 कें बेतनमान में 10 जून, 1981 की पूर्वाह्न में अगले आदोशों तक नियुक्त करने हीं।

श्री महोशगौरी अतिरिक्त सहायक निदोशक/सहायक हजी-नियर के ग्रेड मो केन्द्रीय जल आयोग मो पद को भार ग्रहण करने की तारीय अर्थात् 14-10-1981 मो दो वर्ष की अविध के लिये परिशीक्षा पर होगे।

> के. एल. भन्डूला अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

# केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिद्देशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1982

सं. 33/3/79-र्ड. भी. 9--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नास्ति श्री उमा शंकर धर्मा, को केन्द्रीय लोक निर्णाण विभाग में रुपये 700-40-900-दः रो -40-2-476G1/81

1100-50-1300 (सामान्य भरते महित) के वेतनमार में रूपये 700/- प्रतिमान बेतन पर सामान्य नियम एवं भरतों पर 14-11-80 (पूर्वा.) से उपवास्तुविद् के अस्थायी पद पर (सामान्य सिविन सेवा सप-ए) नियनत करते हैं।

2. उन्हाँ इस विभाग में सम्मिलित होने की सिधि से दो यही की अविधि के लिए दरीवीक्षा पर रखा जाता है।

> श्रीमती नीना गर्ग प्रशासन उपनिदांशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ''श्री मीनाक्यी पेपर मिलस लिमिटोड'' के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 6 फरवरी 1982

मं. 136/560(3)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुगरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन माह के अवसान पर ''श्री मीनाक्षी पेपर मिलस लिमिटेड'' का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उसन कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी. कोटंश्वर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार पंडिभेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सथदरी कन्सलटेन्ट प्राइबेट लिमिटेंड के विषय में

### दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. 3810/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के विसान पर स्थदरी कन्सलटेंन्ट प्राइवेट लिसिटोंड का नाम इसके प्रति-कूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनियों का गजिस्टर

### आय-कर अपील अधिकरण

ं बम्बर्ड-400020, दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. एक. 48-ए. डी. (ए. टी.)/1982—श्री ए. राम-कृष्णन, स्थामी अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, जो तद्दर्थ आधार पर. अस्थामी क्षरण में आय-कर अपील अधिकरण में महायक ऐतीका के पद पर दिनांक 26 मार्च, 1981 (पूर्वास्न) सं कार्य करते रहें हैं, का अब नियमित आधार पर करते रहे हैं, को अब नियमित आधार पर (प्रोन्नित कोटो में) आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्याय-पीट, अमृतसर में महायद पजीकार के पद पर रह 650-30 740-35-810-द रों-35-880-40-1000-द रा--10-1200 के वेतनमान पर दिनांक 27 जनवरी, 1982 (पूर्वाहन)

से अगले आदांश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री ए. रामकृष्णन दिनांक 27 जनजरी, 1982 से दो वर्षी के लिए परिविधाधीन होंगे।

> बी. बी. पाले**कर** अध्यक्ष

भाग ∭---खण्ड 1

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 29 दिनम्बर 1981

निद<sup>्ध</sup>रा सं $^{'}$  ए 252/81-82/859--अतः मुफ्ते, र्इ. जं. मानलींग,

भायकर मिन्निनियम, 1961 (1981का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मुजीन सक्षण प्राधिकारी को, पद् विश्वाम करा का कारण है कि स्थावर मम्मिन, जिनका उचित बाजार मृत्य 28,000/- ६० में प्रक्षिक है

और जिसकी सं. ब्लाक सं. 1 है तथा जो जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्क अधिकारी के जार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकर्क अधिकारी के जार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, तारील 5-5-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य में क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्ति निर्मात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यः प्रतिशत अधिक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) भीर प्रग्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में नास्तिन का से किया नहीं किया गया है:—

- क) ग्रन्तरण से तृईं किसी आय की बाबन, उक्त श्रिक्षनियम के अधीन कर तमें के प्रस्तरक के वायिस्य पंकर्षा करने या ससमें बचने में मृविधा के निष्; और/या
- (स्त) ऐसी फर्मा आय या किसी धन था धन्य धास्त्यां को, जिन्हे भारतीय आयकर खिश्वियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपान में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रव, उनत अधिनियम को धारा 269-म क अनुसरण में, में, उपय प्रिधिनियम की प्रारः ४69-य को उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रामिकशन गातानी, बब् पट्टी जोरहाट।
   (अन्तरक)
- 2. श्री काुलाधर दत्ता, गारामर पुलिया गांव ओरहाट। (अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका मम्यति के अर्जन के लिए कार्य**शाहियां** करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख, से 45 दिन की प्रविध्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्व, खो भी अविध्व बाद में समाध्त होती हो, के भीलर पूचींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना है राजन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीत्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्यां और पदों का, जो सक्त प्रधितियम, के प्रध्याय 20-के में परिमाणित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस ग्रष्टवाय में विया गया है।

### अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 3(तीन) कट्टा और आधा लोका के दाग सं. 3886 पी. पी. सं. 17 के ब्लाक सं. 1 रूपाहीयली जिले के, जारहाट नामक स्थान सीबकागर में स्थित है।

> र्दः ज मावलांग **सक्षम प्राधिकारी** स**हा**यक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन र्रज, शिलांग

जारस्थि : 29 12-1981

क्हर:

# प्रारूप आई. टी. एन. एस. --

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रोज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 अनवरी 1982

निद ${}^{\infty}$ श सं. टी आर-40/81-82/एम एल नं. <math>600 आई ए सी/एक्वी. आर-।/काल--यतः म्फो, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के अधीन संत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- भगते में प्रधिक है उचित बाजार मुल्य और जिसकी सं. 27 ही तथा जो पार्कालन काल. मी स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एश्योरेश में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन तारीख 20-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **बृ**ष्णमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मु**स्रे** यहे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बा**जार मृल्य,** उसके दृश्यमध्य प्रतिफल से, गुँदे <u> इस्थमान प्रतिफल हा पट्यह् प्रतिशत से ग्राधिक है श्रीर</u> अन्तरक (अन्तर्रकों) और ग्रन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि• नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी ब्राय था कसी बन या प्रत्य ब्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रक्षिनियम, या धन-तर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में न्विद्या के लिए;

अतः प्रब, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त ग्रम्भिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के वधीन, निम्निसियत स्यक्तियां, स्थात्:-

1. श्री शंकार कामार टोगर।

(अन्सरक)

2. जयन्त कामार टोगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों प्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 30-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

27 पार्कलेन कलः में अदस्थित, 2 कट्टा 7 छटाक जमीन पर मकान जो 20-5-81 तारीख़ में डीड नं. 1-4194 रजिस्ट्रार आफ एक्योरॉस का दफ्तर में रजिस्ट्र हुआ।

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख . 14-1-1982 मोहर :

प्रस्य आई० टी० एन० एस०---

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के समीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक पायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

्अर्जन राज, कलकता

कालकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1982

निदंश नं . 1002/एक्बी . आर-।।। /81-82--यतः मुक्ते, एम . अहमद,

आयकर श्रिष्टिन्यम, 1361 (1361 का ±3) (तिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा पता है), का धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्सा उवित बाजार मूल 25,000/- द से श्रिष्टिक है

और जिसकी मं 2 है तथा जो मानिडिमिला गार्डोंन, ठालकाना मों स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मो और, पूर्ण-रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 23-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रश्तरकों) सीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बांध-नियम के प्रधान कर देने के प्रत्यरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किया जाय या कि ते घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए दा, छिपाने में सविधा के निए।

ग्रत: अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- ). सालीन आनरिशप फ्लेट्स स्कीम्स प्रा. लि.। (अन्त**रक**)
- 2. श्रीमती रीना घाषदसिल्दार।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पर्धाकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड़दों बीर पदों का, जो खक्त अधि-त्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा तो उन अध्याय वे दिया गया है।

# अनुसूची

2, मानडिमिला गार्डोन, कलकत्ता। प्लाट्स सं.-'बी', तीमरी मंजिल।

> एम अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, कालकत्ता

नारीयः 20-1-1982

माहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, एरण्डिलम्

एरणाकाुलम, दिनांक 14 जनगरी 1982

निद्योग नं. एल. सी. 560/81-82--यतः मुक्ते, टी. जङ् माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार हो, तथा जा एरणाकालम मो स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण कप के विणित हो), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यक्ष एरणाकालम मा भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन 29-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूला सं काम के दश्यकार प्रतिक्रल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करत का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दृष्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण है लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भे स्विधा के लियं, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती वन्सलकुमारी

(अन्तरक)

2. श्रीमती अन्ना जांसफ और तरह आदमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दगरा;
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

10 Cents of land with a building as per Schedule attached to Doc. No. 2388 dated 29th May 1981.

टी. जेड् माणि सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, एरणाकालम

वारी**ल** 14 | 1982 **मोहर**ः

# प्ररूप आई० टो • एन • एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाऋलम

′ एरणाकुलम, दिनांक 14 जनवरी 1982

निद<sup>े</sup>श नं . एल . सी . 559/81-82—यतः मुभ्ने टी . जेंड् . माणि ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित हाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार ही, जो एरणाकालम में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य एरणाकालम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-1981

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक में दायिल में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वाण एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मा सन्तिभा के लिए;

बत: कब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीअव्

. (अन्सरक)

2 ं श्री पी. पी. वावर हाओ

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्वाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) एम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा मकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

# अनुसूची

21) Cents of land as per Schedule attached to Doc. No 2085-81 dated 11th May 1981.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकालम

तारीख 1/4 1 1982 माहर : प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

म्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकाुलम

एरणाक ुलम, दिनांक 16 जनवरी 1982

निदोश सं. एल . सी 547/81-82—स्तः मुक्ते, टी.

जेड्. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

और जिस्की सं. अनुगूचि के अनुसार है, जा कोच्चिन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुलन कारिश में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनिय्स, 1908 (1908 का .16) के अधीन 14-5-1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वा में मास्त्रिक रूप से कृतिया नहीं किया ग्या है :---

- (क) श्रस्परण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रमीन कर देने के श्रस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसमे बचने में गुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किया याय या किसी घर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में भृविश्वाक लिए,

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियो, अर्थात्:——

- 1. श्रीमति हो. आर. सीसः अर्थ और जी. देशनाथ। (भ्रन्तरक)
- 2 रइसीस वाक्स और क्रीमकाल्स प्राइनिट लिसिटोड। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पॄर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्याक्त्य में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की ता**रीख से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशैकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गण है।

# अनुसूची

3.87 Acres of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1793 dated 14th May 1981.

टी. जेड्. 'माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आश्कत (निर्णक्षण) अर्जन रोज गुरणाकालम

तारीख : 16-1 1982 मोहर प्राप्त कार्र . टी. एन. एस.-----

णिएको জিলিবন, 1961 (1981 का 43) নী धार। ोऽ । (1) के सुधीन भुचना

ाउरल स€कार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एर्णाकालम

एरणाकालम, दिनांक 16 जनवरी 1982

निस्यानं, एला. सी. 548<sup>7</sup>81-82---<mark>यतः मुक्ते, टी</mark>. ଭੋਕਾ, 1**णि.** 

आयक्तर जिलियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शहर जिल्ल असिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख है विधीन महत्व पाधिकारों को यह विध्वाप करने का कारण है कि स्थाप एंपनि, जिसका रिनर जानार मृत्य 25,000/- ६० व

और जिसकी सं. अनुमूनी के अनुमार है, तथा जो कोन्विन में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूनी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूलन क्रिश में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधील 15-5-1981

को पृथिकत संपत्ति के उचित वाजार मूख्य से कम के दृष्यमान परिवक्षत के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह निश्तीस करने का कारण है कि यथा। विषय मंगीन का उचित नाजार मूख्य, उसक दृष्यमान प्रतिफल का पख्दह प्रविश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती । अगिरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-हार निश्वतिलिया बहुरम से जवन पन्तरण लिखित में वास्तविक कार्य कथित नहीं किया थया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत जक्त यिष्ठ-(तपम ह प्रश्नीन कर देने के घन्सरक के दायिस्व में कमी हरने या प्रथमे बचने में गृविक्षा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 ं 1922 है। 11) या उन्त अधिनियम, या धन-इन प्रवितियम, १८५७ (1957 का 27) - अस्त्रतार्थ अस्तिर्यो द्वारा प्रकट नहीं किया पना था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुर्धान्य ने जिला;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थास्:—— 3.-406G1/81 1. पीमली हो आर. सीमा नर्मा।

(अन्तरक)

 रइमीग वाक्स और कोमिकल्स प्रार्ह्ववेट लिफिटेंड। (अन्तरिती)

को यह पुत्रका जारो करके प्योक सम्पन्ति के मर्जेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी पाखेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा नकीं।

स्वध्दीखरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदी का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गर्य है।

### अनुसूची

254 Acres of land with building as per Schedule attached to Doc. No. 1794 dated 15th May 1981.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रजे, एरणाक लम

**नारीब** : 16-1-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती सीता वर्मा।

(अन्सरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. रडमीस वालस और कींमकाल्य प्राइविट लिमिटोड। (जन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

एरणाक लम, दिनांक 16 जनवरी 1982

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निविश नं. एल. सी. 549/81-82--यतः म्फो, टी. जेड्. माणि,

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं अनुसूचि के अनुसार है, जो कोच्चिन में

स्पट्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अरि जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो कोच्चिन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्लन करिश में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किंसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में मृविधा के निए;

#### धनसत्ती

2.22 Acres of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1795 dated 15th May 1981.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे. एरणाक लम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--

तारीख : 16-1-1982

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) **के मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकुलम

एरणाक लम, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवंश नं. एल. सी. 550/81-82---यतः मूक्ते, टी. जेड. माणि,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं. अनुमूची के अनुसार है, जो कोच्चिन में निश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुलनक्रिश में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1981

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उण्चित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का म्बद्ध प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक हंप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आयं की वाबत, सकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तर्यक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। प्रीय/मा
- (न्य) ऐसी किसी अप या किसी धन या अस्य आहितयों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, जनत धिवित्यमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में,, जनत धिवित्यभ की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिसित् व्यक्तियों अधीत :---- शीमनी मीता नर्मा।

(अन्तरक)

2. रहमीस वाक्स आँर कोमिकल्स प्राहिवेट लिमिटेंड। (अन्तरिती)

हो यह पूजना जारो करक पूर्वाक्त सम्मात का अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हूं ।

उत्ता अस्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, श्रो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना ह राजपत्र में पकाशत की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पद्योहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

ाढ्यांकरण :--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुों अर्थ होगा का उस चच्याय में दिया गया

#### धनसभी

 $68 \frac{1}{4}$  Cents of land with building as per Schedule attached to Doc. No. 1796 dated 15th May 1981.

टी. जोड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाक्लम

नारी<del>ख</del> : 16-1**-**1982

मोहर ः

# प्रकप बाहाँ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षंत्र., पटना

पटना, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>न</sup>श सं. ।।।-540/अर्जन/81-82--अतः मुभ्ने, हृदय नारायण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं. खाता सं. 191, प्लाट सं. 221 है तथा जो हो जिसकी सं. 150 ए. 2, महल्ला मोरावादी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राचीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 7-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत उथल अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: क्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिकिक व्यक्तियों, स्थितः--

(1) श्री अनिल कुमार मोही पुत्र रामनाथ मोदी, अपर बाजार, थाना कोतवाली, जिला राची।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अजय कुमार सिंह 2. विजय कुमार सिंह 3. संजय सिंह पुत्र मधुरा प्रसाद सिंह, हिनु, राजी हाल मोकाम मोरावाबी हरिहर सिंह रोड, राजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्रतिपत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

जमीन का रकवा 45 डीसमल मकान सहित जो महल्ला मारावादी थाना सदर, राजी में स्थित है तथा पूर्णरूप से विसका संख्या 5395 दिनांक 7-5-81 में वर्णित है एवं जिसका निवन्धम जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी राजी द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षंत्र, पटना

नारींब : 15-1-1982

अभ्य श्राई० टी० एन० एस०---

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>2</sup>हः सं. ।।।-542/अर्जन/81-82--अतः मुक्ते, हृदय गारायण,

प्रायक्कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इटके रक्षण (उन्हा तिथम) कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीय सनग राजिकारि की, यह विश्वाम करने का कारण है कि १९१वर मुख्याने, रित्यका उचित जाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रक्रिक ह

और जिसकी सं. प्लाट सं. 478, खाता सं. 171, खसरा सं. 1674 जी. 1673, 1673, 1674 जी. 1673 है तथा जो 1673 वार्ड सं. 2 सिकन्दरपुर थाना पो. मूजफरपुर में स्थित हैं (जोर इससे उपायद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हो), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मूजफरपुर पो रिजस्ट्रीकरण नियमिसम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारित 27-5-1981

नो पूर्वोक्त पाल के इतित बाजार म्हय से कम के दृश्यमान प्रतिकत । हो। क्लाहा को गई हे और पृत्ते यह विश्वास करते । का हि का का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत के अधिक के अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और प्रतिकार के विश्वास के प्रतिकार के किए करतियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा गांधा गां प्रतिकत, तिथन नहीं किया गांधा गां प्रतिकत, तिथन नहीं किया गांधा गां प्रतिकत, तिथन नहीं किया गांधी है:---

- ्र ) अन्तर्य से हुँ । विशे आय की बीवत, **उक्त** व्यक्षियम के अवीन कर देने के अन्तरक के उहारत्य से अवी हरते या उसने बचन में सुविधा हो नक्<sub>रें</sub> और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निक्कितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती जनक राली देवी जाँजे श्री बाबू चकरथर प्रसाद साही ग्राम तथा पो. सहीला रामपुर टोला वालुयाहन थाना सदर जिला मुजफरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू मोहन प्रसाद साही पूत्र बाबू सूरेन्द्र प्रसाद साही, ग्राम तथा पो. रूपाली, थाना सरया, जिला मजफरपर।

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चूवा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में सनाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति हारा;
- (अ) इस पुअना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्ही करण:—इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही यथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकता 13 कटठा 19 धुर है तथा जो महल्ला सिकन्दरपुर शहर मुजफरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 7934 दिनांक 27-5-81 मे वर्णित है तथा जिसका निवंन्धन जिला अवर निवंन्धक पदाधिकारी मुजफरपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, पटना

तारीख: 15-1-1982

# प्ररूप आर्च.टी.एन.एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-ष (1) के अधीन स्**चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन क्षेत्र., पटना

पटना, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश सं. ।।।-541/अर्जन/81-82--अतः मुभ्ने, हृदय नारायणः

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं. खाता सं. 171 खेसरा सं. 1674 (ग) 1673 तथा 1673 है तथा जो महल्ला सिकन्बरपुर, थाना एवं पो. म्जफरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिनारी के कार्यालय मुजफरपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 26-5-1981

(1908 का 16) के अधीन, तारील 26-5-1981 की पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त किंपिनियम की धारा 269-गं के. अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जनक राली देवी पत्नी स्व. बाबू चकरथर प्रसाद साही, अभिभावक गनेन्द्र कुमार साही (नवालिक), ग्राम सहीता रामपुर टोला वालुवाहन, थाना सदर, जिला मुजफरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू शशी भूषण प्रसाद साहा पिता स्रोन्द्र नारायण सिंह साही, ग्राम रूपोली, थाना सरौया, जिला मुजफरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के नार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूखी

जमीन का रक्षवा 8 कटठा 16.5 भूर है तथा जो महल्ला सिकन्दरपुर, थाना तथा परे. मुजफरपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप सी वसिका सं. 7885 दिनांक 26-5-81 में वर्णित है एवं जिसका निवंधन जिला अवर निवंन्धक पदाधिकारी म्जफर-पुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन क्षेत्र, पटना

नारीब : 15-1-1982

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (रिरीक्षण)

अर्जन रॉज, जदपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्देश सं. राज/सहा था. अर्जन/1128—यन: म्भे, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रुट. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट ही तथा जो उदयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण क्रय से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकिती अधिकारी के कार्याल्य उदयप्र में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-5-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विष्वास करते का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य में किथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलियन अधिकतयों अधीन:——

(1) श्री विश्वनाथ पिता गूरुदास मलजी बक्षी, निवासी भटजी की बाड़ी, उदयप्र।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विभला दंवी पत्नी सुभाष चन्द जी गुप्ता, निवासी उदयपुर।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

प्लाट वाके उदयपुर सरसारपुरा में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संस्था 1050 दिनंक 12-5-81 पर पंजिबद्ध डिक्स्य पद में और विस्तृत रूपमें विवरणित है।

> एम . एल . चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ज्यपर

नारीष : 16-1-1982

प्रस्प सार्धः टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आय्कर आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्दोश सं. राज/महा आ. अर्जन/1129--यतः म्भे, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयप्र में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 30-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति. के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुर्ष किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमशी लोगर होती भागी महिमीगार की लाग, जिला उद्ययम्स

(अन्तरक)

(2) श्री डा. नन्द लाल प्रशामा लाल भी जोशी, नि. , उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लाट बाके सहदारपूरा उदयप्र को जो उप पंजियक, उदय-पूर द्वारा कम मंख्या 1233 दिनांक 30-5-81 पर पंजिबद्ध विकास पत्र मो और विस्तात रूप में विवरिधात हैं।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयक्क (चिर्शक्षण) अर्जन रॉज ज्यप्र

तारीस : 16-1-1982

# प्र**थप धार्ध**• टी० एन० एस०~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्देश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1130--यतः म्फे, एम. एल. चौहान,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000) इपय से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 16 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य उदयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 13 मई, 1981

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की यह है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिकित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत चक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष मा किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिम्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भौजितमम, या धनकर भौजितमम, या धनकर भौजितमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब, उक्त श्रांतियम की धारा 269मा के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की भारा 269मा की स्पन्नारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—476 GI/81

- (1) श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री मोहन सिंह जी डागलीया, निवासी 190, भूपालपूरा, उदयपूर। (अन्तरक)
- (2) श्री फकरुव्दीन पुत्र कुरबान हु,सैनहीतावाला, नि. उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना <mark>चारी करके पूर्वोक्त</mark> संपत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की अत्रिध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीजर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति वारा;
- (स) इस यूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में दितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यवदीकरण !-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, भी उनत प्रिधितियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस सहमाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. 16., स्वरूप सागर नाले के पास, उदमपूर जो उप पंजियक, उदमपुर द्वारा कम संख्या 1042 विनाक 13 मर्झ, 81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम . एल . चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज जयपुर

तारीस : 16-1-1982

# प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्दोश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1133—यतः म्भो, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- र से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 16 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए: और/एर क्रीं:
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उद्यस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती राजमाता श्रीमती बिरव कुंथर पत्नी महाराणा भूपाल सिंह जी, उदयपुर।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मेहता, निवासी उदयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) प्य गचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

प्लाट नं. 38, सर्वऋतू विलास, उदयपुर जो उप पंजियक उदयपुर ब्वारा कम् संख्या 1083 दिनांक 15-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवारणित हैं।

> एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज जयपुर

सारीस : 16-1-1982

### प्रकृष साई । टी । एव । एस । ---

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, विनांक 16 जनवरी 1982

निवर्षा गं. राज/सहा आ. अर्जन/1134--यतः मूक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का संअधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिविक हप में किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुइरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात ह-= (1) श्री रमेश चन्द पिता बेणी राम जी जोशी, निवासी उदयपुर।

(अन्सरक)

(2) श्री दौलत राम पिता बालूची सूथार, निवासी ओडन, तह, नाथस्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथ्ये कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्युत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सक्ति।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कळां और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट वाके सर्वऋतु विलास, उदयपुर में जो उप पंजियक, उदयपुर ध्वारा कम संख्या 1130 दिनाक 21-5-81 पर पंजि-बद्ध विकास पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. बौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज जयपुर

तारील : 16-1-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एसं.----

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्दर्शि सं. राज/सहा आ. अर्जन/1135---युतः मृक्ते, एम. एल. चौहान,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उत्यपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य उत्यपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मृन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री रमेश चन्त्र पिता बेणी राम जी जोशी। निवासी टेकरी, उदयप्र।

(अन्तरक)

(2) श्री भंवरलाल पुत्र दलितराम सुथान, नि. ओडन, तह. नाथद्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

रमध्वीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जम्सूची

प्लाट बाके सर्वऋतु विलास, उदयपूर में जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम सं. 1129 दिनाक 20 महर्, 81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 16-1-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

णायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निद्धिश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1131--यतः मूफे, एम. एल. **भो**हान,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट हैं तथा जो उदयपूर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 महर्, 1981

को पृशेक्त संपरित को उक्तित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उने अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूरियधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री गोवर्धन सिंह पृत्र मदर सिंह जी आशीयां, नि. भोरियों की कड़ीया, तहसील नाथद्वारा, जिला उदयप्र।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बरदी बाई पत्नी मांगीलाल जी जैन, नि. उदयप्र।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बव्ध किसी अन्य 'व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट वाके उदयपुर फतेह्रपुरा में हैं जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 943 दिनोक 1-5-81 पर पंजिब्द्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम . एल . चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , जयपुर

तारीख़ : 16-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ओधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**चना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सृहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्दोश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1132--यतः मुभ्ने, एम. एल. चीहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 37ए हैं तथा जो उदयपुर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है क्ष्न-

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) राजमाता श्रीमती बीरदकः वर जी पत्नी स्व महाराणा भूपाल सिंह जी, उदयपुर।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री तोज सिंह पुत्र प्रताप सिंह जी महिता, निवासी उदयपुर।

(अन्सरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्वाधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

ण्लाट नं. 37 ए, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजि-- यक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1084 दिनाक 18-5-81 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृप्त रूप सं धिवरणित ह<sup>3</sup>।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रॉज जयपुर

तारीख: 16-1-1982

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्देश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1121—यतः मुक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपन मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षग प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ स्पए से प्रधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूए से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1981

को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यणान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण - लिखित में वास्तविक हुए से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) आप्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमें बनने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डियाने में सुविधा के लिए;

श्वतः श्रत्र उक्त अधिनियम की घारा 269=ा के श्रनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्मालिखित व्यक्तियमें, श्रयीत्ः⊶

- (1) श्री गोविन्द राम पूत्र नानगराम, नियासी आसरे रोड, जयपूर। (अन्तरक)
- (2) मैं मर्स डी. आनन्द्र एण्ड कम्पनी द्वारा देवकी नारायण भाटिया पूत्र डा. क्याम दास भाटिया, नि. आदर्श नगर, जयपूर। (अन्तरिती)

को यह मूचनः जारी धरते पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजेन के चिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इत प्तना के राजपत्र में प्रकासन की नारीज से 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्ति ए पर मुखना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भा अवधि बाद में समापा होती हो के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न भे प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीतस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सर्केंग ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गर्का यौग पदी हा, जो सकत श्रविनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गणा है :

#### अनुसूची

एक खाली जमीन का ट्वंकड़ा, आमर राष्ट्र, अयपूर जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा ऋम संख्या 1120 दिनांक 4-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम एल जीहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीब : 15-1-1982

# प्रकप बाही, टी. एन्, एस.------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्देश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1123---यतः मुभ्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. डी-3(ए) है तथा जो जयपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यक्त प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बस्तरण् से हुई किसी आय की बाबत उबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए;

अतः कक्ष, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः

(1) श्री सत्य प्रकाश तेजपाल पुत्र पंडित नाथूलाल तेज-पाल, निवासी बनी पार्क, जयपूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधादेवी एवं संताेष देवी, निवासी बनी पार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

### उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं. डी-3 (ए) न्यू का भाग, बनी पार्क, जयपूर जो उप-पंजियक, जयपुर ब्वारा कम संख्या 1135 दिनांक 4-5-81 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जयपूर

तारीख: 15-1-1982

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(।) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अयप्र

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1122--यतः म्भेरे, एम. एल. चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. एच-20 हैं तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं). रिजस्टीवर्जी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्टी-

हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूए से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 23-6-1981

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक इस से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियस व्यक्तियों अर्थात् ह—— 5—476 GI/821

- (1) श्री महावीर प्रसाद जाजू पुत्र श्री किशन लाल जाजू, डी-233, बिहारी मार्ग, बनी पार्क, जयपूर। (अन्तरक)
- (2) श्री नवनीत कर्मार प्रसोद कर्मार लहाड़िया पूत्र चिरजीलाल लुहाड़िया, ई-15, त्लसी मार्ग, बनी पार्क, जयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री आह्रोद्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण १--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. एच-20, त्लसी मार्ग, बनी पार्क, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति जो उप पंजियक, जयपुर ब्वारा क्रम संख्या 1548 दिनांक 23-6-81 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में और विम्तृत रूप में विवरणित है।

एम एल जीहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, **जय**पट

वारीस : 15-1 1982 मा**हर**्क प्ररूप आईं .टी.एनं.एस . ------

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1127—यतः म्भे, एम. एल. चीहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंद, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000 र र में अधिक हैं

और जिस्की मं. प्लाट नं. ए 4 वी है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है),, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1981

तारील 11-6-1981 को पूर्वीक्त संपर्ति के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से हाई किसी अगय की बायत, उतत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री विद्यासागर मितल पूत्र श्री रमेभ्शचन्द्र मितल द्यारा किशनलाल रमेशचन्द्र भुसावर जिला. भरत-प्र।

(अन्तरक)

(2) श्री जरदीक प्रसाद गर्ग पृत्र दोवी सहायजी गर्ग, निवासी ग्राम मुवारिकपुर, तहसील रामगढ, जिला अलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. ए-4-बी पूर्वमुखी, गोविन्द मार्ग, मानसिक चिकित्सालय के सामने, जनता कालोनी, जयपूर जो उप पंजि-यक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1375 दिनाक 11-6-81 पर पंजिबद्ध विकस पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस. एल. चीहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

1) तारीख**ः** • मो**ह**रः

तारीख: 13-1-1982

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् :---

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1982

निद<sup>™</sup>श मं. राज/सहा आ. अर्जन/1136—स्वतः मुक्ते, एस. एल. चीहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उति। वाजार मृल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट ही तथा या अजमेर मो स्थित ही (और इसमे उपाबद्ध अनुपूत्ती मो और पूर्ण रूप सं वर्णित ही), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर मो रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1981

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उजित वाजार मूल्यू से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित को गई है प्रौर पूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उक्षे रृश्थमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) घौर प्रन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्रविक स्प से क्यात नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरः से हुई किसी आय का बाबत, छन। अधिनियम के पधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा आव या किसा घन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री राम नन्द पुत्र श्री रामदास, आनन्द भवन, किवपूरी, अजगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दा धर्मपत्नी श्री ज्ञानदेव व श्री सी. एस. माहर्ष्यरी, निवासी उज्जैन। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

छरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**योप ।**--

- (5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य क्यकिन द्वारा अबोड्स्ताक्षरी के पास निखित में किए जा भूकेंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धी ग्रीर पदों का, जो उपत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गंगा है

#### अससर्ची

एक प्लाट स्थित लोहागल रोड़, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा ऋम संस्था 1174 दिनोक 27-5-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

> एमः एलः चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॅज, जयपुर

**धारीय : 19-1-1982** 

# प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 19 जनवरी 1982

े निद<sup>्ध</sup>श सं. राज/सहा आ. अर्जन/1137—यतः मूक्ते, एम. एल. चौहान,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री मदन मोहन व्यास, मिल रोड, ब्यावरो (अन्तरक)

(2) श्री विक्रम बर्जिरए पिता श्री किशन अग्रवाल अटोनी श्री मदन गोपाल फतेहपुरिया। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट आफ लैण्ड, लोहागल रोड़, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा कम संख्या 1059, दिनाक 1 मई, 1981 को पंजिबद्ध सिक्य पत्र में और विम्तृत रूप में यियरणित है।

> एम . एल . चौहात सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख . 19-1-1982 मोहर : प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपूर

ज्यपुर, दिनांक 5 जनव्री 1982

निद्रिश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1118——यतः मुफे, एम. एस. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. होटल बिल्डिंग है तथा जो उदयप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 6 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिश्ति उद्दोश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कि थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या •
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- (1) श्री माधू सिंह पुत्र मनोहर सिंह, निवासी उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री रूप कुमार खुराना, 133, शक्ति नगर, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम,, को अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

होटल बिल्डिंग जो उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक उदयपुर ब्वारा क्रम संख्या 1461 दिनांक 6-7-81 पर पंजि-बद्ध विक्रय एक में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 5-1-1982

## प्ररूप भार , टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवर्श नं. 397/81-82---यतः मुक्ते, श्रीमती मंज् माध-

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नंबर 233 और 235 हो जो कुदूर ग्राम मों स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप में विणत हो) रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, स्डिगेरो लेडर डाक्यूमोंट नंबर 141 मों भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) को अधीन तारीख 27-5-1981

कां, पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया हैं:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 श्री के. एस. नारायणगौडा सुपुत्र श्री के. सी सब्बंगौडा, कुंदूर ग्राम।

(अन्तरक)

2. श्री एस. डी. नागराज सुपूत्र एम. एम. दांड्डे-गाँडा, सारगांड, काड्या होबली, सालूक चिक-मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु**सूची**

चिकसंगलूर तालूक, कुंदूर ग्राम में स्थित 8 एकड़ 6 गूंटा वंट लैंड जिसका सर्वों नंबर हो 233, और एक एकड़ कािक प्ला-टेशन जिसका सर्वों नंबर हो 235।

> श्रीमती मैंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलौर

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीब : 16-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निद्येष मं. घण्ड./35/81-82—यतः मूभ्मे, स्वदेव चंद, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रूपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 331 में आधा हिस्सा है तथा जो सैकटर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमें उपाइद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मई 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्वा से हिंचन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरक से तुई किसी भाय की बाबत, उर्वत भक्ति-नियम के भधीन कर देने के प्रम्तरक के दीयिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या।
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. क. सत्यवि बन्ना सूप्त श्री चन्तू राम बन्ना निवासी 3, मान रोड दिल्ली कट माध्यम उसके जनरल-अटोरनी स. ग्रजीत सिंह कंग मूप्त्र म. ग्रम्ब सिंह कंग निवासी गांव व डा. खमनो कलां तह ममराला जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्री नन्द सिंह बराड़ सूपूत्र श्री जय सिंह बराड़ निवासी गांव व डा. अबदूल खरना तह. मूक्तसर, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी अपित्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन अपितरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्केंगे।

स्यव्दी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षि नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रुष्ट होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अतसची

प्लाट नं. 331 मैंक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में आधा हिस्सा है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 238 मर्ड 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, ल्धियाना

तारील 23-1-1982 मोहर: प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# अस्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

लिथियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदंश सं. चण्डी./34/81-82-- यतः मूभ्के, सुखदंब चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 331 में आधा हिस्सा है तथा जो सैक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मई 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 कर्नल सत्यदेव खन्ना सुपुत्र श्री खन्नु राम खन्ना माध्यम उसके अटोरनी श्री ग्रजीत सिंह कंग सुपुत्र श्री गुरम् सिंह कंग निवासी गांव व डा लमनाओ-कला तह. समराला जिला ल्थियाना।

(अन्तरक)

2 श्री गुरवर्शन सिंह ब्राड़ सुपुत्र श्री नन्द सिंह ब्राड़ निवासी गांव अबदुल खरना पी ओ अबद्ल खरना तह मुक्तसर जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित मों किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस्त अध्याय में दिया ग्या हैं।।

## अनुसूची

प्लाट नं. 331 सैक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में आधा हिस्सा है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 237 मर्ड 1981 के अधीन दर्ज हैं)

> स्**खदेव चन्द** सक्षम प्रा**भिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लिधियाना

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील 23-1 1982 मोहर : प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

धायक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदंश सं. चण्डी/59/81-82--यतः मुक्ते, सुखदेव चन्दः,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3146 है तथा जो सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रश्तिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य मे किथत नहीं विजया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसा प्राप या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिवित्यम की घारा 249-ग के मनुसरण मॅ, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के श्रिक्षीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :- र —476G1/81  श्रीमती वेदवती सोफट पत्नी श्री बंसी लाल निवासी 339 सैक्टर 15-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री देव दत्त सलवां, राजकामार सलवां श्रीमती जनक सलवां और श्रीमती स्नीता निवासी 1650 संक्टर 7-सी चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस श्रष्टयाय में दिश गया है।

# अमुसूची

प्लाट नं. 3146 सैक्टर 21-डी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 352 मर्ड 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, ल्भियाना

ता**रीब 23-1-1**982 मोहर : श्रह्म आ**ह**े.टी. एन . एस . -----

क्षायक्षर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदश सं. चण्डो/45/81-82--यतः मुभ्ते, सुबदिव चन्दः, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रहे. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 547 सै. 16-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मर्ह 1981

कर पूर्वोक्त सम्पिति को उचित बाजार भूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी साय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अधितः -  श्री प्रमध्यर दत्त सूपृत्र श्री चरजीलाल निवासी मकान नं 547 से. 16-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रतिभा मुन्सी और श्रीमती उषा किरण माफ्त डा. सतीश गर्ग निवासी 1262 से. 18-सी चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त रुवदों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

मकान नं. 547 सैक्टर 16-डी खण्डिगित में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 266 मई 1981 के अधीन दर्ज है)।

स्वदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, ल्लियाना

तारीख 23-1-1982 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982:

निदोश सं. चण्डी/41/81-82—यतः मूक्ते, सुखदोव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संगोति जिसका डोजन बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मंं फाए नं 1396 है तथा जो सैक्टर 34-सी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण कव मं प्रित हैं), रिजस्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण और्थीनण्य, 1903 (1908 का 16) के अधीन स्टारीच नई 1901

16) क जथीन, तराजि पदा 1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य में कम के उच्चमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने था कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफाल से लिसे दश्यमान प्रतिफाल को लिसे दश्यमान प्रतिफाल को लिसे दश्यमान प्रतिफाल को लिसे दश्यमान प्रतिफाल को लिस त्या प्राया प्रति (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तस पाया गया प्रतिफाल निम्मलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक छप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--  बिरोडियर सी. आर. नारग सुपुत्र डा. टी. डी. नारंग कमांडेंट ए. एम. सी. सैंटर स्कूल लखनजा।

(अन्तरक)

2. कंवर नरिन्द्र सिंह और चरा नरिन्द्र सिंह, निवासी 1808 सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवतः संपित्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बद व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से ' 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पन्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा रकोगे।

स्पष्टीयारणः --- इसमी प्रमुक्त शत्यों भीर पर्यों गा, प्री एउन आध-नियम के अध्याय 20-के में प्रभागन हों. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गय हों।

### अनुसूची

प्लाट नं. 1396 34-सी चण्डीगढ़ से स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डागढ़ के कार्यालय के विबल्ख संख्या 246 मई 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुसदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, लुधियाना

तारीख 23-1-1982 मोहर: प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

# म्रायहर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के मधीन सूचता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ं अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

िनदोश सं. पटि./27/81-82---अतः सूक्षे, सूखदोब चन्द,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे पश्चात् 'उना श्रीधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पत्रम प्राधिकारों को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ष्पये से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट क्षे. 1445 व. ग. है तथा जो किपरी सरिहन्द रोड पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची मों और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला मों, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का खित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐते अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखन उद्देश्य मे उसन अन्तरण निवित्त में बास्तविक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणें से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—  सर्वश्री हरदोव सिंह, हरिन्द्र सिंह स्पृत्र श्री हरचरन सिंह निवासी त्रिपरो पटियाला।

(अन्तरक)

 श्रीमती आज्ञा कारे पत्नी स हरनाम सिंह निवासी बिबरियां गली, पटियाला।

(अन्तरिती)

कौ यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>मर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अनिध या तरसम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्द्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उनत श्रविक नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमिक्षे. (प्लाट) 1445 व. ग. त्रिपरी सरहिन्द रांड पर है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संस्था 1672, मई 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लुस्थियाना

तारीख : 23-1-1982

मोह्र :

प्रऋप धाई० टी० एत० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, लुधियाना

नृधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

िनदोश सं. पटि./22/81-82---अतः म्फे, स्<mark>यदो</mark>ष चन्द्रः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ संधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्र 6 बिसदा (300 व. ग.) है तथा जो लहाल दःस निवारण रोड एटियाला में स्थित है (और इममें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप संविणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द 1981

को पूर्व क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्द्रह से प्रतिश्वत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक छए से किया गया है।——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उबत श्रक्षित्यम के श्रश्रीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए। ग्रोप/ग्रा
- (३) ऐसी किसी आय गाहिसा ग्रांच प्राध्य प्रास्तियों की, जिस्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भिधिनियम, याधन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

भता भव उक्त श्रधिनियम को धारा 26% में के अनुसरण में, में, उक्ष भिवित्यम की धारा 26% को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री हरपाल सिंह, एडवोकेट सपुत्र स. गोविन्द सिंह अटोरेनी होलंडर आफ श्री परमजीत सिंह सपूत्र श्री राजवन्त सिंह निवासी माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरक)
- श्री नारायण सिंह सप्त्र श्री गुरदास मल और श्री अवतार सिंह सप्त्र श्री नारायण सिंह निवासी 15 मनसों गली लाहारी गेट पटियाला। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन प्राध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्र 6 बिसवा (300 व. ग.) लेहाल, दुःल निवारण रोड, पटियाला।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्या-लय के विलेश संख्या 1449 के अधीन दर्ज हो)।

> स्यदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी स्**हायक आयक** र आयु<sub>क्ति</sub> (निरीक्षण) अर्जन रज, लूधियाना

तारीख: 23-1-1982

प्ररूप आहू<sup>र</sup>. टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्धियोना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदश सं. पटि./23/81-82---अतः म्फे, स्खदव चन्द,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. संअधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्र 6 बिसवा (300 त. ग.) है तथा जो लेहाल दःख निवारण रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई 1981

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल छा पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के लिए;

अतः वयः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीनः, निम्निनिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री दर्शन सिंह सुप्त म . बलवन्त सिंह , निवासी 7ए/1 , माडल टाउन , परियाला ।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री नारायण सिंह सप्त्र श्री गृरदास मल और श्री अवतार सिंह सप्त्र श्री तारायण गिंह नितासी 15 गर्नासयो गली लाहारी गेट, पटियाला। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाधा हाती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

भूमि क्षेत्र 6 विसया (300 व. ग.) लंहाल, द:क निवारण रोड, पटियाला।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पीटयाला के कार्या-लय के विक्रेय संख्या 1450 सर्दा 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स<mark>ुसदेव धन्य सक्षम प्राधिकारी</mark> सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जुधियाना

तारीय : 23-1-198**2** 

प्रक्रम आई० टो० ए १० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

**निद**ेस सं. पटि./24/81-82---अतः म्फ्रे, सुखदेव **नन्द**,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उत्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्र 6 बिसवा (300 त. ग.) है तथा जो लेहान सुःस निवारण रांड, पटियाला मों स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रत् प्रतिशत से अधिक है, भौर प्रन्तरक (अन्तरितयों) की बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निम्तरित्तित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक का मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनिशम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाथिक्ष में कमी करने या छससे बचने में सुविध के लिए; कार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं शन्तरिता हारा पका नहीं किया गया था या किया जाता ताहिए था छिपाने में स्विधा के विए;

भ्रतः, अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  थी जीतन्द्र सिंह सुपुत्र स. नारायण सिंह निवासी बूटा सिंह दाला, सनोड तह. पटियाला।

(अन्सरकः)

 श्री नारायण सिंह सपुत्र श्री गुरदास मल और श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह निवासी 15 मनसिया गली, लाहारी गेट, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इन यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त ग्रंधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि क्षेत्र 6 बिसवा (300 व. ग.) लेहाल, दःस निवारण रोड, पटियाला।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्या-लय के विलेख संख्या 1451 मई 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुलक्षेत्र भन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीव : 23-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लिधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदंश सं. पटि/25/81-82--अतः म्भे, सुसदेव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि क्षे. 6 विसवा (300 व. ग.) है, तथा जो लेहाल दुस निवारण रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 5/81 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की ग**र्इ है और मुक्तेयह दिश्यास** करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह्प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- श्री नारायण सिंह स्पृत्र श्री बृटा सिंह, तेन्द्रसी बृटा सिंह वाला सनीडा, तह. व जिला पटियाला।
  - ्रास्त्र श्री सन्दर्भारः श्री
- शी नारायण सिंह सुप्त श्री गुरदास मल और श्री अयतार सिंह सुप्त श्री नारायण सिंह, निवासी 15 मनसियां गली, लाहोरी गेंट, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि 6 विसवा (300 व. ग.) लेहाल द्स निवारण रोड, पटियाला में है, (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय छे विलेख संख्या 1452, मर्ड, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सम्बदंब चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, लुधियाना

तारील : 23-1-1982

प्रकार आहे. डो• एन• एस०--

अ।यकर प्रश्नितियम, 1961 (1931 का 43) की घार। 269-प्र (1) के घड़ीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदोश मं. चण्डी/47/81-82--अतः म्भे, स्वदेव चंद, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 2184 हो, तथा जो मैंस्टर 35-मी, जण्डीगढ़ में स्थित हो (और इसमें उपावस्थ अनुमूची मो और पूर्ण रूप में वर्णित हो), रिजस्त्रोकर्रा अधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मंडी, 1981

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कुरून किया नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय को बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

7-476GI/81

 भीरती अग्रेजकार विधवा स्था में पूरन सिंह, निवासी गांव द्वमजी, पी. ओं लखन्ना, जिला कपरथला।

(अन्तरक)

 श्री मेहर चन्द्र मित्तल सूपूत्र श्री ठाकर्र मल और श्रीमती सूदोश मित्तल पत्नी श्री मेहर चन्द्र मित्तल निवासी 158 सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

प्लाट नं. 2184, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ मो स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोग संख्या 276 मर्ड, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्ख्रद्वेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, ल्धियाना

<del>तारीब</del> : 20-1-1982

शक्ष आह्". टा. एन. एस.-----

श्रान्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचन।

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लिधियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदोश सं. चण्डी/39/81-82--अत. मुक्ते, स्वदंश चंद, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चातु 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उल्वत बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. इडम्ड़ी. प्याट नं. 157 हैं, तथा जो इंडम्ड्री-यल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्य अन्स्की मो और पूर्ण रूप से विशित है), रोजस्मीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डगढ में रिजेम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 5/81 को पूर्वीस्त समाति के उचित बाजार मृत्य सेकन के दण्यमान अनिकल अनिए पन्डरित की गई है और मुझे यह विज्वास करते का कारण 🕽 👉 यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से भ्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्परण से हुई किसी आय की बाबंत उपत ध्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने तचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयेश था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् :---

 मे. बलोरिया फाइज और फार्ग प्रा. लिमि. साध्यम मनौजिंग डायरौक्टर श्री जगजीत सिंह बलोरिया सृष्ठ शिव चरण, निवासी मकान नं. 226, सौक्टर 9-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती कमलंश रानी पत्नी श्री शाम जाल (।।) बिमलेश रानी पत्नी श्री नरश कुमार, जिनासी मकान नं. 2, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- 3. मे. पी. एल. आयल मिल्ज, निदासी व्यक्तिगत प्लाट नं. 156-157, इंडस्ट्रीयल एरिया, चंडोगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त • अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

व्यक्तिगत प्लाट नं. 157, इ.स्ट्रीयल एरिया, भण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ को कार्यालय के जिलेख संख्या 244-ए मर्द, 1981 के अधीन दर्ज है)।

> स्बदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 23-1-1982

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, ल्भियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निवोदा, सं. चण्डी 46/81-82--अत: मुभ्के, सुखदांव चंद, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहार गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही

और जिसकी सं. व्यक्तिगत प्लाट गं. 156 ही, तथा जो इंडिस्ट्री-यल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमं, (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/81

को पूर्वो भित संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्ति उद्दोश्य से जनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत दही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; मीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अएस्लिया को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो सविधाके लिए;

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निमनलिखिन व्यक्तियों, अर्थास् :--

- 1. में. बलेराओं फुडज और फार्म प्रा. लिमि. माध्यम मनैजिंग डायरौक्टर श्री जगजीत सिंह धोलारिया, निवासी मकान नं. 226,, सैक्टर 9-सी, चण्डीगढ़।
- 2 .। (1) श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री शाम लाल (2) श्रीमती बिमलेग रानी पत्नी श्री नरेश कमार, निवासी मकान नं. 12, सैक्टर 28-ए, चण्डोगढ़। (अन्तो रती)
- मे. सी. एल. आयल मिल्ज, निवासी व्यक्षिणगत प्लाट नं . 156, इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना जारो करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध हो कांड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकोंगें।

स्पष्टाकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्रत अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, वही अर्थहोगाजो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुस्ची

व्यक्तिगत प्लाट नं. 156, इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ मी हो। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलंख संख्या 273 मई, 1981 के अधीन दर्ज ही।

> सम्बोध चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन गंज, ल्धियाना

वारीय - 23-1-1982 |

माहर :

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदंश सं. लूधि/82/81-82--अतः मंभी, स्वदंव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मं. नं. बी-1-444/2 है, तथा जो कान्दन पूरी, सिविल लाईन, लूधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकतों अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/81

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- १. श्री-स्ती दयावन्ती माता आफ श्री बाल कृष्ण और श्री केवल कृष्ण सूपुत्र श्री पिंडी दयाल, निवासी बी.1-444/2, ल्िंधयाना।

(अन्तरक)

 श्रीमती काशल्या दंगीविधवा श्री नन्द लाल और स/श्री मंगतराय जीवन कामार और शाम कमार स्प्य श्री नन्द लाल, निवासी म. नं. बी-1-444/2, कांदन पूरी, सिविल लाइन, लिधियाना।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं बी-1-444/2, कुन्दन पूरी, सिविल लाइन, लुधियाना। (जायदाद जो कि रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1130 मर्ड, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्मदंग चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्थियाना

नारील : 23-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदंश सं लिधि/102/81-82--अतः मुक्ते, मुखदंव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 86-वी, (क्षी. 300 व. ग.) है, तथा जो किललंडी नगर, लूधियाना मो स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली मां और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना मी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 5/81 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री अजीत सिंह सूप्त स. हज्रा सिंह, निवासी गांव सिथार माध्यम श्री सतदेव करीड़ा (जनरल पावर आफ अटोरनी) सूपूत्र श्री जोती राम, निवासी 12-ए, उधम सिंह नगर, लूधियाना।
   (अन्तरक)
- 2. स/श्री हरबन्स लाल मनोहर लाल स्प्त्र श्री बरकट राम, निवासी 469, नवन माहल्ला, ल्थियाना। (अन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्वाय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं 86-बी (क्षे 300 व 1), किखलेक नगर, लुधियाना। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या 1478, मर्दा, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

म्बद्ध चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लूधियाना

तारीख : 23-1-1982

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदश सं. लुभि/103/81-82--अतः मुभ्ते, स्खदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 79-बी, (क्षे. 300 व. ग.) है, तथा जो किचलेडा नगर, लूबियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 5/81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान. प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मुल्थ, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्प्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः 'जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

- श्री अजीत सिंह सुपुत्र स. चरन सिंह, निवासी भैरों मुन्ना, तह. लुधियाना माध्यम उसके जनरल पावर आफ अटोरेनी श्री सतदेव काँड़ा सूपुत्र श्री जोती राम, 12-ए, उधम सिंह नगर, लुधियाना।
  - (अन्तरक)
- श्री ओम प्रकाश सपुत्र श्री बरकत राम, निवासी बी-आठ 469, नवन मोहला, लूधियाना।

(अन्तरिती)

को यह त्वना जारो करते पूर्वीका नम्मति के अर्जन क निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बक्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

## वनसंची

प्लाट नं. 79, क्षेत्रफल 300 व. ग., किचनेज नगर, लूधियाना में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लूधियाना को कार्यालय के विलेख संख्या 1479, मई, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मृखद्वेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 23-1-1982

मोहर: -

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार े

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ल्पियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निवाश सं. लुधि/90/81-82—-अतः मुभी, सुखवेष चन्द, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उचन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि को. 1 कनाल 7 म. है, तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में रिष्ट हो (और इससे उपायद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नार्याच 5/81

का 16) की अधान, ताराख 5/81 को पूर्वाक्तित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकासी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों अधीर्तः ---  श्री कृष्ण गान चोपड़ा स्पृत्र श्री करदार कन्द्र, निजासी बसन्त विला, ल्िश्याना के माध्यस श्री प्रंम प्रकाश।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश मिरतर कालिया स्प्त श्री ज्ञान चन्द निवासी 10, पार्वती मकान, पजाब अगरी. यृगि-वर्मिटी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद- बद्ध किसी व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

भूमि को. 1 कनाल 7 म., गुरदांव नगर, ल्थियाना। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, ल्थियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1199 मही, 1981 के अधीन दर्ज ही।

स्लदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, लुधियाना

तारील : 23-1-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निदोश सं. चण्डी/61/81-82--अतः मुभ्ते, सुखबोव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन एअम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 333 है तथा जो सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6/81।

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा - के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मोहिन्द्र पाल वरहानं स्पृत श्री दांवानं चन्द्र,
 निवासी 17/2, उधम सिंह नगर, जालंधर सिटी (पंजाब)।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह, (2) श्री जसिवन्द सिंह सुपूत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी सकान नं. 416, सैकटर 37-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. 333, 37-ए सैक्टर, चण्डोगढ़ में स्थित  $\mathbf{g}^2$ । (जायदाद जो कि रिजन्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोख संख्या 367, मर्ड /जून, 1981 के अधीन दर्ज  $\mathbf{g}^2$ )।

मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, लुधियाना

तारीष : 23-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के धधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निवश मं लुधि 109/81-82 — अतः मुभ्ते, सुसर्वव चन्दः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. बी. वी. 1279 है, तथा जो माधोपुरी, कूचा नं. 2, ल्घियाना में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिवन्नों के कार्यालय, ल्घियाना सं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 5/81 को पूर्वोंक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उका अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

श्रत: ध्रव, उक्त श्रधिनियम, को घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः---8—476GI/81

- श्री बाल किशन स्लार सूप्त श्री आत्माराम, बृह्म-प्री, लिथियाना।
- (अन्तर्रक)
  2. स/श्री नरजन लाल, रमेश चन्द, मनोहर लाल, अवनाश चन्द अध्योकेट, यशपाल गुप्ता अडवोकेट, स्रिन्द्र क्मार और स्रोश कुमार स्पृत्र श्री कृष्ण गोपाल, निवासी बी- IX 721, गृलचमन गली, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त मिधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस मध्याय में विधा गया है।

### नन्सूची

मकान नं. बी. बी. 1279, माधोपुरी, कूचा नं. 2, ल्धियाना। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, लूधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1897 मर्ड, 1981 के अधीन दर्ज ही)।

म्खदंव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारी**न** : 23-1-1982

महिर .

## प्ररूप आर्ष. टी. एन्. एस.-----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्धियाना

लिधियाना, दिनांक 23 जनवरी 1982

निद्शे सं. वण्डि/38/81-82—अतः मुक्ते, सुबदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'एकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आक्षा हिस्सा एम. सी. एफ. नं. 9 है, तथा जो सैक्टण 27-सी, खण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध अनुमूची मो और एर्ण क्षा से बीणीत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 11908 का 16) के अधीन, नारीस 5/31

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिंतफात के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकता, निक्तिलिखत उद्देष्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, क्यांति :---

 श्री राम सरन दास और श्रीमती प्रोमिला भटनजा, निवासी 212, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्रीमती हुरभजन काँर पत्नी जोगा सिंह, गांव रुड़का कलां, तह. फिलार, जिला जालंधर। मार्फत और द्वारा श्री शाम लाल अग्रवाल, वासी मकान नं. 3454, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. मेसर्स न्यू इंडिया एन्सोरेन्स को. लिस्टिंड, श्री सुभाष चन्द्र, श्री देविंदर कुमार, श्री शिव पाल, श्री मोहिन्दर सिंह, वासी एस. सी. एफ. नं. 9, सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसकें अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आधा हिस्सा, एस.सी.एफ. नं. 9, सैक्टर 27-सी, चंडीगढ़ (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय को विलोख संख्या 243 सद्दी, 1981 को अधीन दर्ज हो।

> सुम्बदोव चन्द स्**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ल्वियाना

तारीब : 23-1-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदंश सं. चण्डी/44/81-82—अतः मुभी, सुखदंव चन्द, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं. प्लाट नं. 322 है, तथा जो सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/81

जवान, ताराज 3/61 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्ति से ऑधिक हैं और अन्तरण (अन्तर्कों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

> (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था

> (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात:—  लै. कर्नल बख्शी अवतार सिंह, निवासी 99, नड्ड जवाहर नगर, जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मलिवन्दर सरन कौर स्पृत्री श्री बलसरन सिंह तुड़, निवासी 322, मैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिश की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ब्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यापा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोद्धि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जशीहण्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा महारों।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्सुची

प्लाट नं. 322, नंदटर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलंस संख्या 261 मर्ड, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

> सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार शाण्कत (रिरोक्षण) अर्जन रॉज . लूधियाना

तारील : 2-2-1982

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लूधियाना

, न्तुधियाना, दिनांक 2 फरवारी 1982

निदोश सं. चण्डी/33/81-82—अतः मुक्ते, सुखदोव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सी. एफ. 18 है, तथा जो सैक्टर 26, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 5/81

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्थित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रिष्ठिक है और सन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (सन्तरितिमों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से स्थत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरग से दूर्व किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए।

श्रतः अवः उत्तत निविधम की घारा 269-ग के बनुसरण में, म उन्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिमों अर्थीत् :---  श्री बसन्त सिंह सुप्त श्री बूटा सिंह, निदासी गांव जिड्याला, वी. पी. ओ बाया, टुटो माजरा, तह-सील गढ़शकर, जिला होशियारप्र।

(अन्तरक)

2. (1) श्री उधम सिंह सूप्त्र श्री बलवन्त सिंह, (2) श्री स्वजीत सिंह, (3) श्री गूरजीत सिंह स/ सूप्त्र श्री उधम सिंह, सभी निवासी 613 सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

 मै. संठी एण्ड कम्पनी, निवासी एस. सी. एफ. नं. 18, सैक्टर 26, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना- के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्ने हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पट्टोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है,वही मर्च होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

एस. सी. एफ. नं. 18, सैक्टर 26, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 225 मई, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, ल्कियाना

तारी**ल** : 2-2-1982

(अन्तरक)

प्रकप शाई० टी० एन०, एस०-

आयकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवारी 1982

निवश सं. चण्डी/31/81-82--अतः मुक्ते, सुखदेव कन्व, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/= हपये से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 110 है, तथा जो सैक्टर 36-ए, अवण्डीगढ़ में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण 'रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी- गैंढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 5/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मृहय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से घिषक है घौर श्रन्तरक (प्रस्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य ने दक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित क

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत **एक्त ग्रधि**-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए । और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः; भ्रव, उक्त श्रिषिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में; में, उक्त श्रिषिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्: --

- 1. बिरोडियर राम सक्ष्य चौधरी स्प्य स्व. चौ. ख्री राम, निवासी 96, लोधी इस्टेट, नई दिल्ली माध्यम उसके जनरल अटारेनी श्री दोसराज सुपुत्र श्री गैंडा-राम, निवासी मकान नं. 706, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
- 2. श्री कपूर चन्च शर्मा सुपुत्र श्री मेला राम शर्मा, निवासी 203, सैंक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्वन के व लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवटीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़ियां ग्रीर पदीं का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में विया गया है।

## वनुसुची

प्लाट नं. 110, (आभा हिस्सा),, सैक्टर 36-ए, मण्डोगढ़ मों स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 223 मर्ड, 1981 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदेव जन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 2-2-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, लिवियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवारी 1982

निदंश मंं चण्डी/32/81-82--अतः म्भे, स्बदंव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 110 है, तथा जो सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चल्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 5/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. बिगोडियर राम मरूप चौधरी सुपुत्र स्वः चौ. खुशी गम, निवासी 96, लोधी इस्टेट, नई दिल्ली माध्यम उसके जनरल अटारेनी श्री दोस राज सुपुत्र श्री गाँडा-राम, निवासी मकान नं 706, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री धर्मपाल शर्मा स्प्त्र श्री कपूर चन्द शर्मा, निवासी 203, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45, दिन को अर्जाध या ट्रासम्बन्धी व्यवित्यों एर सूचना के की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकर्ण।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसूची

प्लाट नं. 110 (आधा हिस्सा), सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 224 मई, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, ल्धियान

तारीख : 2-2-1982

मोहर: 🔻

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज, कानपर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

िनद`श नं . 95 पी . आर . ∕81-82—–अतः म्फे, दिवेक बनर्जी ⊌आयक्रर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं. 213 है, तथा जो वैश्टिण्ड रोड, मेरठ कौन्ट को स्थित है (कीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोहली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1981

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वृंग्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः---

- श्रीमती केवती दांबी पत्नी स्व. पी. एस. जैत, निवासी 213, बैस्टीण्ड रोड, मेरठ कौन्ट।
- श्री गोपाल चन्द्र पुत्र श्री रतीराम, निवासी 213, बैस्टीण्ड रोड, मेरठ कीन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं 213, बैस्टैण्ड रोड, मेरठ कौन्ट में स्थित है।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कानपुर

तारीस : 15-1-1982 '

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

**फायक**र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानप्र, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदोश नं. 204/पी. आर./81-82---अतः मुक्ते, विवोक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 रु. से अधिक

और जिसकी सं . . . . हैं तथा जो सिनेमा हाल गढ़मूक्तरेवर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूनी में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़मूक्तरेवर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 6-5-81

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स गूरसरन पैलेस दोहली द्वारा पार्टनर्स सं. सुरोन्द्र सिंह व अमर पाल सिंह दोनों पुत्रगण सं. उत्तम सिंह कावली, निवासी सी/2 गुरुगोविन्द सिंह मार्ग नई दिल्ली वर्तमान निवासी बरला जिला सम्भल-पुर (उड़ीसा) व कसबा गढ़मुक्तदेश्वर जिला गाजिया-बाद प्रथम पक्ष व श्री सं. उत्तम सिंह कावली पुत्र सं. स्व. शानसिंह नि. पता उपरोक्त

(अन्तरक)

थी जुगेन्द्र लाल पुत्र श्री गुरबल्का सिंह व प्रदीप कामार पुत्र श्री भगवान दास दोनों निवासी रोलवे रोड़ हापुड़ जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती) 1

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 के दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सक<sup>3</sup>गे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति एम नग सिनेमा हाल बिल्डिंग पक्की मय दो फाइड एरिया तहसील गढ़ मृक्तरेवर जिला गाजियाबाद जिसकी भूमि तल 2763 वर्गगज है जिसमें 1120 वर्गगज पटा हुआ वे शेष 1643 वर्गगज बिना पटा खाली है। पूर्व में कच्ची सङ्क व श्री नत्थ/परिचम में भूमि कर्नल कपिलदेव शर्मा।

विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) \* अर्जन रंज, कानपुर

तारीख: 15-1-82

प्ररूप भाई० टो० एत० एत०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदंश नं. 200 पी. आर. /81-82--अतः मूफे, विवंक बनजी े,,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, शिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-**र**० से प्रधिक है।

और जिसकी सं. . . है तथा जो ग्रा. धीरखेड़ा परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 13-5-81

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान .प्रिक्तिक के लिए अल्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्न प्रन्तरण लिखित वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अल्लरण से हुई किसी अराय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **भौर/**या
- (छ) ऐसी किसी म्राय या किसी मन या म्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

 श्री भैसर्स जगदीश कोल्ड स्टोरेज एण्ड जनरल भिल्स भीरखंडा परगना सरावा मैसर्स तहसील व जिला मेरठ, द्वारा श्री नरोश कामार त श्री सैरोश कामार प्वगण श्रीमती प्रमलता पत्नी श्री जगदीशप्रसाद जी जाति वैरय अग्रवाल निवासी रोलके रोड कस्बा हाएड तहसील स्तास जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स बी. पी. आर. कोल्ड स्टोरंज एण्ड आईस फौक्टरी, धीरखेड़ा परगना सरावा तहसील व जिला मेरेठ। हौड आफिस 26 बागपत रोड प्रयाग मारकेट शहर मेरठ बुवारा श्री नरोन्द्रप्रताप पुत्र लाला प्रयागदास राडि शहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

ंउक्त सम्पन्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी ग्राक्षिप<sup>\*</sup>:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील के 30 दिन की ग्रवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी **व्यक्ति द्वारा**:
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनन ग्राधि-नियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पृति एक सम्पूर्ण बिल्डिंग कोल्ड स्टोरेज जिसमें एक कोल्ड स्टारिज रूम मय रोकस लकड़ा तथा दासरा एक कमरा कोल्डस्टोरेज मयरैकम लकड़ी व औफिसरूम एक मशीनरी व एक टयूबवैल मूकिस्मिल मय पस्पिंग सैट व बोरिंग साड़े सात हार्स पावर कनकशन बिजली व लाईट व टयुववैल मजकार मौजा धीरलंडा जानिब गौशा दक्षिण की जो मेरठ नगर पालिका की सीमा सं लगभग 20-25 कि . मी . दूर परगना सरावा तहसील व जिला मेरठ में स्थित है।

> विवेक सनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, कानपुर

नारीख: 15-1-82

मोहर :

9-476GI/81

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस. -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदोश नं. 65/पी. आर./81-82---अतः मभ्ते, वियेक वैनजीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. सं अधिक है

और जिनकी सं. 939 सं 944, 946, 952 सं 954 है तथा जो बसई मुबकिल आगरा में स्थित हैं (और इससे उपाबह्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय कानकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-81

को पूर्वोंक्त संपित्त का उणिक्ष बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गर्ड हैं और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिसन उद्धांश्य से उकन अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्निलियत व्यक्तियों अर्थातः--  श्री आर. डी. बंगल पुत्र श्री श्यामसून्दर बंगल निवासी 45 लेनीसरीन कलकता-13।

(अन्तरक)

2. कम्हौयाकान्त्र कोवपराटिव हाउजिसंग सोसायटी लिमिटोड आगरा ब्हारा श्री डी. एल. कालश्रोष्ठ प्रेसीडॉन्ट 37/210, सरन नगर दयालबाग रोड नगलापदी आगरा।

(अन्द्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वशिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

अचल सम्पति प्लाट गं. 939, 940, 941, 942, 943, 944,946, 952, 953, 954 क्षेत्रफल 10943.4 वर्ग- गज बसई मुक्तिकल आगरा में स्थित है।

ितवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कानपुर

तारी**य** : 15-1**-**82

प्रकृप धाई॰ टी • एन॰ एस•----

# भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवंश नं. 64/पी. आर./81-82--अतः मुभते, विवेक बनऔं. **मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा की घारा 269-खा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ग्पंये से प्रधिक है, और जिसकी सं - 947, 949, 964, 958, 962, 959, 968, 967, 965, 963, 948, 954, 946, 953, 952, 955, 945 ही तथा जो आगरा मीं स्थित ही (और इससे उपाक्षत्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारांख 8-5-1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बन्जार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्नेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसो किसी अ। या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः--  श्री रामवास बंगल पृत्र श्री श्यामसुन्दर बंशल (एच. यू. एफ.) निवासी 45 लेनीसरोन कलकत्ता।

(अन्तरक)

 कन्हीयाकान्ज कोपरीटिव हाउजिसंग सोसाइटी जिमि-टोड आगरा द्वारा-प्रेसीडोन्ट श्री बी. एस. क्लश्रोष्ठ 37/210 सरन नगर स्यालबाग रोड नागला परी आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
  जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वीवन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### समस्ती

अचल सम्पति प्लाट नं. 947, 949, 964, 958, 962, 959, 968, 967, 965, 963, 948, 954, 946, 953, 952, 955, 945 क्षेत्रफल 2423 4 वर्गगज आगरा में स्थित है।

विवेक बनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्द आयुक्त (निरक्षिण) वर्जन रॉज, कानपुर

तारीम : 15-1-82

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस:-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जनव्री 1982

निदोश नं 269/81-82--अतः मुभते, विवेक बनजी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारगृह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उप्तित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं है तथा जो कौनाट कौस्टल काटोज मंसरी और जिसकी सं. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (सी) रेजिस्टार अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट दहेली में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 28-5-1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकश्य से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिमियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री राक्षेश चन्द्र महरा (एच. यू. एक.) करता श्री राक्षेश चन्द्र महरा पृत्र स्विगीय हरवंश लाल महरा नियासी ए-292 डिफॉस कालोनी नमी दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनय मेहरा, चन्द्र मेहरा (अवयस्क), पथन मेहरा (/ावयस्क) संरक्षिका श्रीमती लता मेहरा, अजय मेहरा, भरत मेहरा (अवयस्क) संरक्षिका श्रीमती मध् रानी मेहरा, नवीन मेहरा, दिपक मेहरा (अवयस्क) संरक्षिका श्रीमती माला रानी मेहरा, अमित मेहरा (अवयस्क) संरक्षिका श्रीमती माला रानी मेहरा, अमित मेहरा (अवयस्क) संरक्षिका अनीता निवासी यस-555 ग्रेटर कैलाश 2, नयी विल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये यह स्वना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

स्युक्त करणः -- इसमें प्रयुक्त कर्जा और पर्वो का, जो उन्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

अचल सम्पति कौनाट कौस्टल काटोज क्षेत्रफल 0.20 एकड़ जािक कौनाट कौस्टल स्टोट मंसूरी के नाम से प्रसिद्ध है तथा मंसूरी जिला दहरादून में स्थित है।

> विवोक बनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, कानपुर

तारी**स** : 15-1-82

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद्या नं 268/81-82—अतः मुक्ते, विवेक बनर्जा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं. है तथा जो कौनाट कौस्टल होटल में स्थित हैं (और इससं उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी अतिरिक्त जिला मिजस्ट्रोट सी रिजस्ट्रार दोहली में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 28-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक्व में कभी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की कुपधारा (1) के अधीद भिक्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-

 श्री राकेश चन्द्र मेहरा निवासी ए-292 डिफोन्स कालोनी न्यू दिख्ली।

(अन्तरक)

श्री विनय महरा, चन्द्र महरा (अवस्यक), पवन महरा (अवस्यक) संरक्षिका श्रीमती लता महरा, अजय महरा, भरत महरा (अवस्यक) संरक्षिका श्रीमती मधु रानी महरा, नवीन महरा, दीपक महरा (अवस्यक) संरक्षिका श्रीमती माला रानी महरा, अमित महरा, (अवस्यक) संरक्षिका अनीता महरा निवासी एस-555 ग्रेटर कौलाश 2 नयी दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

अचल सम्पति कौनाट कौस्टल होटल मंसूरी जिला दोहरादून मो स्थित हो जिसका क्षेत्रफल 2.27 एकड़ हो।

> विवेक बनजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, कानपुर

तारीब : 15-1-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः समायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निव श सं . 55/मई 181 — यतः मुफ्ते, आर . रिवचन्द्रन , शायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) , की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसको सं एसं सं 306/2-डी और 306/1-डी ननजुन्डापुरम गांव, नामकल तालुक, जिलं सेलम मं स्थित ही (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सन्दामगंलम में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-4-1981

का पूर्वोक्त संपर्तित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिना हारा पहर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 209-ग के प्रतृसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस व्यक्तियों, वर्षात् :-- 1. श्रीटी. वी. सुब्बु संशन और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री भार. कालीयनम मौर भन्य।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे !

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, भो उक्त प्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क मं परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उन ग्रष्टयाय में दिया गया है।

# मन<del>्यूकी</del>

भूमि एसः सं. 306/2-डी और 306/1-डी, ननजून्डापुरम गांव नामक्कल तालुक सेलम जिला—-डाकर्नेट सं. 809/81। 81।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूव्त (निरीक्षण) वर्जन रजि-।, मद्रास

तारील : 16-1-82

## प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

भागकर प्र**धिनियम, 1961 (1961** का 43) की घारा **269**-घ(1) 6 ग्रधीन सूचेना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्राम

मद्राम-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवेश मं. 128/मई/81—यतः मुभ्ने, आर. रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे **इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),** की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 196/1 में 196/3 और 197/1-197/3, (डाकूमेंट सं. 563/81) आरीयका न्डिनपट्टी गांव, सेनम डोस्ट्रीकट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिन्स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नामगिरीपिट्टों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-3-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उन्ति दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से यधिक है और यह कि मन्तरक (प्रन्तरकों) अर्थर भन्तिरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक इप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी श्राय. की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या व्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिसी श्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरन में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, सर्वीत्:— 1 श्रीमती पेरूमायम्माल और अदर्स।

(अन्तरक)

2 भी भी विशेष

(अन्तरिती)

की यह पूजना जारी करके पर्वोक्त पष्पत्ति के अर्जन के स्मिए कार्यवाहियां करता हं।

डक्त सम्वत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा भकेंगे।

ह्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसुची

भूमि - एसः सं. 196/1, 196/3 और 197/1, 197/3, आरोयनपट्टी गांव, सेलम डीस्ट्रीकट - डाक्,मेंट सं. 563/81।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, मद्रास

तारीव : 16-1-82

## प्रकप आई० टी• एम॰ एस॰----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्-।, मदास

मदास-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निदशे सं. 4 /मर्क् ∕81----यतः मुभ्ते, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकप्ररी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. सं. 1/4 जवाहर नगर है तथा जो पल<mark>नीचे</mark>ट्टीपटी वीरापन्डी गांव, पैरीयक लम तालुक, मदारौ जिले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिय-कालम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अभीन, 14-5-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, ज़सके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्घेषय से उक्त अन्तरण लिकित में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--- -

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त सिथ-निवस के बंधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीए. सिवक् मार और जन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीआर. एम. सुब्रामनियन।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को क्षिय कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्कत में हित-बयुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण - एस. सं. 1/4, जवाहर नगर, पलनि-चंट्रटीपटी, वीरापन्डी गांव, पेरीयक लग तालुक मद्र जिला~-डाक भेंट सं. 522/81।

> आर. रविचन्द्रम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मद्रास

तारीख : 16-1-82

मोहर 🛭

प्रकप बाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-।, मन्नास

मद्रास-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निद्श सं 203/मर्द /81—-यतः मुक्ते, आर रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 66 से 69 और 71 है तथा जो लक्ष्मीपुरम, कोर्टरालम सेनकासी तालक में स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफन निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों धर्म, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- • 10—476. GI/81

1. श्रीमती जी. सरोजिनी देवी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती टी. आर. सरंगापानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) दस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तरसंबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि - डार सं. 66 से 69 और 71, लक्ष्मीपुरम कोर्टरालम डाक्मेंट यं. 1118/81।

> आर. रिविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१, मद्रास

तारील : 16-1-82

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

मदास-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निव श सं 204/मई /81—यतः मुक्ते, आर रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. डांर सं. 66 से 69 और 71 है तथा जो लक्ष्मीपुरम, कीर्टरालम, तेनकामी तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय तेनकामी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-1981

को प्र्शीवत संपरित के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वीकत संपरित का उचित बाजार मुन्य, तसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक एए के थिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हार्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती जी. सरोजिनी तेवी।

(अन्तर्क)

2. श्रीटी. एस. कुष्पुबाबु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या एरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

# अमृस्ची

भूमि - डारे सं. 66 से 69 और 71, लक्ष्मीपुरम, कोर्ट-रालम, तेनकासी तालुक—-डाक्मोंट सं. 1119/81।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, मन्नास

तारीख : 16-1-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 जनवरी 1982

निद्शे सं. 205/मई /81—यतः मुक्ते, आर. रिवधन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. डोर मं. 64, 65 और 70 है तथा जो लक्ष्मी-पूरम कोर्टरालम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनकासी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-1981

बते पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्ट से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिबक रूप से किंथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती जी. सराजिनी दीवी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी. एस. स्सीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि - डार सं. 64, 65 और 70, लक्ष्मीपूरम, कोर्ट-रालम—-डाकूमेंट सं. 1120/81।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्ह्य (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, मद्रास

तारी**ख** : 16-1-82

प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस्.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध्(1) के अधीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, भद्रास

मद्रासं, दिनांक 21 जनवरी 1982

निद्शे सं. 16382 --- यतः मुभ्ते, आर. रविचन्द्रन्, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. 15 और 14/2, डारे सं. 808 से 812 है तथा जो मंजिल रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कायीलय, टी. नगर (डाक्रूमेट सं. 1263 से 1325/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्विक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क क्रांधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे ब्चने में सृत्धि के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:--- 1. श्रीजी. डी. नरेन्द्रा।

(अन्तरक)

2. श्री आर. श्रीनिवासन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

भूमि और निर्माण - 808--812, मांजट रोड, मंद्रास-2 (डाक्र्मोंट सं. 1263 से 1325/81)।

आर. रविधन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नास

तारीच : 21-1-82

मोहर 🖫

प्ररूप काई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रोज, रोहतक

राहितक, दिनांक 15 जनवरी 1982

निव श सं . कालका/2/81-82— अतः मुक्ते, गो . सी  $\cdot$  गोपाल .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 379, संक्टर-7, असन एस्टोट है तथा जो पन्चक ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

को पूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिये; और/या
- (ख) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

मतः अत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह——  श्री कबूल सिंह पृत्र बतन सिंह नि. 3213, से. 19-डी, चन्डीगढ़।

(अन्सरक)

- 2 (1) श्रीमती सोनी विजान विभवा श्री गुरदास राम् विजान नि . 287, बस्ती शेखां, जालन्थर शहर।
- श्रीमती शुष्मा विजान पत्नी श्री आर. सी. विजान नि. 431, से. सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

सम्पति प्लाट नं. 3971, सेक्टर 7, अर्बन एस्टेट, पन्चक्रुला में स्थित हो, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालका में, रिजस्ट्री संख्या 298 दिनांक 22-5-1981 पर दिया हो।

गो. सी. गोपाल • सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, रोहसक

तारील : 1.5-1**-8**2

मोहर 🥫

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 जनवरी 1982

निद्देश सं. करनाल/16/81-82--अतः मुफ्ते, गो. सी. गोपाल,

प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट कं. 1511 व. ग. है तथा जो रांखबे रांड, कारनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, करनाल में,, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मही, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नतिविका उद्देश्य ने उकन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रथा, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—  (1) सर्वश्री धर्मपाल गुप्ता, परशोस्तम्बास गुप्ता पुत्रान श्री लिक्का राम गुप्ता (2) राज कामार बन्सल पुत्र श्री मदनलाल बन्सल (3) श्री सोमनाथ गुप्ता पुत्र श्री दीना नाथ गुप्ता नि लिबटी फुट बीयर हाउस, रालवे रोड, कारनाल।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव बन्सल चैरीटोबल ट्रस्ट करनालुम्म, बजरियों श्री बानू राम गुप्ता, एडवोकेट, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अवित द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रंथिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होना, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट को. 1511 व. ग., रोलबे रोड, करनाल मों स्थित ही जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कारनाल मों, रिजस्ट्री संख्या 1458, दिनांक 27-5-1981 पर दिया ही।

> गो सी गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), , अर्जन रोज, रोहतक

तारी**ख**ः 11-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयय्वर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्षायांक्य, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजीन रॅज. राहितक

राहिसन्त, दिनांक 11 जनदरी 1982

निदोश सं. दोहली/129/81-82--अंतः मुभ्कें, गो.सि. गोपाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहत से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 120 कानाल 10 स्टले, भवन सहित है तथा जो में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोहली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मंदी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक्ष दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचनं से सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ह ें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री शिव धवन पुत्र श्री जगदीश धवन नि. सी. 1/ 34, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गगनपाल सिंह पृत्र सरवन सिंह (2) श्री सरवण सिंह पृत्र समझेर सिंह (3) श्रीमती जोगिन्दर कार पत्नी सरवण सिंह (4) श्री गुरवयाल सिंह पृत्र श्री अरजन सिंह नि. गांव खडवन त. जगाधरी (5) श्री ज्ञान सिंह पृत्र अजीत सिंह (6) श्री ज्ञान सिंह पृत्र वजीत सिंह (6) श्री ज्ञान सिंह पृत्र वजीत सिंह (6) श्री ज्ञान सिंह पृत्र देश राज।
गभी निवासी सी 1/34, सफदरअंग उन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

## बन सची

सम्पति भूमि 120 कनाल 10 मरले हैं जिसका आधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दहली में रिजस्ट्री संख्या 495 दिनांक 15-5-81 पर दिया है।

गो . सी . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , रोहतक

नारीव : 11-1-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. बल्लभगढ़/168/81-82--अतः मुभ्ने, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सम्पक्ति नं. 111-डी/42 है तथा जो फरिशाबाद में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों जुर्थातु १००० (1) श्री बीरन्दर सिंह पृत्र कर्नल राम् सिंह वराज ट्रेडर्स रैवारपुर (उ. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री चंतन दास पृत्र श्री चमन लाल, नि. 4डी/35 ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति सकान नं. ।।।-डी/42, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ मे रिजस्ट्रीकरण सं. 2207 दिनांक 26-5-1981 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र'ज , रोहतक

तारीक : 11-1-1981

भीहर 🗄

प्ररूप धाई० टी० एन० एस•े—--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, राहितक

राहतक, दिनांक 13 जनवरी 1982

निदंश सं. करनाल/18/81-82---अतः मुक्तें, गो. सि. गोपाल,

श्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सभप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित वाजार मृत्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 566-आर, माडल टाउन है तथा जो करनाल मो स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल भो रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ह, 1981

कं! पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किया प्राप को बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
  को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया या किया जाना चाहिए था, छिपान
  में मुविधा के लिए;

धतः अत्र, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के यनुमरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः--

11-476GI/81

(1) श्री कुन्दर लाल गावा पुत्र श्री भाग मल, नित्रास माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री राम दास, इ. नं. 566-आर, माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोश्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्रत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त ग्रिक्ति नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

सम्पत्ति मकान नं. 566-आर, माण्डल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्री संख्या 1600, दिनाक 29-5-81 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहलक

ता**रीब** : 15-1-1982

मीहराः

# प्ररूप साई० टी • एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक रोहतक, दिनाक 15 जनवरी 1982

निवर्भेश सं. पानीपत/27/81-82--अतः मुभ्के, गो. सि. बोपाल,

प्रायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम पायिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उविता वाजार मूला 25,000/- ६० से प्रधिक है

शौर जिसकी सं. मं. नं. 46-एल, माडल टाउन है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीय मर्ड, 1981

को प्योंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार स्त्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह पतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितंगो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कितानिक्ति उन्य से उसा प्रनारण निचित में वास्तिक रूप से प्रियं नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्वरण ने हुई किसी प्राय को बाबन उक्के प्रधि नियम के प्रधीन कर देन के प्रश्वरक के दायित्य में कमा रक्ते या जसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (अ) ऐसा कियो आह सा किया छन या अन्य प्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-स्य अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अद, हुक्त प्रिनियम, का धारा 269-ग के भ्रनुसरण म, में, उक्त आक्रानियम का धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिक्त व्युक्तियों अर्थात हु--

- (1) श्री शूशील कुमार पृत्र श्री अन्यत राम, स. नं 46-एल, माङल टाउन, पानीपत।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री वस्ती राम पृत्र श्री बैरो राम, निवासी म. नं. 46-एल, माङल टाउन, पानीपत।

(अन्सरिती)

को यहसूचना जारी अरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की श्रवाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामी ल से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टी करण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्सि मं. नं. 46-एल, माङल टाउन, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत मों, रिजस्ट्री संख्या 1166 दिनाक 205 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकार इहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, रोहत्व

तारीच : 15-1-1982

मीहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदर्शि सं. अम्बाला/2/81-82--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिक्षित्तयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूहण 25,000/- ६० मे प्रिक्षक है

और जिसकी सं. सम्पत्ति नं. 2778, एस. बी. है तथा जो अम्बाला छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला छावनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मर्दा, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यपान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिणत से प्रविक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) खौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में जास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबन उक्त अधितियम क अधीन कर देने के अन्तरक के दामिस्व में कुमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एँसा किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भाग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ध्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शीला सम्बद्धेश विधना श्री विजय क्रमार, विनोद कुमार, निलन कुमार पुत्र श्री भगत राम पुत्र श्री काशी राम, म. नं. 2778, दुर्गा चरण रोड, अम्बाला शहर।

(अन्सरक)

(2) श्री नारायण सिंह ठाक्रूर पुत्र श्री कृपाल सिंह ठाक्र्र निवासी 2778, एस. बी., अम्बाला छावनी। (अन्तरिती)

को यह पूचना वादी करके पूर्वीता सम्पत्ति के अवंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसा सम्यालि के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की ध्रविष्ठ या तरसम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविष्ठ, ओ भी ध्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आसे 44 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र के किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें पयुक्त मध्दों भीर पर्यो का, जो उक्त स्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में स्थापरिभाषित हैं, बड़ी सर्थ होगा, जो उस स्रध्याम में दिया गया है।

# अनुस्ती

सम्पक्ति नं. 2778, एस. बी., अम्बाला काँट में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीतिती के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 1275, दिनाक 9-6-81 पर दिया हैं।

. गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, रोष्ठसक

तारीख : 15-1-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. --

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रांहतक, दिनांक 1! जनवरी 1982

निर्दोश सं. दंहली/116/81-82---अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 2653 व. ग. है तथा जो मथुरी रोड, फरीदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्ति उद्देश्य में उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीसती सुरजीत कार पत्नी श्री अवतार सिंह, निवासी 16/3, मायापुरी, फंज नं. 2, नर्ष विल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती स्नेह गर्ग एत्नी श्री राजिन्दर प्रसाद गर्ग 2. श्री राजीश गर्ग पुत्र श्री शाम लाल गर्ग, नि. म. नं. 54, लकनव रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

## अमसची

सम्पत्ति भूमि 2653 व. ग. बाउंडरी दीवार के साथ 16/5, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय देहली में रिजस्ट्री संख्या 931,, दिनांक 7-9-8। पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

'तारीक : 11-1-1982

माहर :

प्ररूप आर्थ टी० एन० एस० -

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रांहतक, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. दहेनी/117/81-82--अतः मुक्ते, गो. मि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुरें), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि क्षे 2653 व ग. है तथा जो मथ्रा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाक्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1981

को 16) के अधान, तारील 7-9-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रिटिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने
का करण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रितफल से ऐसे दृश्यमान प्रितफल का पन्द्रह्
प्रित्शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के निए.

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात :--- (1) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह, नि. बी-8, एक्सटनसन-3, विष्णु गार्डन, नर्ह दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) मैं. एसोसियंटिङ इजीनियरिंग् इन्डस्ट्रीज, 54, लकनव रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रृं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वस्त्वी

सम्पत्ति भूमि 2653 वृ. य. मथुरा रांड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दहेली में रिजस्ट्री संख्या 934 दिनांक 10-9-81 पर विया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , रोहतक

तारीब : 11-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनाक

निंदिंश सं. बी. डी. आर./2/81-82--अतः मुफ्ते, गो. सि.गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फैक्टरी बिल्डिंग भूमि सहित क्षे. 1033 व. ग. है तथा जो गांव हमतपुर, त. बहादुरगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुरगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचितः बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्रीमती बुजलता अपूर पत्नी श्री भूषण कुमार कपूर निवासी पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी शमा परनी श्री शिव कुमार शर्मा, मार्डन इन्डस्ट्रियल एस्टट, बहावुरगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त गृथ्दों और पृत्रों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति फौक्टरी बिल्डिंग 1033 व. ग. भूमि सहित गांव हसनपुर त. बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुरगढ़ में, रिजस्ट्री संख्या 541 विनाक 30-5-81 पर दिया है।

> गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिषित व्यक्तियों, नर्मात् क्ष-

नारीख : मो**ह**र : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जनवरी 1982

निदोश सं. गुडगावां/21/81-82——अतः मुफ्ते, गो. सि. गोपाल.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि 48 कनाल 5 मरले हैं तथा जो चकरप्र मों स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्झ, 1981

को पूर्वोवन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य मे उका अन्तरण निव्वित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण उ हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-तियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिचित व्यक्तियों अर्थाल् :--  श्री भूप सिंह उपनाम रिशाल रावन्द श्री हरी सिंह पुत्रान श्री प्रमानि चकारपुर।

(अन्तरक)

 श्री अभरनाथ गोयनका पुत्र श्री कोबार नाथ गोयनका नि. 30, पूर्वी मार्ग, बसन्त दिहार, नई दिल्ली-110057।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या नश्सवंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्र में प्रकाशन की नारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थाधर मम्मित्त में हितवज्ञ किसी प्रमय व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तर ग: → इसमें प्रयुक्त गर्धी और पदों का, जा उकर अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति भूमि 6 एक इ. 5 सरले (48 क. 5 म.) चकरपुर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांवा में, रिजस्ट्री संख्या 607 दिनांक 8-5-1981 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीबः 18-1-1982

मेल्ट् 🖫

प्रहार आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरिक्षिण) अर्जन रॉज, रोहतक

रांहतक, दिनांक 18 जनशरी 1982

निर्दोश संख्या असन्ध/2/81-82---अतः मुक्ते, गो. सि. गोरपाल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि 440 क. 7 म. है तथा जो गांव साल्यन

आर जिसका म. भूमि 440 क. 7 म. है तथा जा गाव साल्वन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, असन्ध में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्थ, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रित्तिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करहे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधि। एम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:--

 सर्व श्री दौलत सिंह, जगत सिंह, नजीर सिंह पृत्रान, श्रीमती रूनाली गांव व डा. साल्बन।

(अन्तरक)

2. हर्व श्री कुलवन्त सिंह, लाभ सिंह पुत्रान श्री अनुप सिंह, श्री सुखदेवसिंह, सतनाम सिंह पुत्रान महन्द्र सिंह, नि. बस्ती भाटियान, फिरोजपूर (पंजाव) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अधिप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन सची

सम्पति भूमि 440 क. 7 स. गांव सन्वन में स्थित है जिनका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय असन्ध में, रिजस्ट्री संख्या 496 दिनांक 19-5-81 पर दिया है।

गो . मि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी रुहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रौज , रोहतक

तारील: 18-1-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्रेस (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

राहेतक, दिनांक 20 जनवरी 1982

्सं. एस. आर. एस. /1/81-82---अतः म्फे, गी. सि.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. द कान नं. 120, नर्ड मन्डी ही तथा जो सिरसा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण क्य से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरमा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड, 1981

अवान, ताराल मह, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ण की उपभारा (1)** के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :----

12—476GI/81

 श्री जैसाराम पुत्र श्री नाथू राम पुत्र श्री पैदाराम उपनाम श्री भाग जन्द पुत्र श्री लक्षाराम नि. सिकन्द-पुर त. सिरसा।

(अन्सरक)

 श्री सुमेर चन्द पुत्र श्री बागु मल पृत्र श्री शंकर मल नि. नई मन्द्री, सिरमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या **ह**ै।

#### अनुसूची

सम्पति दुकान नं. 120, नई मन्डी सिरमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय, सिरसा में, रिजस्ट्री संस्था 748, दिनांक 9-5-1981 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र<sup>ॉ</sup>ज, रोहतक

नारीख: 20 जनवरी 1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, विनांक 19 जनवरी 1982

निद्येश सं. डबवाली/9/81-82--अतः मुफ्ते, गो. सि. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. दुकान नं. 138 है तथा जो अनाज मंडी, डबवाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं), राजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डब-वाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील मर्झ, 1981 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्थं. उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फलं, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बचितर सिंह पुत्र श्री बन्तार सिंह, जी. टी. रोड, डबवाली।

(अन्तरक)

2. श्री रमंश कुमार, कृष्ण काुमार पुत्रान श्री दंश राज मार्फत अग्रवाल एकिन्सीज, मन्डी डबवाली। (अन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूचा

सम्पति दुकान नं. 138, का आधा हिस्सा, नर्षः अनाज मंडी डबवाली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, डबवाली में, रिजस्ट्री संख्या 384 दिनांक 15-5-1981 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 19-1-1982

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक रोहतक, दिनांक 19 अनवरी 1982

निवंश सं. बल्लभगढ़/127/81-82--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 35, ब्लाक-। क्षं 500 व ग सेक्टर-10, है तथा जो फरीदाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या- तय, बल्लभगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

कां पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल में, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-पाल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण मंं, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियां अधीत हः——

- श्रीक पिस देव चन्द्र पुत्र श्रीक ुन्दनलाल नि . दोहली। (अन्तरक)
- श्री प्रवीण कामार पृत्र श्री वीरान्य सिंह ए-9, ग्रेटर कौलाश एनक्लेव-2, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सुमना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

# नन्स्ची

सम्पति प्लाट नं. 35, ब्लाक नं. 1, क्षे. 500 व. ग. संकटर-10, फरीदाबाद में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 1581 विनांक 8-5-1981 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल {सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीब : 19-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर मधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, रोहतक

राहितक, दिनांक 22 जनवरी 1982

निद्धेष सं हिमार/34/81-82--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धात, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ राज से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 92 कनाल है तथा जो सतरोड कलां हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिमार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सर्दा, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अबः , उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के, जनुसरणं में , मैं , उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिशित अधिनत्मों , ज्थित् ः—

 श्री टेका पुत्र श्री मय धन नि . गां + डा. सतरांडा कलां जि. हिसार।

(अन्तरक)

2 में. भानु इन्डस्ट्रीज प्रा. लि., 10, के. एम., दोहली रोड, हिसार (हरियाणा)।

(अन्स्रिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

सम्पत्ति भूमि 92 कनाल, सतराडकलां में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री संस्था 1137, दिनाक 27-5-1981 पर विया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, रोहतक

तारील : 22-1-1982

मोहर 🔢

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

# सायकर अपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, नर्द दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 18 जनवरी 1982

निविध सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-।।/ 5-81/340--अत: मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या एस. 13 है तथा जो ग्रेंटर कैलाश-2, नई विल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली-1 मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मंद्दें, 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल में एोसे द्रश्यमान प्रतिफल के प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य अहिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था छिपाने में सुविभा के सिए।

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिक्टिक व्यक्तियों अर्थात:--  श्री महाराज क्रमार निवासी ई-।।, आदर्श नगर, बिरुली-।

(बन्तरक)

2 श्री सुसीना नारंग निवासी एस-337, ग्रैंटर कौलाश-2, नई विल्ली-।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

## अमुसुची

प्लाट नं. एस. -13, क्षेत्र-300 वर्ग गज, ग्रैटर कौलाश-2, नर्झ दिल्ली।

> एसः आरः ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) कर्जन रजे-।, नई दिल्ली

त्रारीख : 18-1-82

प्ररूप आर्ष: टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-च (1) के अधीन स्**च**नः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज-।, न**र्इ** दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निविश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.~।।।/ 5-81/202---अत: मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी संख्या एस-340 है तथा जो ग्रैंटर कौलाक-।, नर्ह दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली - में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्ह, 81

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विष्वाप करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनस अधिनिया के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री रम्न जान्त्व पत्नी श्री अझोक आनन्द निवासी-जी-289, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(जन्तरक)

 श्री रांशन लाल बुटोल, सूपूत्र श्री बी. डी. बुटोल निवासी-86, पश्चिमी मार्ग, बसंत बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पर्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**सची

परा े. नं. एस . 340, ग्रैंटर कौलाश-।, नई दिल्ली।

एसः आरः गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।, नर्झ विस्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ता**रीय** : 18-1-82

भौहर 🙄

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, न**ई दिल्ली** 

नर्क दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. / 1/एस. आर. - 111/5-81/254—अत: मुफे, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी गंख्या जे-1916 हैं तथा जो चित्रगंजन पार्क नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्श अधिकारी के कार्यानय, दिल्ली में रिअन्द्रीकर्श अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधीन, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी अप या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

 एयर हमांडोर मधु सुधन राय सुपुत्र स्व . सत्वर राय पत्ता 50 कालका जी मार्किट नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री परमानन्द घोष सृपुत्र स्वं. सरत चन्द्रा घोष पता 109 कि दवाई नगर वेस्ट नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोष्टे 🏞 "क्रिये:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्ड</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## वन्स्ची

प्रो. नं. जे-1916., क्षेत्र 372 वर्ग अज विसर्वजन पार्क नर्द दिल्ली।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली नर्ड दिल्ली

अत: अब: जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

नारोस : 18-1-82

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निदेश मं. आई. ए. सी. /एक्यू. / 1/एस. आर. -।।। / 5-81/200—अत: मुफे, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-12, है तथा जो कालिन्दी कालोनी, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्ड 81

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्निविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिजियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित, व्यक्तियों अधीतः--

 मैसर्स सतीश कुमार सूद और कम्पनी इरास सिनेमा, बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती गीता मनकार पत्नी श्री शरद मनकार निवासी बंगला नं . 9., वेस्ट पटोल नगर, नर्झ दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1/16वां हिस्सा, प्लाट न-बी-12, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली नई दिल्ली

तारीच : 18-1-82 भोहर !:

# प्ररूप भार है, ही, एन्, एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अव्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जेज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्दः ए. सी./एक्यू./1/एसः आरः-।।।/5-81/203--अतः मुक्ते, एसः आरः गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपह्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस -149 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-।।, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ़े यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नृम्नलिखित उत्देष्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तुरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्तु अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सृतिधा के लिए;

ज्तः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्निसिक्क व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री धर्मबीर बजाज, और दूसरे सुपूत्र स्व. श्री ए. एत. बजाज, निवासी इं/26, ग्रैटर कौलाब-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल अरोड्डा, स्पृत्त श्री मोहन लाल अरोड्डा, निवासी ए-101/13, औद्योगिक क्षेत्र, बजीर पूर, विल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुस<del>ुची</del>

प्लाट नं. एस. / 149, ग्रैंटर कौलाश-।।, नई दिल्ली।

एस आर . गुप्ता सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्ड दिल्ली

तारीब : 18-1-1982

प्रकृप आर्ड्, टी. एन. एस. -----

# धावकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

#### शारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, अर्जन रॉज-।, नहें दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निवर्षेश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /1/एस. आर.-111/5-81/199—अतः मुक्ते, एस. आर. गूप्ता, आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परवात् जनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के प्रभीत तमप्र प्राधिकारी को, यह विश्वास कुरमें का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मृस्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-10 है, तथा जो कालिन्दी कालोनी, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली-। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्ह, 1981

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार, मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिज्ञ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के सन्तरक के दाजिस्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी हान या अन्य आस्तियों गो, जिल्हें भारतीय धाय-कर प्रिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अब, उन्त निधिनियम की धारा 269ना के अनु-यरण में, में, धन्त अधिनियम की आरा 269नव की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन स्थिकित्यों,अर्थात् (14  सैंसर्स आर. सी. सूद कम्पनी प्रा. लिमि., इरोज मिनेमा विल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेन्झन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोल्टर इन्टरनेशनल प्रा. लिमि., द्वारा भिसंज लता चौहान पत्नी भिस्टर सी. एस. चौहान, निवासी जी-23, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्परित क अर्जन कं सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काब्यों और पवाँ का ओ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

1/16वां हिस्सा, क्षेत्र 886 · 113/144 वर्ग गज, प्लाट न-बी-10, कालिन्दी कालोनी, नर्ड दिल्ली।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, दिल्ली नई दिल्ली

तारीब : 18-1-1982 मोहर : प्रक्प आर्घ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निदाँश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-।।/5-81/198—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. बी-10 है, तथा जो कालिन्बी कालोनी, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली-1 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1981

पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स आर सी सूद एण्ड कम्पनी प्राः लिमि , इरोज सिनेमा बिल्डिंग, अंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मैसर्स कोल्टास इन्टरनेशनल प्रा. लिमि. मेनेजिंग डायरेक्टर मि. श्री सी. एस्. चौहान, द्वारा निवासी जी-23, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्सरितौ)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लितिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असम्बर्ध

1/16वां हिस्सा क्षेत्र 886 113/144 वर्ग गज फ्लाट नं बी-10, कालिन्दी कालोनी, नर्ष विल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली, नहीं दिल्ली

तारीख : 18-1-1982

मलेक्ट :

## प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एत॰---

# कायकर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के विधीन सूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ऱ्रोज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निवर्ष सं. आर्द. ए. सी. / vक्यू. / vस. आर.-।।।/ 5-81/ 339—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

धायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'खन्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खचित वाजार मूल्य 25,000/-

रु से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या सी-126 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नर्ह दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ह, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याचार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अम्बरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से धिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तशिवर्यों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया . है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कें अभीन, निम्मलिखिस, स्युक्तियों भृज्ञिं≛-- 1. श्री रिविन्द्र काुमार जेटली सृपुत्र श्री जगन नाथ शास्त्री और दूसरो, पता : 30/34, बेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. यश पाल घई सुपुत्र श्री फीर चंद और पूष्प लता घई, पता एफ-60, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरिस के अर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

स्पटिशकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रची

प्रौ. नं सी/126, ग्रैंटर कीलाश, नर्झ दिल्ली।

एसः आरः गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजः-।, नक्षे दिल्ली

तारी**ख** : 18-1-1982

# मक्ष धाई० टी• एन० एस०----

आयकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-1/एस.-आर.-111/5-81/334--अत: मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अविन बाजार मूल्य 25,000/-व को अधिक है

और जिसकी संख्या ई-212 है, तथा जो ग्रैंटर कौलाश-11, नई विल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, दिल्ली-1 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत छक्त अधिनियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अथ, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धादा 269-ंग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-ंग की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिष्ठींत:---  श्री कुलबीप सिंह सुपुत्र शरण पाल सिंह, निवासी एम - 161, गैंटर कैलाश-।।, नई दिल्ली (एटोरनी शरण पाल सिंह द्वारा)।

(अन्तरक)

 श्रीमती लीला मितल परनी श्री बी. बी. मितल, निवासी ए-3, ग्रैटर कॉलाश, इनकलेव-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वी कत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसभी

फ्लाट नं -212, ब्लाक नं -ई, क्षेत्र-250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज्-।, नई दिल्ली

तारीस : 18-1-1982

नोहर ः

# प्ररूप धाई• टी• एन• एत•----

# आयकर समितियन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्द दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निद<sup>र</sup>श सं. आर्ड. ए. सी. /एक्य. -1/एस. आर. -।।।/5-81/301—-अतः मुभ्ते, एसः आरः गुप्ता, **प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके परवात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधोन सक्षम प्राप्तिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु० मे ग्रधिक है और जिसकी संख्या एस-323 है, तथा जो ग्रेटर कौलाश-।। नर्क दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द्र, 1981 को पूर्वांक्त अन्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रश्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का प्रचित बाजार मूरवा उसके दश्यमान पतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरितं। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पग्तरण के लिये तथ पाया गया व्रतिकल, निष्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए! और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था खियाने थें सुविधा के लिए;

ग्रतः अब; उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) को अभीत, जिल्लासिक अनिकारों, वर्धात् हु---

- श्री लक्ष्मन दास मोहल्ला सूपृत्र पं. आत्मा राम और श्रीमती उमा मोहल्ला, पत्नी श्री लक्ष्मन दास मोहल्ला, निवासी बी-13/5-ए, कृष्णा नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री एम आर सहगल सुपुत्र स्व श्री एच आर सहवल और श्रीमती रमन आनन्द पत्नी श्री अशोक आनन्द , निवासी बी-289, डिफोन्स कालोनी, नर्ड दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के आउँन के लिए कार्यगाहियां करता है।

उनन सम्पन् र अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थलित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के अभपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवद किसी अन्य वास्ति द्वारा, ब्राधोदस्ताकरों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडिशासरगः - इतमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमापित है. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लाट नं . -एस . - 330 , ग्रंटर कौलाश-।। , नई दिल्ली।

एस आर गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।, नई दिल्ली

तारीब : 18-1-1982

त्राइप माई∙ टी० एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के सधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निवां सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. /1/एस. आर. -111/5-81/192--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता, आयक्तर प्रधिनियम, 1901 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका छिवत बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. एसं.-250 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशन से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकत हो निश्वित उद्देश्य मे उच्त अन्तरण लिखित में वास्तरित हम ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्परण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त पश्चितियम के भ्रधीन कर देन के भश्चरक के दाविल्य में कभी करने या उससे बचने में मूत्रिधः के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर मिषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिषिनियम, या धन-कर मिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भन अब, उन्त पश्चितियम को बारा 269-म के सनुमरण में, मैं, उन्त पश्चितियम को बारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् १-- (1) भीमती रामदानारी द्रकरा पत्नी थी ए. कं. द्रकरों, निवासी एम-33 (मार्कोट) ,ग्रेटर कौलाश-2, नर्ही विल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती इंश्वर लोद पत्नी श्री वासदाव लोंद, निवासी एम-273, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन की धर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामी स से 30 दिन की अविधि, जो सी धर्वाध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लाट नं .-एस-250, ग्रेटर कौलाबा-2, नई दिल्ली।

एसः आरः गप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>ो</sup>ज-दिल्ली, नर्झ दिल्ली

तारीब : 18-1-1982

प्रस्प नाई• टी• एन० एस•------

न्नानकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की ब्रारा 269-च (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-।, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निवर्षाः सं. आई. ए. सी./एक्यू./एस. आर.ना।/5न 81/337--अतः मुभ्ते, एसः आरः गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि 'स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये स्रे पश्चिक है और जिसकी संख्या बी-277 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नर्क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकल वृश्यमान प्रतिकत का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के अपए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिकिक्ष स्प से कथित

नहीं किया गया है।---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; प्रचित्:--- (1) श्री सुकरमण्य बालकृष्णना सुपुत्र स्व. श्री सुवरमणन्य आर्ह्यर, निवासी-बी-277, ग्रेटर कौलाश-1, नर्ह दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाब दोबीपिन्का पत्नी श्री होमराज पिन्का, निवासी बी-277, ग्रेटर कौलाश-।, नर्ह दिल्ली। (श्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के प्रजैन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (भ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की घर्वाघ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामीस से 30 दिन की घर्वाध, जो भी घर्वाघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितन द किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों ना, को जनत मिश्वित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिवा नया है।

#### an seli

प्लाट नं बी-277, ग्रेंटर कौलाश-1, नई विल्ली।

एसः आरः गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

ता**री**ब : 18-1**-**1982

मोहर ः

प्रकृप आई० टी० एन० एम०-----

श्रायंकर अग्निविम, 1961 (1961का 43) प्रारा की

269 र (१) के श्रष्ठीन भूतना

भारत प्रकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1982

निर्वोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-2/5-81/4555—अतः मूफे, विमल विशिष्ट, आयश्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला बाजार मृत्य 25,000/- क. सं प्रधिक है

और जिसकी संख्या 4ए/1, है, तथा जो तिलक नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मर्ह, 81 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुक्तें यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखत उद्देश्य से उक्त यन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (६) ऐनी किही आप या कियी धन या प्रत्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपान म मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सभात् ध— 14—473GL/81

 श्री टी. आर. आगन्द, इ-6, आनन्द निकेवन, नई दिल्ली-21।

(भ्रन्तरक)

 मैं जोरिन्द्रा एसोमीएटांड प्रा. लि., डी-144, आगन्द निकेतन, दिल्ली-21।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पस्ति'के अर्जन के लिए कार्यवाही कारता हो।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस नूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबित या तत्मम्बर्गा व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की खबिछ, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंटे।

स्पष्टीकरण !—इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्धों का, जो उपत श्रिष्ठितियम के श्रव्याय 20% में परिभाषित है, बही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धन्सूची

4-ए/1, तिलक नगर, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) • अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली

नारीख : 16-1-1982

मोह्रर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदर्भेश सं, आर्द्दः ए. सी./एक्यु./।। /एक्येजिशन-।/ 5-81/7833---अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गर्मात, जिसका उचित बाजार रूल्य 25,000/ रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 1936 है तथा जो गली राजन, काचा चैलान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908,का 16) के अधीन तारीख मई 1981 को पूर्वीक्त संपीत्त के उचित बाजार मुल्य सं कम के । दश्यमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्त यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप संकथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

जतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसर्थ भैं. भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:——  श्री माहस्मद आदिरिश कौलाम विन्डों सूपुत्र-अब्दुल गक्ष्कार शिवासी-2174, कूचा मेहर प्रदार दीरवागंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सीराज अहमद स्पूत्र अजीज अहमद निवासी-2174, कटरा महर, परवार दिरयागंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितब्यू भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसची

1939 गली राजान, कचा चैलान, दरियागंज दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

**वारील : 15-1-1982** 

प्ररुप आई. टी. एन. एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. / एक्यू. / 2 एस-। / 5-8। / 4605—अतः मुफे, विमल विशिष्ट. - आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ६० में अधिक है

और जिसकी सं. फौक्टरी है तथा जो मनली सफरवाली दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानव्ध अन्मूची में पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य लसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत अक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसो ितमा आर या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिर्धानयम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त धिर्धानयम, या धन-कर धिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अवितः—

 श्री जगदीश चन्द्र पृत्र श्री फाकीर चन्द्र सी-1-न्यू कृष्णा पार्क दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री गोपाल सूरी पुत्र श्री जगदीश ∴द्र निवासी सी-1, न्य कृष्णा पार्क-दिल्ली।

(अन्ति(रती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

•उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप** :--

- (क) इप सूबता कराजपत्र में प्रकाशन की तारी ल से 45 विन की मविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल में 30 दिन की घविध, जो भी अविध्यात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस मुबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पक्षों का, को उक्त अधिनियम के ग्रह्माथ 20-क में परिचाधित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

फौक्टरी जोकि गांव मनजली सकरावती, विल्ली में है।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

**तारीख** : 11-1-1982

प्ररूप आह्र .टा . एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नहीं विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदर्भा सं. आर्ड. ए. सी. (एक्यू./।। /एक्वॅजिशन-।/ 5-81/7849--अनः मुक्ते, विमल वशिष्टः; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. दकान नं. 76 है तथा जो न्यूक तुब रोड, टिम्बर मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कीर्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजम्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील भई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्चित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कांबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अधीतः-- १. श्री अमृतलाल चौपरा सूप्त्र बुलाकी राम चौपरा माफ्त न्यू फील्डस एडवरडाइजिंग (प्रा.) लिमिटेड 3/4ए, असफ अली राड नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री कौलास चन्द गर्ग सुप्त्र सियो मल निवासी-159
 3/4ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं.-76 न्यु कृत्ब रोड, टिम्बर मार्केट, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली-110002

नारीच : 15-1-1982

प्ररूप आरं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्ह विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निद्योश मं. आई. ए. मी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-81/7921—अत: म्फे, विमल विशिष्ट,

आयकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिम इममो इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 86, जी-3 है तथा जो मोडल टाउन, दिल्ली मी स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मी पूर्व रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मर्टा 1981

को पूर्वात्मा सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है आर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगीतन का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल के पन्ने दरयमान प्रतिफल का पन्ने प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना धाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिविद्य महिन्तमां मृण्यि:--

- क्मारी रमेश क्मारी सपुत्री श्री अगराज धवन, निवासी, एच-पी/45, पीतमपुरा, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नर्वदा दंबी, पत्नी श्री मागर मल वर्मा निवासी-जी-3/86, मोडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### असलची

प्रो. नं 86, बलौक जी-3, एरिया 190 वर्ग गज, मोडल टाउन, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरिीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

**सारीय : 4 1-1982** 

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निद<sup>\*</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/7860—अत: मुफ्ते, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 150/5 है तथा जा इंस्ट पटल नगर, नई दिल्ली मा मिथत हो (आह इससे उपायद्ध अनुसूची मो आर पूर्ण रूप से विणत हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मो भारतीय एकिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीस मई 1981

को पूर्वाकिन संपरित के उचित बंग्जार मुल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के िएए अन्सरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने दा करण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं जोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल चिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हैं से कीथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्रीमती चान्द महता, पत्नी श्री मनमोहन महता, निवासी 15ए/5, ईस्ट पटले नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री दर्शन कुमार रहोजा, पुत्र श्री मोहन लाल रहोजा व श्रीमती प्रभा रहोजा पत्नी श्री दर्शन कुमार रहोजा, निवासी डब्ल्यू-1, वेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सरकारी बना क्वाटर नं. 150/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

विमल् विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नुई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-1-1982

मोहर :

प्रकृष आई. टी. एन. एस.----

**कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निद्धां मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/ 7887—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी संस्था 9/1808-15 है तथा जो काचा फाँलाद मान, कलां महाँल, दरया गंज दिल्ली मो स्थित है (और इसके उपाबक्ध अनुसूची मो पूर्ण कर से हिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मो रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड, 81

को प्वांक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितफल से, एसे दृश्यमान प्रितफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अगुगरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्री रॉबर्न्डागंह एवं श्री मिलाय सिंह, 1915 काचा फौलाव चान, क्यां क्रीहल्ला, दरवा गंत्र, विक्यी।
- श्रीमती साधिरा बेगम, पत्नी श्री हाजी इत्हम्मद भौगाज, जिवासी 1190 क्या फौलाद सान, कला मोहल्ला, दिखा गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य- वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मकान नं. 9/1808-15 (निया) कृषा फौलाद सान, कलां मोहल्ला, वरिया गंज, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट स्थ्रम प्रधिकारी सहायङ आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

तारीव : 13-1-1982

मोद्धर:

प्ररूप आई० टी० एन० ्म० ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-घ (1) के ग्राघीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्य्./ $2^{7}$ एस आर-1/5-81/67875--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्टे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्रको परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/ रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं के-22 है तथा जो गांव वजीरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मर्द, 1981 को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति की अचित वाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का षन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्स रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की नावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था अससे बचने में सुविधा के लिए; नीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, भंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थातः :---  श्री रोपी चन्द पृत्र श्री तारा चन्द, निवासी ए-31, किसासके कपा, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती कृष्णा दंती पत्नी श्री गोपी चन्द, निवासी ए-31, आटरम लार्डन्स, दिल्ली किल्मसब कपै। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तरसन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिन बस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनयम के भ्रष्टयाय 20 के में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिशा एया है।

#### वनसूची

प्लाट नं. के-22, गांव वजीरपुर, सावन पार्क दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1982

मोहर:

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नर्दे विल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निव का सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/7867--अत: म्भे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीन एक्ष्म आस्कारी को यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं सी 149 बि ही तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मई 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक कुप से कथित नहीं विद्या गया है...

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 15-476G 1/81

- अीमती कृष्णा गांस्वामी पत्नी श्री त्रिलांक नाथ गांस्वामी निवासी सी/149-बी मोती नगर, नई विल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती कमलेश रानी गुप्ता पत्नी श्री ओ. पी. गुप्ता निवासी डी-47 बी मोती नगर नई दिल्ली। (अन्तौरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध, को भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज़ा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो खबत स्रिधि-नियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

क्वाटर नं. सी-149बी मोती नगर, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**ः 11-1-1982

मोहर:

प्ररूप आई .टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निद<sup>\*</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/ 4550--अत: मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 337 ही तथा जो कन्हीया पार्का, चान्द नगर, दिल्ली मों स्थित ही (और इसमें उपानद्ध अनुमूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्टीकर्ण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मों भारतीय रिजस्टीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कन सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व मो कभी करने गाउससे सचने मो सुविधा के सिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा से लिए:

 श्रीमती प्रतीम कौर उप्पल पत्नी श्री अर्जुन सिंह उपल निवासी 249 थान सिंह नगर, आनन्द पूर्वत नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चंद व श्री शिव कुमार पुत्र गण श्री दीप चंद, निवासी डी-29, शास नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िंखन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्यी

प्लाट नं. 337, कन्हीया पार्क, चान्द्र नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई बिल्ली-110002

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग. के अनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीनिस्ति व्यक्तिमणों अर्थात:---

तारीख : 13-1-1982

मोहर् :

प्रारूप आई.टी.एन.एस,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन भूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नर्हा दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/. 7896---अत: म्भें, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं 29/57 है तथा जो बेस्ट पटोल नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इनसे उधाउद्देव अन्मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना जीनकारों के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त कन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण मं हुई किमी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए।

- श्रीमती करतार दंवी पत्नी श्री बंती राम, निवासी 29/58 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली व अन्य। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सूमित्रा देवी पत्नी श्री रोशन लाल, निवासी डब्बल्यू जंड ए-32, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितयहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेगें।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सरकारी बना क्वांटर नं 29/57 वैस्ट पटेल नगर, नर्हे दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

तारील : 13-1-1982

मोहर:

प्ररूप माई० ही० एग० प्रा०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

सं. आर्ह. ए. सी. /एक्यू /2/एस. आर. 11/5-81/7891—अतः मूफ्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1398ए हैं तथा जो तिलक बाजार, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कौरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और यन्तरक (पनारकां) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जन्मिलिला उरेरा में उका प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसो घाय की बाबत, उक्त घडि-नियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुख्धा के लिए।

द्यतः भ्रव, खक्त घष्टिनियम की धारा 269-ग के **मनु**सरण में, मैं उक्त ग्रिकिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्त्रलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—. 1. मैं. हुक्म सिंह एंड संस व्वारा श्री हुक्म सिंह पुत्र श्री हरजीत सिंह, निवासी 1650-51 डी एल एफ कालानी, छत्तरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मी. जनमन डाईम एण्ड कीमीकलस, 136ए, तिलक बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

् उक्त सम्पत्ति हे श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप: 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, औ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकरें।

स्वक्तोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जा उन अध्यार में दिवा गया है।

#### अमत्तर्घो

मुकान नं. 1398ए, तिलुक बाजार, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

तारीय : 11-1-1982

मोहर :

पुरुष, आ**इ**ं. टी., एन्., एस<sub>..</sub>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निवर्षेश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस आर-1/5-81/ 7885—–अतः मुफो, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2310 है तथा जो तेलीवाड़ा दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1981 को

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान को प्रिंशिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाचित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नुलिखित उद्वरेष से उसत अन्तरण विख्ति में वास्त्विक रूप से कि प्रतु नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अभृति:—

- श्री अब्बदुल अलीम, एडवोकेट 1818, बाबूक सवारन, लाल कर्ंआ, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भगवान दास पुत्र श्री लोख राजनिवासी ए/1 फेस-अशोक विहार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

मकान नं. 2310, पहली और दूसरी मंजिल, तेलीवाड़ा, दिल्ली।

विमल वशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज-2, नुई दिल्ली-110002

तारीख : 13-1-1982

मोहर:

प्रस्य आहुर दो. एन्. एस.----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289**प (**1) के सभीत सूचता!

#### भारत सरकार -

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नुई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जन्वरी 1982

निर्दोद्दास, आर्द्दा, ए. सी./एक्यू, 2/एस आर-1/5-81/ 7838—–अतः मुभ्ते, विमल वशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- २० से संघिक है और जिसकी सं. 10/1041ए/2 है, तथा जो फाटक मुफती वालान, वरिया गंज्, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मर्इ 1981 को पृथीक्त सम्पत्ति के जॉनन आभार मूल्य कम से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए भन्तरित की नई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) सौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रिक् फल निम्ननिधित उद्देश्य से उन्त अन्धरण निधित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है।--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ्य धास्तियों को, जिन्हें घारतीय क्षायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था; कियाने में सुविधा के किए;

अतः, अब, उन्त अधिनियन की घारा 269 के अनुसरण में, में, धनत अधिनियम की घारा 269 के की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --  श्री बलराज कपूर पुत्र श्री मिलिक वजीर चन्द कपूर, 1041/ए फाटक मुफ्तीवालान, दिरया गंज, दिल्ली।

(अन्त**र**क)

 श्रीमती आशा रानी पत्नी थी बलदेव राज, 1041/ ए फाटक मूंफतीबालान, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्प्रति के प्रजैन के खिए

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के तम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप:--

कार्यवाहियां करता हं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर बंगति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रक्षोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित है बड़ी श्रर्य होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं. 10/1041ए/2 फाटक मूफती वालान, दरिया गंज, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

तारीस : 13-1-1982

मांहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नर्ष दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्वोद्य सं आर्द्र ए. सी /एक्यू 2/एम आर-1/5-81/7850--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है,

और जिसकी सं. 2322-24 है तथा जो बहाद्र गढ़ रोख, दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से विजित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मही 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वृश्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, चक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अभ्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधितयम, या भ्रत-कर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गथा था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- श्रीमती शान्ता दोवी पत्नी श्री इन्द्र राज बतरा, 8/
   पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
  - (ग्रन्तरक)
- श्री खैराती लाल पृत्र श्री क्वंबन लाल, 1486. अजीज गंज, बहाब्रगढ़ राड, विल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
  भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी थ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दी श्रीर पर्दो का, जो छनन ग्रिक्षित्यम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो छस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं. 2322 सं 2324, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली।

विमृल् विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-2, नई दिल्ली

तारील : 13-1-1982

माहर:

प्ररूप प्राई० टी । एन । एन ० -----

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के भगीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज 2. नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. $\frac{1}{\sqrt{\sqrt{2}}}$ एस आर- $\frac{1}{5}$ -81 $\frac{1}{\sqrt{2}}$ 7943---अतः म्भे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण क्षे कि स्यावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार महय 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी सं. 328 है, तथा जो गली प्रकाश, तेलीवाड़ा, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्इ, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से जम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करतें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर घन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिबित उद्देश्य से उस्त भग्तरण निवित में वास्तवित रूप में कथित नहीं किया गया है ।---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत श्राधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदिसयों को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री जय किशन दास पुत्र स्व. श्री मदन लाल निवासी मी-22, विवेक विहार, दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री बुज माहन गुप्ता, निवासी 328, गली प्रकाश, तेलीयाड़ा, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तहमम्बन्धी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी अवधि बार पें समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पत्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मकान नं . 328, गुली प्रकाश, तेलीवाड़ा, दिल्ली।

विमल वशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्इ विल्ली

तारी**ख** : 13-1-1982

मोहर 🖫

## प्रकप धाई० ही॰ एन॰ एस॰----आयकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नहीं दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस आर-1/5-81/7898—जतः मुक्ते, विमल् विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिल, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 6383 है तथा जो बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रव प्रतिशत से भविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भूजिन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निखित में वास्तविक कुप से क्षिण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चित्रम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में अपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए द्या, खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में एक्त धिवित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थान्:——

- भीमती देवकी देवी पत्नी श्री रामलुभाया सेठी व अन्य, 6383-84, बाड़ा हिन्दुराव, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री अब्बद्रल मत्तार पुत्र श्री हाफीज मोहम्मद इशिक, 4848, बाङ्ग हिन्द्र राव, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अग्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा जो उस अध्याव में दिया गया है!

### अनुसूची

मकान नं. 6383, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई विल्ली-110002

तारीब : 13-1-1982

महिर 🗄

प्ररूप आद् .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस आर-1/5-81/7904--अत: मुक्ते, विभल विशिष्ट,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 135 है तथा जो निरंकारी कालांनी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई 1981

को गूर्वेक्ति संमिति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री राज सपना पुत्र श्री ज्वाला दास सपरा, निवासी ए-2, आउन्दरम लाईन्स, किन्मसबै कर्प, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री सतपाल मित्तरा पुत्र श्री ठाकूर राम, 8-13/15 जंगपुरा एक्सटन्सन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

वर्धे यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, षही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं 135, निरकारी कालोनी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज 2, नहीं दिल्ली-110002

नार<del>ीब</del> : 13-1-1982

मोहर:

### प्ररूप धाई । टो । एन • एस • -----

### ग्रायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निवर्शि सं. आई. एं. सी./एक्यू. 2/एस आर-1/5-81/7889--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूस्य 25,000/- का से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 59/41 है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्द 1981

को पूर्विकत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अग्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ग्रा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य ग्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया खाना चाहिए था, खिथाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:---

- श्रीमती चान्द रानी परनी श्री केदार नाथ सोनी, निवासी 36/62 पंजाबी बाग, नुई दिल्ली (धन्तरक)
- 2. श्री अशांक कुमार बग्गा पृत्र श्री किशन लाल बग्गा निवासी गली न 27 म न 1507, नाई वाला, करोल श्राग, नई विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के सर्वन के सए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माथोप:→-

- (क) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की खारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थलवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जासकोंगे।

स्पट्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, बड़ो अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया ह।

### ननुसूची

प्लाट न - 59 स**ड़क न** - 41, पंजाबी बाग, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सक्ष्मिक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नहीं विल्ली-110002

तारीख : 13-1-1982

माहर:

### प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन राज 2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं आर्द्र ए. सी / एक्यू. 2/एस आर-1/5-81/4569—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-13/67 है तथा को राजौरी गार्डन, नर्ड विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड 1981

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 राम चंदै पुत्र श्री भगवान दास निवासी 13-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री स्वण सिंह व श्री सतनाम सिंह पुत्रगण श्री जगत सिंह निवासी सी-11/1, मानसरावर गार्डन, नर्द दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पृथ्विकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### वनुसूची

मकान नं . 67, ब्लाक जे-13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

तारीस, : 13-1-1982

- मोहर 🖫

### प्रक्ष ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई पिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू. 2/एस आर-1/5-81/4537—अतः मूफ्ते, विमल विशिष्ट, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रजीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है और जिसकी संख्या 846 है तथा जो पंजाबी बाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली के अधीन, तारील मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीयक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाग की बागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिषिक व्यक्तियमें, व्यक्तिय-

- श्री महोश कुमार पुत्र श्री शंकर दास, निवासी डी इं/78 टोगीर गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती उषा रानी जैन पत्नी श्री एस. के. जैन, निवासी 3/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण'---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. 8, रांड नं. 46, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

विमल विशब्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली-110002

ना्रीब : 13-1-1982

मोहरः

प्रकृप आई. टी. एन. एस.----

आयकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत तरकार

काय्राज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-1/5-81/7893—-अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संस्था 220 है तथा जो प्लाट न 22, त्रि नगर, दिल्ली में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1981

का 16) के अधीन, तारीस महैं 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में अस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरम् तं हुन् हिन्ती भाष की नायक, उनक् अग्रिस्त्रम् के अभीन कह देने के मृत्यरक के वासित्य में कभी कहने या उन्हें बुक्ने में सुन्धिय के लिए; बीड/वा
- (क) एंडी कियी बाब वा किसी पढ़ वा बच्च आहितयाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ॐ लिए;

 श्री गुर नरायण व श्री भारमा नन्द पुत्रगण श्री गिर-भारी लाल, निवासी 220, आँकार नगर, त्रि नगर, विल्ली

(अन्तरक)

 श्री राम रूप जैन पुत्र श्री मौजी राम निवासी 7055 गली कनक वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की सविध या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृह्यी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

मकान नं. 220, प्लाट नं. 22, त्रि नगर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयक र आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज् 2, नई दिल्ली-110002

कतः जब, उनत निभिनियन, की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, नभीत् :---

तारी**ल** : 11-1-1982

मोहर :

प्ररूप आहां.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, 'सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदर्श सं. आर्घ. ए. सी./एक्य्./11/11/5-81/ 4548--अतः मुभ्ते, विमल वशिष्ट, अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो गांव साहिबाबाद दौलत पुर, दिल्ली मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्झ 1981 को गूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिष्याल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए;

स्तायया का । लल्,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती कौशल देवी जैन परनी-दयाल चन्द जैन, निवासी-7/9 ए गली मक्खन लाल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली
  - (अन्तरक)
- श्री गुरू दयाल सिंह मुपुत्र-आत्मा सिंह निवासी-एको-2/3 आरक्शन रोड, नई बिल्ली।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां करा ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि गांव-साहिबाबाद दौलतपार, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली-110002

ना**रीब** : 15-1-1982

मोहर 🖫

### प्रस्य बार्ड टी. एत्. एस . ------

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नद्दों दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>क्ष</sup>ण सं. आर्क्ड, ए. सी./एक्यू./11/11/5-81/44547—–अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, प्रिस्का उपित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक हैं

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो गांव साहिवाबाद दौलत पूर. दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण क्या से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1981

को पूर्वोक्स सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अपन विधिनियम की धारा 269-म की क्युधाड़ा ((1) के वधीन निम्मिनियस व्यक्तियों अधीक किया विध्या विश्वास (1)

श्री गुरूदयास सिंह मुपूत्र-आत्मा सिंह निवासी-एके-2
 अ अरक्शन रोड, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

श्री सुधीर चंद जैन सूप्त-दयाल चंद जैन निवासी-7,
 ए गलीमक्सन लाल, अंसारी रांड, दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्दित के अर्थन के निष् कार्यनाहियां कारता हुई।।)

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की सरीम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वनिभ, जो भी नदीम नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाएं।
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर एक्स स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पृथ्यीक हुन्: --- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्वो का, वा अवतः अधिनियम के अध्याय 20-क में सथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि-गांव-साहिवाबाद, दौलतपुर, दिल्ली । ससरा नं . 37/15/2, 16/1, 25/2, 36/11/20 और 21 ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नहीं दिल्ली-110002

तारीस : 15-1-1982

मोहर:

प्ररूप बार्दः टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. 2/5-81/4646--अतः मुभ्के, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रू. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव साहिवाबाद दोलत पूर, दिल्ली में म्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वो वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री इन्द्र पाल सिंह सुपृत्र हरवंश सिंह निवासी-एक-2/ 3 जारकान गोल, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री रमेश जैन सूपूत्र सुखलाल चंद जैन निवासी 7/9 गली मक्खन लाल, अन्सारी रांड, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

कृषि भूमि गांव साहिवाबाद दाँलत पुर, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--17-476 GI/81

तारीस : 15-1-1982

मोहरू 🤃

प्ररूप शाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निंदींश सं. आई. ए. सी./एक्यू /11/1/5-81/

7941—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या डजें. 212 (ओल्ड) एण्ड 602 (न्यू) है तथा जो सुदर्शन पार्का, बसाई दारापुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981 को पूर्वोक्द संपीतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीतित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का किन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का में किश्त नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

 श्री दर्शन लाल सुपुत्र मूल चंद निवासी-16/4500,
 के. डी. कोहली स्टीट, जोशी रांड, क/बाग, तर्दा दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता अलियास गृड्डी एण्ड मास्टर पंकज, श्री लक्ष्मी नारायण सुपृत्र-स्व. जेसा राम; निवासी बी-602।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

एच . न . वजी .-212 (ओल्ड) एण्ड (न्यू) सुदर्शन पार्का, गांव-बसाई, दाराप्र, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज् 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 15-1-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

### भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नक्ष दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निव<sup>र</sup>श सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. /11/1/5-81/7886 --अतः मुभ्ने, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या 17, है तथा जो 45 माल रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) करतरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. .मैंसर्स रोनटियर्स एण्ड फाइनन्सर (प्रा) लिमि., फ्लेट-4, 10 होली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रभा गुप्ता पत्नी मोहन गुप्ता, निवासी-161-ई, कमला नग्र, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विस की अविधि या तत्सम्बधी मां क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की छविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लंट नं. 17, परापरटी नं. 45, माल हांड, दिल्ली।

ं विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख 15-1-1982 मोहर:

### प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१।, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>भ</sup>दा सं. आर्द. ए. सी./एक्यू./11/1/5-81/7849 —-अतः मुभ्के, विमल विशिष्ट,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भाषिक है

और जिसकी संख्या 949 से 952 हैं, तथा जो वार्ड नं. 1, हवेली आजम लान, बाजार चितली कबर, दिल्ली में स्थित हैं (और इसके उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्ड, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिन्न नियम के श्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसा धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अनः अवत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, चकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नामिखित व्यक्तियों, अर्थात :--  श्रीमती भन खनाम पत्नी श्री हाजी अब्बुल भजीष निवासी-2857, गली भिस्तीयान काूचा चेलयान दरियागंज बिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जृनूल आवृदीन आरे नजाकत बेगम पत्नी-जलूल आवृदीन, निवासी-7590 गली पीजी बाली, हवेली आजमसान, बाजार चीतली कबर दिल्ली

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें अयुक्त सन्दों भीर पटों का, जो छक्त श्रिष्ठिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं 949 सं 952, वार्ड नं 11, हवेली आजम सान बाजार चित्ती कबर, दिल्ली

> विभल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज् 2, नहीं दिल्ली-110002

ता**रीस** 15-1-1982 मो**हर** ज

### 

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>े</sup>श सं. आई ए. सी. /एक्यू/11/1/5-81/7934— अतः भूभे, विमल विशिष्ट,

मायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित्र बाजार मूल्य 25,000/-द० से भ्रिधिक है

और जिसकी संख्या 5/33, आंद्र्योगिक है तथा जो कोर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रित्तिक के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐपे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिल्ला का सम्तरण

- (अ) प्रन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, सकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनयम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती मोहन बार्ड माखीजानी सूपूत्र स्याम दास निवासी-सी-54 मैंफेयरस गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्री राजन बतरा एण्ड राजेश बतरा सूपूत्र राम भाज बतरा एण्ड अदर्स, निवासी-6/14, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पोरपरटी न . 5/33 , इण्डसट्रीयल एरिया , कीर्ती नग्र ,। नर्ष दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहस्रयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज 2, नहीं विल्ली-110002

तारीस 15-1-1982 मोहर : प्ररूप भाई•टी•एन•एस•---

आधकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की घारा 269 का (1) के **घधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 जनवरी 1982

निविश्व सं. आर्ह. ए. सी. एक्यू/11/एस-आर-1/5581/7909—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 396, गली न. 31 है तथा जो आंकर नगर, दिरी नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मुई 1981

को पूर्वीक्त सक्ष्मित के छिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से; ऐसे पृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) पौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अवस्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अत्र, उक्त मिधनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्रीमसी सुशीला दोवी परनी धर्मचन्दर गोल, निवासी एच नं. 396 गली नं. 31, ओकार नगर त्री नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती श्याम लता गुप्ता सूपत्नी राम गोपाल गप्ता, निवासी एच नं. 1468 श्री नगर, दिल्ली।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) ६4 न्वता के राज्यत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की मनिध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी की मनिज बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजगत में प्रकाशन की तारीखा से

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में

  हितबद किसी प्रन्य स्थित द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इपर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के धाठ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबंहीगा जो उस घड्याय में द्या पया है।

### अनुसूची

एच न 396, गुली न , ओंकार नगर, त्रिनगर, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

तारीस 15-1-1982 मोहर:

### प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीत मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश स. आई ए. सी./एक्यू/11/5-81/7905—
एस-आर-1—अतः मूर्के, विमल विशष्ट,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके परवात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रयोग सभन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं
कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उजिन बाजार मूल्य 25,000/उपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न . एन-2 है तथा को सत्यवती नगर, 4 गांव-शा वारा कालन, बजीर रोड दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख मई 1981 को गूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिपत्त प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पं मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के, श्रनुसरण म, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिपीत :---  श्री चन्दर सिंह सुपूत्र-जहिरी मल निवासी-1517, रण्जीत वाली, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री अक्षांक प्रसाद सुपुत्र रक्षेत्र प्रसाद निवासी 0188/
 तिलक बाजार, खडी बेलीइ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पड्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट न . एन .-2 , सत्यवती नगर, सदोरा कालन , बजीरपुर रोड , विल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-2, नई दिल्ली-110002

तारील 15-1-1982 मोहर: प्ररूप बाह्रै. टी. एन. एस. ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982 -

निदर्भ सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू. 11/1/5-81/7882 ---अत: मभ्हे, विमल विशिष्ट, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार भृत्य

25,000 / रा. से अभिक **है** और जिसकी संख्या एक . नं . जी-53 ही, तथा जो वाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

**अधीन, तारील मई, 81** 

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुद्दिकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए: और/गा
- (का) एेसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा भाषा किया जाना चाहिए भा, छिपाने सें सविभाके लिए;

- 1. श्रीमती दोवी बार्ड पत्नी के. आर. कपुर निवासी एफ-65 मानसराक्षर गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. थी जगदीश मोहन स्पृत्र सन्त राम कपूर निवासी-मार्फात एक सी-81., टीगोर गार्डन, नई दिल्ली।

को यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्बनाकी तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एच. न. जो-53, बाली नगर, नर्द दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजना।, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च कौँ उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिहित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-1-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा '2**69-च (1) के अधीन सूच**ना

#### भारत सरकार

भ्रायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नर्झ दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्दोश मं आई. ए. सी./एक्यू/11/1/5-81/4628—अत: मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एगी लैंड है तथा जो गांव होलेम्बी खुराद, दिल्ली में स्थित है (और इास्से उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 81

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोम्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिकल से, एमें दृश्यमान प्रितिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया हैं: --

- (भं) अन्तरम् से हुइं किसी नाय की वावत उक्त निभु-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें दचने में सुविधा के लिए; ज़ीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अने जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों. अर्थातः :---

 श्री रिसाल सिंह पुत्र आफ नेत राम, निवासी गांव हाँलेम्बी खुराब, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राजिन्दर सिंह पूत्र श्री नेत ,राम, निवासी गांव हौलेम्बी ख्राद, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिक्षिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

एग्री लैंड, गांव हॉलेम्बी खुराद, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

तारीख : 11-1-82

मोहरः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली

नर्हा दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद्रोंश सं. आर्ष्ट. ए. सी./एक्स्./2/एस. आर.-1/5-81/7940~-अतः मध्ये, दिसल बीशस्त्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'दानन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-4/5 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील सर्व 81

को पूर्वीक्त संपत्ति को उचित पाजार मूल्य से कम को क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उंद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख में बास्तिविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सर्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, नियनिविधित व्यक्तियों, अधितः :--  श्री करतार सिंह पेन्टल पृत्र श्री विशन सिंह निवासी र्रा-4/5 माङल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सुरोग कुमार पुत्र श्री के. एल. मसीजा, निवासी ई-44, ग्रेटर कीलाश-।, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इ.समें प्रेयुक्त शब्दों और पदाँ, का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**सूची

मकान नं . सी-4/5 , माडल टाउन , दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्ड दिल्ली

तारील : 15-1-82

मोहर :

प्ररूप आहें .टी. एन्. एस्. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निव<sup>®</sup>श सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. / 2 / एस. आर. - 1 / 5 -81/7933--अतः मुभी, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पत्रचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000 / रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या एक 5/10 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली

में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

मर्ह, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति फल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य कास्तियो का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र , उत्रतः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निश्नीतिखित आध्वितयों अर्थात:--

ा. श्री नन्द कि शोर पुत्र श्री फकीर चन्द, एफ 5∕10 माइल टाउन, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री गोबिन्द राम अग्रवाल पुत्र श्री जगन नाथ, निवासी 9/एफ कमला रगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वाधनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाको तामील से 30 दिन की अवर्धि, जांनी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अत) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मनुष्रची

मकान नं. एफ-5/10, माडल टाउन, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

तारीख : 15-1-82

मोहर ः

### प्रकृष आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रज-११, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवंश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर.-1/5-81/7925—अतः मुफे, विमल विशष्ट, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 17 है, तथा जो डी एल एफ इण्ड. एरिया नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्यंख्य से उक्त अन्तरण निख्ति मे वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत श्रिष्ठिनयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मुबिबा के किए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के जिए:

श्रतः धन, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन जिम्मिल खित स्पक्तियों अर्थात :— -  श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री मूल चन्द, निवासी 17/22 शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र प्रसाद पुत्र श्री गोरा लाल, निवासी सी-28, शिवाजी पार्का, राहतक राड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्केंगे।

स्पब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया हैं।

#### नगुसूची

मकान का हिस्सा जोकि 17, डी. एल. एफ. इण्डसट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित हैं।

> विभल विशिष्ट संक्षम प्राधिकारी सहायक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

तारीख : 15-1-82

मोह्नर:

प्ररूप आई .टां.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाम 15 जनवरी 1982

निवर्ष सं. आई. ए. सी. /एवयू. /2/एस. आर.-1/ 5-81/7924--अतः मुफे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिन्ने इसमें

इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं, एफ-37 है तथा जा राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख महं, 81

को पूर्वेक्ति संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से काभत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को मानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के कथित्व में कनी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए; मूरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म  श्री गुरवचन सिंह पृत्र श्री गापाल सिंह निवासी सी-37 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रंजीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह निवासी ई-37, राजौरी गार्डन, भई दिल्ली तथा अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मकान नं. एफ 37 जोकि राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हुरी।

> विम्ल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नई विल्ली-110002

त्तारील : 15-1-1982

मोहर ः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/5-81/4627--अत: मुफे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो गांव होलम्बी खर्द विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 81

को पूर्वीक्त पन्मति के उजित बाजार मूख्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे एह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सन्मति का इदित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐंग दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीड़/चा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में स्विध। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्री रिशाल सिंह पुत्र श्री नेत राम निवासी गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री समय सिंह प्र श्री नेत राम निवासी होलम्बी खुवी दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

ती गर अभ्यता अपना गणक विभाग जम्मात के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याज से सामान होति हो, हो भीतर पूर्वाकत व्यक्तिस्वामों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जो कि गांव होलंबी खुर्ब, दिल्ली में स्थित हैं।

विक्रल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1982

मोहर:

प्ररूप बार्च टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नह विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. आर्ड, ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-81/4615--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्रधिक 25,000/- रुपए मे और जिसकी सं. है तथा जो फौक्टरी गांव नानगली सुकरावत, दिल्ली मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द्र, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ए.सी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती वीना रानी पत्नी श्री जगदीश चन्द्र, सी-।, न्यू कृष्णा पार्का, दिल्ली।

(प्रन्तरक)

श्री जगदीश चन्द्र प्त्र श्री फक्तीर चन्द्र, निवासी सी , न्यु कृष्णा पार्का, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिम की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ<sup>3</sup>क्टरी जोकि गांव नानगली सुकारावत, दिल्ली में स्थित है।

> विभाग विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।।, नर्हा दिल्ली-110002

तारीब : 11-1-1982

मोहर 🕆

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नक्ष दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदांश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर.-2/5-81/4610——अत: मुफ्ते, श्रीमती विमल् विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो कृषि भूमि गांव नांगलोई जाट, विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 81

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रण्यमान प्रतिफल से, एसे रण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिबक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उन्नस अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ब, म, बक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः  श्री रोहताम प्त्र श्री ली राम, गांव नांगलोर्ड जाट, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हास बिल्डम कार्यकर्य एण्ड इजीनियर्भ प्रा लि., 1ई/2 भण्डवालन एकसर्टकन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी कार के प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

कृषि भूमि जोकि गांव नागलोर्ड जाट, दिल्ली में स्थित है।

विम्ल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, नर्झ दिल्ली-110002

तारी**ख**ः 11-1-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निवर्ष मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-81/4614—अतः मुभ्के, विमल वृशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

्रऔर जिसकी सं. इंजी-122 है तथा जो इन्द्रपूरी, नर्इ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृष्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :——
19—476GI/81

 श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री भाग मल निवासी ई जी-10 इन्द्रपरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री लश दांव प्त श्री चमन लाल सी-102, नहाँ बस्ती, सीलम प्र. दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तीमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं. **ई जी-122** इन्द्रपुरी एक्सटेन्शन, गांव नारायणा, दिल्ली।

विमल विशय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नाराच : 13-1-1982

### मुक्य आ<u>र्ष. टी. एन. एस ु----</u>----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### जाउव जडकर

### कार्यास्य, सहायक भावकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्द्दं. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर.-1/ 5-81/7899--अतः सभ्ते, विमल विशिष्ट,

बायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काउण है कि स्थानर सम्मित, जिस्का उर्जित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था 6384 है तथा जो बाडा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

का पूर्वेक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिमित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) ज़ल्यरण से हुन्दी शिक्षी नाम की नाम्य , उन्तु शीम् तियम के अभीन कर दोने के ज़ल्यरक के वासित्व भी कभी कृदने ना उससे नुष्यों में स्विभा के शिष्ट्र नहिंगा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थ्रंप या अन्य आस्तिनों का विश्व आस्तिनों का विश्व आस्ति वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकार जाँगाँ नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्रात्म के दिस्ए।

- श्रीमती दॅअकी दंवी पत्नी श्री स्व. राम लुभाशा संठी व अन्य, निवासी बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री अब्बद्रल जाबर पुत्र श्री हाफिज मोहम्मद, निवासी 4848 बाङा हिन्दू राव, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कडता हो।

### उन्तु सुभ्यतित् के नुर्वत् के सुम्बन्ध् में कृष्टि शी वाक्षेप्:---

- (क) इस स्वा के राष्पम में मुकाखन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मुन्दि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय प्रवास
- [(क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के औतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ष किसी बन्य क्यूनित इवारा मुभोहस्ताक्षरी के पास सिशिय में किए का सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

मकान न.6384 बाडा हिन्द राय, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बॉबिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के सधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों मुखुद्-

तारीख: 13-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 था 43) की धारा 269-म (1) के सम्रीत सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, विनांक 13 जनवरी 1982

निर्वोध मं. आई. ए. सी. /एक्यू. / 2/एस. आर. -1/ 5-81/7900--अतः मुफ्ते, विमल वृधिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

अधिकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी संस्था 6383-84 है तथा जो बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम्प स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण सहुंई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्ष-नियम के भिक्षीन कर देने के बन्तरक के वायिरव में कभी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या घन्य घांस्तियों को किन्हें भारतीय ब्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनियम या बनकर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के वधीन निम्निकिसनु व्यक्तिस्था अधितः --

श्री विश्वा नाथ पुत्र श्री राम लुभाया 6383-84.,
 बाडा हिन्दु राव, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हाफिज अब्बदूल राजक पुत्र श्री हाफिज मोहम्मद इंशाक, निवासी 4847, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्मत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधि-नियम के ध्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

मकान र. 6383-84 बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

तारीय: 13-1-1982

प्रसप धाई० डी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज-।।, नई दिल्ली

नक् दिल्ली, विनांक 15 जनवरी 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-।/ 5-81/7906--अतः म्भ्हे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन उक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिन्नका उत्तिन बाजार मूख्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-179 है तथा जो राजौरी गार्डन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त मगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी ब्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उनल बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सतः अव, उनतं प्रविनियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में स्वतं अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री रवीन्द्र चढढा सूपृत्र एम. एल. चढढा निवासी-ज-48., राजौरी गाडौन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजीब कामार सीलास सुपुत्र स्व. श्री बी. ए. सीलास एण्ड अदरम, निवासी सिविल लाइनस, मिर्जापुर यु. पी.।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उबत प्रधिनियम', के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

नं. जे-179, राजौरी गार्डन, गांव बसाई दाराप्र, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रौज-।।, नहीं दिल्ली

तारीख : 15-1-1982

### प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, नहाँ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोध सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-1/ 5-81/7922--अतः म्भे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्था**वर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संख्याप्लाटन. बी-1 है तथाओं गांव सदाराकालन सत्यवती नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्झ, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भत: अब, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन निम्निलियत व्यक्तियों, अधीत्:——  थी सूरण मोहन टकराल सुपूत्र पूरन चन्द ठकराल एण्ड अदरस निवासी बी-4ए/22, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा बंशल पत्नी महाबीर प्रसाद निवासी 804, कोर्ति हिन्दु फराश साना, दिल्ली। (अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्त्रची

प्लाट न. बी-11, गांव सदौरा कालन, सत्यवती नगर, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज्-।।, नई दिल्ली

तारीख : 15-1-1982

मोहर 🗓

### प्रकप भार्षः दी, एन, एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोध सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-1/ 5-81/82-- अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार भल्य 25,000/ रतः से अधिक **ह**ै और जिसकी संख्यान . 32 / 10 ई है तथाजो ईस्टिपटोल नगर, नर्झ दिल्ली मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्दा, 1981 को पृर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफंल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिख्य व्यक्तियों, अधीत् :---

- श्री जितन्द्र नाथ पूरी सुपृत्र राम आसरा प्री एण्ड अदर्स, 15-ए/1, इंग्ट पटाल नगर, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण लाल सुपुत्र अमर चन्द निवासी-8281., चांदनी चौक, नर्द दिल्ली।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसम् प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनुस्पी

प्लाट नं. 32/10-ई, ईस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

लारीय : 15-1-1982

प्रऋष आर्ड .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, नर्ष दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश मं. आर्ड. ए. मी./एक्यू./11/1/5-81/7845 अतः मुफ्ते, विभल विशिष्ट.

इसके पश्चात 'उक्त व्यधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 18ए हैं तथा जो गांव बेसारी दारा-पूर, दिल्ली इस्टेंट, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्डा, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निकिष्यत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः सभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की वर्षभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री बनारसी दास भनोत सुपूत्र बलराम भनोत निवासी के-।।, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हरजीत सिंह सूप्त्र हरनाम सिंह निवासी एम-32, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

प्लाट नंः 18ए, गांव बेसारी दारापुर, दिल्ली **इ**स्टिटे, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, नर्ङ दिल्ली

तारो**न** : 15-1-82

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस. ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ७ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>क्ष</sup>श सं. आर्डः ए. सी. /एक्यू./।।/।/5-81/ 7827—अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 1018 है तथा जो कटरी घी, पाठक हवश खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिक्स्ट्रीक तो अधिकारी के कार्याल्य, दिल्ली में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव निम्नलिष्डित व्यक्तियों अधीत् ः—  श्री अनीश अहमद बारी सुपुत्र शैंख मौहम्मद शफी बारी एण्ड 7 अदर्स, निवासी 1214, बारादारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती चौली दंवी पत्नी गनपतराम निवासी-1018 कटरा घी, पाठक हवशासान, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवव्यारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख एं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बहुद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ह<sup>9</sup>।

### अनुसूची

प्रोप्रटी नं . 1018, कटरी घी, पाठक हबशयान, दिल्ली।

विमल विकाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-11, नर्हा दिल्ली

तारीख : 15-1-82 -रे---

मोहर 🏻

গ্ৰহণ আৰ্থিত হাতে প্ৰত দ্যাত— ---

स्थापतर प्रक्रितियन, 1981 (1981 कि 43) की क्षारा ४३**७-घ** (1) **के प्रक्षीत सुगरा** 

### भारत परकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

लई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निद<sup>र्</sup>ध सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./।।/।/1/5-81/ 7939 --अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

भागकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसपें इसके पश्चात 'उकत पश्चितियम, कहा गया है), की धारा 269-य के पधीन सक्षम शिवकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पस्पत्ति, जिसका उचित 1100-2 मुख्य 25,000'- स्थावें में प्रधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. 36 है तथा जो राजा गार्डन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील मर्ड, 81

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उनित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का रिचा बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दम्यंगान प्रतिफल के प्रदेश विश्वात प्रतिफल के प्रीत दम्यंगान प्रतिफल है और अन्तरक (प्रतिकार्ग) और यन्तरिती (अन्तरित्यों) के वीच ऐसे प्रनित्य के लिए तय पापा गए प्रतिफल, निम्नलिखिल वृद्धिय भ उभा प्रनित्यण निक्ति में बास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है —

- (३) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या करमें बचने में सुविधा के सिए; क्षीक्ष
- (व) ऐसी किसी श्राय या विश्ती धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय गायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 मा 11) या उक्क श्रिधनियम, या नवहर पश्चित्तियम, 1957 (1957 का 27) के ि (द) प्रकारता गया कि गरी किया एक था पा किया कता बाहिए था श्रिमाने में न

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित त्यिक्तयों, अधीत :—— 20—476 GI/81  भी गरिष भिन्न समृत्र भी विस्त सिंह निवासी औ-76, वार्ता नगर, नड दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीमरजीत कार पत्नी अमरजीन सिंह निवासी बी-1/9ए राजारी गार्डन, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुभा जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य ब्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

### अम्सूची

मकान नं . 36 , राजा गार्डन , दिल्ली।

विमल विशिष्टं सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, नर्हा दिल्ली

तारील : 15-1-82

भोहर :

### प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रॉज-।।, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अनवरी 1982

निदर्भ मं. आई. ए. सी./एक्स्./१।/।/1/5-81/7916—अत: स्के, विमल विशिष्ट,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या बना मकान प्लाट नं. 12 पर है तथा जो निरकांरी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-द्वंध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण में निश्चित वास्तियक स्प से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयाकी अञ्चल, उक्त अधितियस के जीन अलादने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने के उससे उपने में स्विधा के लिए: और म
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- 1 श्रीमती कृष्णा भाटिया पत्नी श्री तुलसीवास निवासी बारह (12) प्रधान मार्कोट निरकारी कालोनी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री मदन गोपाल सुपुत्र श्री महाबीर प्रसाद निवासी-357/2 निरकांरी कालोनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विमा गया है।

### अनुसूची

1 मकान प्लाट न . 12 पर बना हाआ निरकां री कालोनी दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, तर्झ दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थातः---

सारीच : 15-1-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।।/।।/5-81/7936--अट: मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-क के प्रतिक तक्षम प्राधिकार कि यह विकास दारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित दाजा पूर्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/25ए हैं तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 81

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

। थी के. एत. वंगा सुपुत्र उत्तम चन्द बंगा निवासी-23/25ए मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मधुसूदन कुमार 23/25ए मोतीनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मकान न. 23/25ए मोती नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 15-1-82

मोहर 🗵

प्ररूप आहर्. टी. एत . एस . ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन (रॉज-१), नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982 निद<sup>र्भ</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्य्./१।/१।/5-81/ 4545—जत: मुफे, विमल विशिष्ट,

आयकर राधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे त्रसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), का धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका प्रचित बाजार मूख्य 25,000/- द से प्रधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव साहिबाबाद दोलत-पुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड, 81

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान शित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रः प्रानशान में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिशित्यों) के बीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, अस्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधि-नियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्याना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत्य अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों. अर्थात :---

श्री इन्द्रपाल सिंह सूपुत्र हरवंश सिंह निवासी ए के-2/
 आरकशन रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुवर्शन क्मारो जैन पत्नी सुसमल चन्द जैन, निवासी 7/9ए गली मक्खन लाल, अंसारी रांड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ है। जा उस अध्याय में दिया गया है :

### अनुसूची

चार बीघा कृषि भूमि गांव साहिबाबाद दौलत पुर दिल्ली।

श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, नई दिल्ली

वारीख: 15-1-8?

अक्षय प्राई० टी० एम० एस०---

म्रायंकर म्रिजिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा

े69-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, नई दिल्ली

अर्जन रंज-।।, नई विल्ली

निर्दोश सं. आर्द्य. ए. मी./एक्यू./।।/एम. आर.।।।/5-81/4619—अतः मूफ्ते, विमल विशष्ट,
आरक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
क्ष्मके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के प्रधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका विचन काजार मृह्य 25,000/हुपये से यधिक है

और जिसकी मं कृषि भूमि है तथा जो गांव दिचावन कानां दोहली में रिश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअर्ट्राइटर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्शिख मर्झ, 81

की पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदन संपित्त का उचित बाजार मूरण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के अपने कि प्रकारण के लिए, त्यपाया गया प्रतिफल का फिल्मिनीलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के अबीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। भौर/या
- ्ख े ऐसी किसा भ्राय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की नए।

अतः, अव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म के अनूसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्री प्रथा अधिनायों, अवर्ति :---  श्री टंक चन्द पृत्र जय लाल निवासी गांव दिचावन कलां दोहली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती पूज्या देवी पत्नी मोहन लाल क्वात्रा निवासी 21/165 डबल स्टोरी क्वांटर कबूल नगर शाहुदरा देहनी।

(अन्तरिती)

को यह मुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी गालेप।---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ता खरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण:---इसमं प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव दिचावल कलां दहिली।

श्रीमती विमल वृधिष्ट स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-ार, नई दिल्ली

্ক'লক 18-1**-82** 

गोहर्:

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

आयकर ब्रि**वियम, 1961 (1961** का **43) की धारा** 269-त्र (1) के <mark>ब्रिबीन सूत्र</mark>ना भा**र**त सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-2, नर्इदिल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यृ. 2/5-81/4635---सुभी, विसल वशिष्ट,

श्रायकर ग्रिश्विमयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्विनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिशीन सभम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिक्षक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो किला नं. 8, माटि-याला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ण के वनु-मरण में, भें, उक्त श्रधिनियमं की श्रारा 269-ण की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखनं स्थितिनर्गे, श्रयील।---  श्री शिओ चन्द, रगहुनाथ और दूसर पुत्र श्री नाने निवासी गांव माटियाला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डरा इसिमाईल खान, बिरादरी (पश्चिमी क्षेत्र) तिलक नगर, दोहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूनना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताभरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वव्हीकरण:---इपमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदी का, जो उक्त श्रिकि नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उन भवनाय । दिशा गार्ट :

### अनुसूची

कृषि भूमि, किला नं 8, माटियाला, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

सारी**स** : 18-1-1982

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नर्ह विल्ली, विनांक 18 जनवरी 1982

निद्धि सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./।।/5-81/ 4635(ए)--अस: भ्रकें, विभल, दक्षिण्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो किला न. 8, मारि-याला, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तोरीस मर्झ, 81

को प्रवेक्ति संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योकित मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्दृश्य से उन्तर अन्तरण निम्नत में वास्तियक रूप में किंश्यत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलियन व्यक्तिसयों, अर्थातः:--  श्री शिओ चन्द, रगूहनाथ और दूसर पूत्र श्री नाने -निवासी गांव माटियाला दहली।

(अन्तरक)

2. डांरी इसिमाईल खान, बिरादरी (पश्चिमी क्षेत्र) तिलक नगर, दोहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमसची

्रकृषि भूमि, किला नं. 8, माटियाला, दहेली। म्स्ततील नं. 17≀

> विमल वरिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्ड दिल्ली

ता**री**व: 18-1**-**82

प्ररूप बार्ड . टौ. एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सुचना

### भाउन सडकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, नई दिल्ली

नक दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निद<sup>ें</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./।।/5-81/ 4635(बी)--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो किला र. 8, माटि-याला, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णपूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्दा, 81

का पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सिवधा के लिए:

ध्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री शिका मन्त, त्यह नाम क्रोट गूराविता की नाने, निवासी कांच माहियाला, दाहली।

(अन्तरक)

2. डोरी इसिमाईल खान, तिरादरी (पश्चिमी क्षेत्र) तिलक नगर, दहेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कृषि भूमि, किला नं. 8, माटियाला, दोहली। मुस्ततील नं. 17।

> विभन्न विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली

तारीख: 18-1-82

मोहर 🖫

### श्रुक्य बार्च. टी. एन. एस.-----

धायहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज . नर्इ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. आइ. ए. सी./एक्य्./1/5-81/ 7832--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

और जिसकी संख्या 8004-8005 है तथा जो खण्ड संख्या 12, महल्ला खारिया, में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोशनारा रोड, दोहली मो रिजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्यः उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकाँ) भीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधि-नियम के प्राधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिएवं में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के खिए; ओर/या
- (बा) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रविनियम 1922 (1922 का 11) या उत्त पंधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग स्विधाके **लिए;**

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---21~476 GI/81

- 1. श्री जवाहर लाल पत्र मलक राज निवासी 8005 -महल्ला बारिया, रोशनारा रोड, बहेली।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री प्रकाश कार पत्नी रामेशवर सिंह, 35, कटरा लाल, सब्जी मन्डी, दोहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए **कार्यवाहि**यां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की भ्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी म्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितकद्व किसी भ्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखिन म किये जा सकोंगे।

**स्परक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदी का, जो उक**् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, वही अर्थ होगा, नी सम अध्याय मं दिया गया है।

### अनुसूची

8004-8005, खण्ड संख्या 12, मुहल्ला खारिया, राजनारा राडि., देहली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्इ दिल्ली

तारीख: 13-1-1982

प्ररूप आहे दी एन. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्दोश मं. आर्ड. ए. मी./एक्यू./11/एस आर-1/5-81/7930--अतः म्रुके, विमल विशिष्ट,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक ही

और जिसकी सं. शोबोराय इपलैक्स नं 21 ही तथा जो जनक ।।।, ओबराय अपार्टभन्ट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता गिधकारी के कोर्यालय, 2, शामनाथ मार्ग, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्ह<sup>5</sup>, 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के 'दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधिते व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 . इस्टि इंडिया होटल लिमिटेंड 4 , मैगों लाइन , कल-कत्ता थरू टी. की. सीबल एण्ड अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री आर, पी. सक्सेना पुत्र, जं. पी. सक्सेना, निवासी डप्लक्स न. 21, ओबराय अपार्टमैन्टस, 2, श्याम नाथ मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपुत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुमूची

ओबेराय डाप्लक्स नं. 21, ब्लाक सी-।।।, ओबेराय अपा-र्टमन्टस, 2, स्याम नाथ मार्ग, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारीख: 18-1-82 मोहर 🛴

### प्रकृप वार्षः द्री एकः एस ु------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत् चरकार्

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू.-।।/ एस आर-।/5-81/7929—अतः म्भे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया है) कि की भारत 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारन है कि स्थानर सम्पति, जिसका उन्ति भाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या बगलां न. 3, है तथा जो मंदकाफे रांड, सिविल लाइन्स, दिल्ली मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्च 81

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक से सिए त्य पाया गया प्रतिफल का निम्नितिषित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्त- विक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी फिसी भाव या किसी धन या क्या भारतियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा वा किया जाना आहिए था कियाने में सुरिन्धा के हिन्दा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, में, उक्त जाँगिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसिस व्यक्तियाँ जर्मातः—

शी राम बाबू गुफ्ता पुत्र एल श्री हरि शकर गुफ्ता एन्ड श्रीमती नरबदा द्वी पत्नी एल श्री हरि शंकर गुफ्ता निवासी, 1124 कूचा नटवा, चांदनी चौक दहेली।

(अन्तरक)

2. श्री सूरिन्द्र कुमार सिंहानिया पुत्र एल श्री बनारसी दास,, सिंहानिया एण्ड अन्य निवासी ए-65, विवेक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासेप्र--

- (क) इस स्वान के राज्यकुमें प्रकाशन की तार्यंत्र से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वे किया व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां इवाडी
- (ज) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् के शीत्र उक्त स्थान्य संपरित में हित्बव्ध किसी अन्य अपिक वृत्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकान।

स्पट्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनुसूची

बंगला नं. 3, मेंटकाफ रांड, सिविल लाइन्स, दहली। 🦠

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली

तारीख: 18-1-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

### जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन समना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-।।, नई दिल्ली

नक्ष दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दोश सं आर्दः ए, सी /एक्यू -- । /एस आर । । /5-81/4641--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और ज़िसकी संख्या 112 ही तथा जो शिवाजी पार्क दहेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इप्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

1. श्री मदन लाल भाटिया पुत्र बिहारी लाल भाटिया निवासी 6 सन्ना बिल्डिंग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री तिलक राज बग्गा पुत्र हरनाम दास बग्गा सी-59 अशोक विहार फस-। दहेली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचमा आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों मे दो किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

प्रापटी नं. 112 शिवाणी पार्क गांव मादीपुर बहली।

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी (सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, नई दिल्ली 110002

तारी**स**ः 13-1-1982

मोहर 🌡

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्दाश मं. आर्द्दा. ए. मी./एक्यू.-।।/एस आर ।।/5-4630--अतः मुक्ते, विमल् दक्षिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको संख्या एच-112 है तथा जो गांव मावीपुर दहेली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख गई 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण य हुई किसो आय को बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:--

- श्री मदन लाल भाटिया पुत्र श्री बिहारी लाल निवासी
   क्षन्ता बिल्डिंग न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- श्री तिवक राज बग्गा पूत्र हरनाम दास बग्गा निवासी सी-59 अशोक विहार दोहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) द्वा तूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य उपक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्मे होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

### अनस्त्री

प्रापटी नं एच . 112 गांव मादीपुर विल्ली स्टेट दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, नई विल्ली 110002

नारीब : 13-1-1982

माहर:

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नहीं विल्ली

नीई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1982

निर्दोध सं. आर्ह. ए. सी. / एक्यू-।। / एस आर ।। / 5-81/4562--अतः मुक्ते, विभन्न विशिष्ट,

नायंकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान न . आर-14 है तथा जो राजौरी गार्डन नहीं दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्भ अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मही 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आफिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री तीरथ सिंह पुत्र सरूप सिंह निवासी आर-14, राजीरी गार्डन नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत कारे पत्नी रणबीर सिंह, मकान नं. 40, माल रोड अमृतसर, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्र की

मकान न . आर-14 , राजौरी गार्डन , नई बिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज-।।, नद्दी दल्ली 110002

शतः अत्व, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्वितिकों, अधीत :---

तारीख : 18-1-1982

मोहरः

प्ररूप आ**र्ड** . टी . एन . एस . -----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के मधीन सुचना

पारत तरकार

भार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नद्यी दिल्ली

नद्दे दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1982

निद<sup>®</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू.-।।/एस आर ।/5-81/7854—अतः मुभ्हे, विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रिष्ठितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' सहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसहा उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से प्रिष्ठिक है

और जिसकी सं नं 1147 है तथा जो बारदरी नवाब वजीर, फाटक हबास खान, दहेली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूट्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्त्रिक रूप में कृषित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई जिसा अाय की बावत, सकत श्रीविषय के अनीन कर देने के अन्तरक के वाविस्थ में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने सें ख़िक्का के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती स्वरूप रानी पत्नी अमर वास और दूसरे निवासी 21/42, शक्ति नगर दहेनी।

(अन्सरक)

 श्रीमती चंद्रां दोवी पत्नी बाबू राम निवासी 1147, बारादरी, नबाब वजीर, फाटक हवास सान, दोहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रापैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी लं से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकानन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त आर्क्स घीर पर्वो का, जो उच्त ग्रिमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं. 1147, बारादरी, नबाब वजीर, फाटक हवस सान, दहिली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली 110002

तारीख: 22-1-1982

भोहर:

प्रकृप बाहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू.-।।/एस आर ।/5-81/784--अतः मुभ्ने, विभल विशिष्टे, **गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थावर** संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं 📑 हैं तथा जो 7, राजपुरा रोड दिल्ली और जिसकी संख्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीस मई 1981 को प्योक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्धरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बारसविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् --

- श्री गाँपी चन्द भाटिया निवासी 136, तिलक बाजार दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- श्री प्रवीण कुमार मिगलमी निवासी 11/5, शिक्त नगर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय यें दिया गया हैं।

### अनुसूची

7, राजपुरा रोड विल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002

ता्रीस : 23-1-1982

मोहर: 🕠

पार र पर्वितिकार, १००१ (196) की 43) की धारा पुरुष सर्वक के अधीन सचना

المراسي المسار

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थत रॉज-११, नर्ड दिल्ली रर्ज दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1982

निवार मं. आर्ड. ए. सी./एक्यू.-।।/एस आर ।/5-81/7842--अतः म्-भ्रे, विमल विशष्ट, अत्य कर ग्रिश्चित्यम्, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इ.के प्रत्यत् उक्त पश्चित्वमं कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थान वक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-भ्रष्ट में ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 7, राजपूरा रोड दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिगत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरनों) और अन्तरितः (अन्तरिविधो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाष गया प्रतिफल, निम्निचिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विदित में वास्तिक कर म क्षित नहो गया है :—

- (क) अभ्वरण ने हुई किथी आय की बाबत, उबत अधिकार है अधीर कर देने के अस्तरक क राजियन व रेगा करते या उपने बचने में मुविधा के राजिय
- (ख) पंसी किसी आव पा किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को (तन्ह मारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-का श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्राजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मंग भा प्र किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिनिया तन्तर;

ारत अवभा के अनुसरण

सं, मंं त्रवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
22-476GI/8!

- া श्री गांपी चन्द्र भाटिया न्दिस्सी 136, सिलक बाजार दिल्ली ।
- 2. श्री रिजन्द्र क्मार निवासी 11/5, शक्ति नगर दिल्ली । (अन्तरिती)

को ४६ पूत्राः जारी करके पत्तीका सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हवडडीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जी उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहां श्रथ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 राजप्रा रोड दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आध्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, नर्ड दिल्ली 110002

तारीब : 23-1-1982

प्रकाष आई. टा. एप. एस. ः-- ः----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई विल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू.-।।/एस आर ।/5-81/7843--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें

इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 7, राजपूरा रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मई 1981

को पर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल सी, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बंधि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-**फंल, निम्नलिखित उद्दोर**य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण में हुई कि.को आप की बाबर. अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी ाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ि छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. • श्री गोपी चन्द भाटिया निवासी 136, तिलक वाजार दिल्ली।

(अन्तरक)

2. थी रजिन्द्र कुमार पुत्र उत्तम चन्द्र मिगलानी निवासी 11/5, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता **ह**े।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अथिक्त द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

७, राजपुर रांड, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्ह दिल्ली-।।०००२

तारीय 23-1-1982 मोहर:

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, निर्देशिक्ली

बर्झ दिल्ली, विनांक 23 जनवरी 1982

निर्दाश मं. आई. ए. सी./एक्यू.-।।/एस आर ।/5-81/7841--अतः म्फे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 7, राजपुरा राडि है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्था संविणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन तारील मर्ड 1981 को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1 श्री गोपी चन्द भाटिया निवासी 136, तिलक बाजार दिल्ली।
  - (अन्सरक)
- श्रीमती नीरज मिंगलानी निवासी 11/5, शक्ति नगरे दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

2. श्रीमती नीरज मिगलानी निवासी 11/5, शक्ति नगर

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ह दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारीख 23-1-1982 मोहर:

### SUPRIME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th February 1982

No. F. 6/51/78-SCA(1).—Shri P. S. Parvatheesam, Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge, Supreme Court of India, having expired on February 1, 1982, his services in the Registry of the Supreme Court of India came to an lend with effect from the afternoon of February 1, 1982.

II, S. MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn.)

#### (ADMN\_BRANCH-D)

New Delhi, the 9th February 1982

No. F.6/82-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. S. Suri, P. P. S. to Hon'ble the Chief Justice of India as Officiating Deputy Registrar in the Registry of Supreme Court of India with effect from the forenoon of Lebruary 8, 1982 to March 6, 1982, until further orders.

H. S. MUNJRAL,
Dy. Registrar (Admn, J)

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th December 1981

No. P/1790-Admn.III. -Consequent on his having been selected for appointment to the post of Assistant Vigilance Officer in Delhi Electric Supply Undertaking, on deputation basis in the pay scale of Rs. 650-1200 for a period of three years of deputation, the services of Shii Kailash Chandra, Desk Officer of Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the alternoon of 14th December 1981 with instructions to report to Vigilance Officer, Delhi Electric Supply Undertaking, Link House, New Delhi, immediately thereafter.

### The 21st January 1982

No., A.12025(ii)/3/78-Admn.HI.—Consequent upon his nomination to the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission for inclusion in the Select List of Section Officers Grade for the year 1979 against "Seniority Quota" Shri Sudesh Kumar is appointed as Section Officer in the office of U.P.S.C. with effect from the forenoon of 1st January 1982 until Jurther orders.

No. P/1890-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 1-1-1980, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Dr. T. Ramasami as Deputy Secretary in the office of U.P.S.C. for a further period of two more years w.e.f. 22nd December, 1981, or until further orders, whichever is earlier, under the powers vested in him vide Proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

### New Delhi, the 8th January 1982

No. A, 32015/1 '80-Admn.H.—In continuation of this office Notification of even No. dated 16th October, 1981, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Ksh.:triya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for a further period of 3 months with effect from 13-1-82 to 12-4-82 or until further orders, whichever is carrier vice Sm. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave.

### The 11th January 1982

No. A.32014/4/80-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as 1 state Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-50-740-35-810-1-8-35-880-40-1000-FB-40-1200/- on ad hoc

basis for a period of three months with effect from 22-1-82 or until further orders whichever is carlier.

2. Shri R. P. Singh should note that his ad hoc appointment to the post of Estate Manager and Meeting Officer will not automatically entitle him for regular absorption or for scalarity in the grade.

P. S. RANA, Section Officer, for Secy. Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 9th February 1982

No. P./1782-Admn.H.- In continuation of this office actitication of even number dated 23-9-1981, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri L. R. Sarin, an Accounts Officer of the office of Accountant General, Haryana, Chandigarh as Finance and Budget Officer in the office of the Union Public Service Commission for the further period from 1-12-1981 to 31-3-1982, or until further orders, whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to draw any deputation (duty) offowance during the period covered by this notification.

2. This issue with the approval of DOP&AR vide their letter No. 39017/2/81-Estt(B), dated 27-11-1981 and also with the concurrence of Accountant General, Haryana vide their letter No. Admn.I/G.O./P.F./LRS/81-82/5648 dated 28-1-1982.

P. S. RANA, Section Officer for Chairman, Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 19th December 1981

No. F-38013(4)/14/81-PERS, On transfer to Sindii, Shri C. D. Kukreti relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL that a with effect from the atternoon of 10th November, 1981.

### The 1st February 1982

No. F-16014(5)/1. 78-PERS.—On his repatriation to his parent department Shri B. S. Singh relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, D.S.P., Durgapur with effect from the afternoon of 31st October, 1001

No. E-38013(4)/16/81-PERS.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Srivastava, on promotion on ad hoc basis, as Assistant Commandant in the CISF with effect from the forenoon of 9th November, 1981, on which date he assumed the charge of the said post at CISF Unit, Bhilai Ispat Ltd., Ehilai.

No. E-38C13(4) · 19781-PERS.- On transfer to Bhopal Shii M. K. Chopia, relinquished the charge of the post of Assit. Commandant, CISF Unit, BIOP #18xp-5), with effect from the afternoon of 2nd November, 1981.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer to Bhilai Shri Y. P. Jogewar relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, R.S.P. Rourkela with effect from the afternoon of 25th Nov, 1981.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from Rourkela Shri Y. P. Jogewar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISE Unit. Bhilai Ispan 13d. Philai with effect from the forenoon of 30th November 1981

No. 1-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer to Vadinar Pipelines, Rajkot (GUJ) Shri R. K. Mehta relinquished the charge of the post of Assit. Commandant, CISI Unit, IOC GR Baroda with effect from the atternoon of 24th November 1981 assumed the charge of the post of Assit. Commandant, CISE Unit, IOC. Salayo Mathum Pipelines, Vedinar

(Guj) with effect from the forenoon of 26th November, 1981.

No. E 38013(4)/21/81-PERS.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Kapoor on promotion on ad-hoc basis, as Assit. Commandant, CISF with effect from the forenoon of 12th December 1981, on which date he assumed the charge of the said post at CISF Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta.

No. E-38013(+1/21/81-PERS.—On transfer to Korba Shri B. P. Lubey reiniquished the charge of the post of Asstt: Commandant, CISE Unit, IPCL Baroda with effect from the afternoon or 26th November, 1981.

No. 1. 38013(4)/21/81-PERS.—The President is pleased to appoint Sati S. R. Abrol, on promotion on ad-hoc basis, as Assistant Communication are CISF with effect from the foremon of 11th December 1981 on which date he assumed the charge of the said pose of CISF. Unit, Gujarat Refinery, Laroda.

No. E-38013(4)/14/81-PERS.—On transfer from Jharia Shri C. D. Kukieji assumed the charge of the post of Assistant Communication, CISF Unit, FPDIL Sindri with effect from the foreign of 21st November 81.

SURENDRA NATH, Director General

### MINISTRY OF FINANCE

## DEPIT, OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Liewas, the 5th February 1982

F. 100. 2002/C 15/813—In continuation to this Department's isolal advantaged interfer isolal/C5/81 dated 9-8-81, the ad-hoc appointment of surf 8. ic. Shukla, as Technical Officer (Printing & Phantagery) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of six months with effect-from 4-2-82 or the fost in 16.ed on regular basis whichever is earlier on the 50th of 120ths and conditions.

M. V. CHAR, General Manager

### SCCURITY PAPER MILL

thishing abad-461000, the 5th February 1982

No. 7(57) 11956.—On being relieved from Bank Note Press Dewas vide Office Older No. BNP/E/8/S-12 dated 20-1-82 501 M. Fig. augmathan, is hereby appointed as Administrative Officer on deputation basis w.e.f. 27-1-1982 (FN) for an initial period of one year. He will draw his pay @ Rs. 840-40-1007/LB 40-1200.

S. R. PATHAK General Manager

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA New Defit, the 6th February 1982

The many the transfer of the second

No. Adam 1/C-7A-142/6351.—In pursuance of sub-rule (1) of Rute 5 of the Control Civil Services (Tamporary Service) Rules 1965, the undersigned had given a notice to Sbri Sunil Kuma: Shukla, Clerk (Personal no. 05/5997) vide this onice in no no Admn.I/C-7A-142/5545 dated 8 Journary 1982 Infinating that his services shall stand terminated with event from the date of expiry of a period of one month from the day, on which the notice was Served on or, tendered to him. I'm said notice sent to him by registered post has been returned back to this office undelivered.

The underligand hereby gives notice that the services of said Shri Sanil Eurage Shukla shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date or which the notice is published in the Guzette.

S. J. S. AHLUWALIA, Schiol Dy. Acett. Gen. (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY

Bombay, 6th February 1982

No. Av/Admn/Misc/Con/973.—Shri C. D. Chitre, Offg. Selection Grade Section Officer (A) of this office is promoted as Audit Officer in the Offg. Capacity w.e.f. 21-1-1982. (F.N.)

S. Y. GOVINDARAJAN, Director of Audit

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 28th January 1982

No. Admn. 1/0.0429.—Shri H. C. Kohli, a permanent Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in Water and Power Development Consultancy Services (India) Limited New Delhi. w.e.f. 14-7-1981 on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Govt. of India, conveyed vide CAC's letter No. 51-GE-II/1-81 dt. 11-1-1982.

V. S. VERMA, Joint Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 6th February 1982

No. 5694/A-Admn/130/79-81.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Road Construction Corporation Ltd. with effect from 11-11-1981, the lien of Shri VLN Rao, Substantive Audit Officer, in this Department has been terminated, in terms of FR 14-A(d), from the same date.

R. S. GUPTA,
Jt. Director of Audit
Defence Services.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 5th February 1982

No. Admn.I/8-132/81-82/489.—Shri, R. Govindarajan, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-1-1982 (A.N.).

Shri S. Kondaiah, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I. Hyderabad has retired from service with effect from 31-1-1982 (A.N.).

Shri R Raghavan, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh I, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-1-1982 (A.N.).

Shri N. Subramanian III, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service with effect from 1-2-1982 (F.N.).

(\$d/-) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### MINISTRY OF DEFENCE

PRO ASTROLIA DA ADEARS

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 11th January 1982

No. 01/82, 6.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. Jayaramon. Offg. Asstt. Manager (Subs. and Permanent Store Holder) regred from service with effect from 30th November, 1981 (AN).

The 27th January 1982

No. 62762. G.—On actaining the age of superannuation (58 years) Sari K. D. Sanyal, Offg. Deputy Manager (Substand permatical assault Manager) refired from service with effect from 31st December, 1981 (AN).

### The 1st February 1982

No. 3/G/81.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri K. Mitra, Offg. DDGOF Level-II (subst. & Permt. ADGO: Gr.II), retired from service w.e.I. 30th September. 1981. (AN).

No. 4. G/81. -On attaining the age of superannuation (58 years), Shri B. C. Paul, Oilg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF) retired from service w.e.f. 30th September, 1981 (AN).

V. K. MEHTA, Asstt. Director General, Ordnance Factories.

### MINISTRY OF COMMERCE

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd February 1982 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1096/75-Admn(G)/944.—The President is pleased to permit Shri G. S. Grewal an officer permanent in the Section Officer's grade of the Central Secretariat Service and officiating in Grade I of that Service and posted as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chiet Controller of Imports and Exports, New Delhi to refire from Government service on 31-12-1981 (AN).

### The 4th February 1982

No. 6/502/56-Admn.(G)/934.—The President is pleased to permit Shri I. V. Chunkath, an officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Service and Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1982.

J. K. MATHUR,
Dy. Chief Controller of Imports and
Exports (Admn.).
For Chief Controller of Imports and Exports.

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 001, the 1st February 1982

### (MERCHANI SHIPPING)

No. 13(5)-CRB/81.—The President is pleased to appoint Shri Sankar Chakraborty as Engineer Officer, Training Ship 'Bhadra', Calcutta with effect from the forenoon of 5-12-1981 until further orders.

B. K. PAWAR. Dy. Director General of Shipping

### MINISTRY OF COMMERCE

### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th January 1982

No. A-12025(i)/6/30-Admn, II(A) — The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th January, 1982 and until further orders Shri Ram Krishan Kapur as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Agartala.

P. SHANKAR
Additional Development Commissioner for
Handlooms

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delbi-1, the 2nd February 1982

No. A-1/1(960).- In partial modification of this office Notification No. A-1/1(1058) dated 30-11-81, the President

has been pleased to appoint Shri L. Lakshminarayan, Asst. Director of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Director (Grade I) (Grade III) of Indian Supply Service, Group 'A') on ad hoc basis with effect from 6-11-81 (FN) for a period of six months or till the UPSC nominee becomes available, whichever is earlier.

### The 4th February 1982

No. A-1/1(1186)—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. M. Mahajan, Superintendent in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpur to officiate on purely ad hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection (Met.), Burnpur with effect from the forenoon of 23-12-1981 vice Shi G. Nandiga, Assit. Director (Admn.) (Gr. II) retired.

S. L. KAPOUR Dy. Director (Administration)

### (ADMN, SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 4th February 1981

No. A-6/247(388).—In supersession of the Directorate General of Supplies and Disposals Notification No. A-6/247(388) dated 27-11-1979, the President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri S. C. Anand, who was actually promoted to the post of Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch) in the Directorate Genetal of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from 16-9-1974, would be with effect from 2-4-1970 (FN).

No A-17011/206/82-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Ajoy Mukherjee, Examiner of Stotes (Engg) in the Office of Director of Inspection, Calculta to officiate as Assistant Inspecting Office (Fngg) in the same Office with effect from the forenoon of 21st December, 1981, and until further orders.

No. A 17011/207/82-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Kalidas Sen Gupta, Examiner of Stores (Engg) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same Office with effect from the forenoon of 16th December, 1981 and until further orders.

No. A-17011/208/82-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Sukumar Mookherjee, Examiner of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 16th December, 1981 and until further orders.

No. A-17011/209/82-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Ajoy Kumar Banerjee. Frammer of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Califort to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 16th December, 1981 and until further orders.

M. G. MENON Dy. Director (Administration)

### MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARIMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 29th January 1982

No 683B/A-19012(2-Assti Geophy.)/19B —Shri G. Ramaprobhu, Assistant Geophysicist, G.S.I., reinquished charge of the post of Assistant Geophysicist of this department w.e.f. 28-8-1981 (A.N.) on resignation.

No. 720B/A-3213(AO) '80-19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-

AN OTHER PROPERTIES. WITH THE TRANSPORT AND AND ADDRESS.

PART III—SEC. 1]

in a temporary capacity with effect from the dat shown against each, until further order).

St. No., Name Date of Aspointment

1. Shri B.K. Sarkai -9-12 1981 (AN) 2. Shri S. K. Das Gupta--14-12-1981 (FN).

ng transfer transfer (1994) na sample en transfer transfer transfer (1994) na sample en tr

J. SWAMI NATH Director General

### SURVEY OF INDIA

### Dehra Dun, the 9th February 1982

No. C-5790/718-A.—Shri N. Mohan Raj, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), on ad hoc basis in South Central Circle Office, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 7th November 1981 (F.N.) vice Shri Sa'ig Ram, Establishment and Accounts Officer transferred.

G. C. AGARWAL Brigadier Surveyor General of India (Appointing Authority)

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Dathi, the 2nd February 1982

No. 2/30/81-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri George Athyde, Accountant, Central Sales Unit, AIR. Bembay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Gorakhpur with effect from 23-1-82 (FN).

### The 3rd February 1982

No. 29/3/81-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Sri Ram, Farm Radio Reporter, All India Radio, Varanasi to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio, Ambhikapur with effect from 15-1-82 (FN).

No. 29/2/82-SII.—Director General, All India Redio, is pleased to appoint Shri C. Murganandan, Farm Radio Reporter, All India Radio. Tiruchirapalli to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio, Coimbatore with effect from 18-1-82 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director (Administration) for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

解文ではない。これを表現しては、10mg Annia Annia

Bombay, the 25th January 1982

No. 6/88/54-Est. I.—Shri M. M. Vaidya, permanent Chief Cameraman, Films Division, Bombay relinquished charge of his post in the Film Division (in the afternoon of 31-10-1981) and proceeded on deputation to the Film and Television Institute of India. Pune as Professor of Cinematography with effect from 2-11-1981 (FN).

Shri N. Narasingh Rao, permanent Cameraman has been appointed to officiate as Chici Cameraman vice Shri M. M. Vaidya with effect from 2-11-1981 (FN).

#### The 30th January 1982

No. 5/16/76-EST.(1).—The Chief Producer has appointed Shri D. R. Haldankar officiating Cameraman, Films Division, New Delhi to officiate as News Reel Officer, Films Division, New Delhi with effect from 6-10-1980 (FN).

S. K. ROY
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

### PETTS INFORMATION BUREAU

Islew Delhi-1, the 1th February 1982

No. A-12026/1/78-Est.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri S. N. Nigam, an Assistant of CSS Cathe of the Ministry of Information & Broadcasting and working in Press Information Bureau, New Delhi, as Administrative Officer in Press Information Bureau, New Delhi as Administrative Officer in Press Information Bureau's Office at Northern Region with effect from the forencon of February 1, 1982 until further orders.

Asstt. Principal Information Officer for Principal Information Officer

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th February 1982

F. No. A. 12025/18/80-NICD/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Kuldip Singh to the post of Deputy Assistant Director (Ent.) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with affect from 14th December, 1981 (F.N.) and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

### DIRECTORATE OF OILSEEDS DEVELOPMENT Hyderabad-500029, the 4th January 1982

No. F. 8-16/76-Estt.—The Director. Directorate of Oilseeds Development is pleased to appoint Shri A. K. Mukherjee. substantively to the permanent post of Statistical Officer in the Directorate of Oilseeds Development. Hyderabad with effect from 5-7-1977.

M. D. WASNIK Director

## MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th January 1982

No. A-12026/2/78-A.III.—The deputation of Shri S. K. Sood as Accounts Officer in this Directorate at Faridabad which was initially for a period of 2 years w.e.f. 19-11-1978 and subsequently was extended for the period from 19-11-1980 to 30-4-1981, has been extended for a further period from 1-5-1981 to 18-2-1982 on the existing terms and conditions of deputation.

### The 29th January 1982

No. A-19025/73/81-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Subhash Chanden Saha has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Directorate w.e.f. 14-1-1982 (F.N.) until further orders.

### The 5th February 1982

No. A-19025/14/81-A. III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, (Group 'B'), S/Shri Mahander Pal and K. C. Runiwal, Senior Inspectors, have been promoted to officiate as Assistant Marketing Officers at Faridabad w.e.f. 26-12-1981 (A.N.) until further orders.

B. L. MANHIAR
Deputy Director (Administration)
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 30th January 1982

No. PPED/3(240)/77-Adm./1351.—Director, Power Projects Engineering Division hereby appoints Shri R. J. Bhatia,

o permenent Selection Grado Cierk in FPED Pool and officiating Administrative Officer-II in Bloths. Assonic Research Centre, in a substantive capacity in this Division against the permanent post of Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Es. 650—30—740—35—880—EB—740—960/- with effect from 1-8-1977.

S. G. NAIR Chief Administrative Officer for Director

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 3rd February 1982

No. AMD-16/3/82-Rectt.—In partial modification of this Office Gazette Notification of even number dated January 12, 1982, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. K. Vijayakrishnan, a permanent Assistant Personnel Officer, to officiate as Administrative Officer-II in the same Division on an ad hoc basis for a period of 75 days with effect from the forenoon of November 18, 1981 to January 31, 1982, in the vacancy of late Shri S. K. Malhotra.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—In partial modification of this Office Gazette Notification of even number dated January 12, 1982, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, appoints Smt. Kamala Schgal, a permanent Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division on an ad hoc basis for a period of 75 days with effect from the forenoon of November 18, 1981 to January 31, 1982 vice Shri P. K. Vijayakrishnan, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II.

### The 4th February 1982

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Dinesh Chandra Gupta as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of January until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 6th February 1982

No. 05052/81/Aug./373.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Jaswantlal Shivlal Parmar, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of August 8, 1981 until further orders.

No. 05052/Aug. 81/374.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Iaswantlal Shivlal Parmar, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

No. 05052/Aug. 81/375.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kandukuri Venkata Sitarama Anjanejaj Sharma, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/ Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

No. 05052/81-Aug./376.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Mohan Lal Gupta, a semi-permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda), to officiate, as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of August 1, 1981 further orders.

> R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

ביייא אור איניא בייילטיר היייא איניא מיזיא איניא איניא איניאר אי

No. TAPS/1/2011 76-R - 71. Co. I Superintendem to apur Atomic Power Station, from them of Atomic Energy appoints Shift in the control in the station Assistant (B) to offende as leaves leaved in the state of pay of Rs 650- (0-74) - (7-74) - (7-74) - (8-74) - 950/- on ad hoc basis in the Tauru Stomic Power Station with effect from the forenoon of January 27, 1982 and up to February 26, 1982 (AN), vice Spri N. G. Malkani, Manager Hostel proceeded on leve. Hostel proceeded on leve.

> D. V. MARKALE Administrative Officer III

### DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695 022, the 27th January 1982

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating converty in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of scale of forenoon of October 1, 1981 and until further orders :-

Sl. No., Nemcand Division/Project

- 1. Shri M P. Ramachandra Panicker--RPP
- Shri B. Viiayamohanan Nair-RPP
- Shri D. Sudhesan—COM
- Sreekantan Nair-COM
- Shri P. Nagalingam—CGD Shri G. Rajendranathan—P

- 5. Shri P. Nagalingam—CGD
  6. Shri G. Rajendranathan—PEC
  7. Shri K. Sukumaran Nair—RFF
  8. Shri A. Chandrasekharan—APPLE/RSR
  9. Shri M. Sukumaran Nair—EFF
  10. Shri I. Durai—ARD
  11. Shri C. Ramakrishnu—APPP
  12. Shri E. Narayanan—PCM
  13. G. Varindese—IPD

- G. Varughese PD
   Shri V. P. Venugopalan—EMD
- 15. Smt. Subhadra Ravindran Pilla:—TERLS/IREX 16. Smt. R. Indira Devi—STF.

K. P. R. MENON . Admn. Officer-II (EST)

### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 27th January 1982

No. 10/3(45)/79-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, has accented the resignation from service of Shi M. V. Rajagopal, Engineer SB of Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore with effect from the afternoon of January 25,

H. S. RAMADAS Administrative Officer-I for Chief Engineer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th January 1982

No. A-19011/52/80-E.J.-The President is pleased accept the resignation from Government service of Shri R. S. Aimani, Deputy Director of Communication in the Office of the Director General of Civil Assistant with effect from 8-1-1982 (AN).

#### The 25th January 1982

No. A-32013/7/79-E.I.—The President has been released to appoint Shri B. R. Sharma, Sonior Technical Assistant in the Office of the Director General of Civil Aviation to the post of Scientific Officer, on an ed hoc basis for a period of six months from 21-1-1922 to 20-7-1932 or till the post is filled on a compar basis, whichever is earlied.

No. A-32013/13/81-L. L.-The President has been pleased to appoint Shir V. Ramasubramanyam, Director of Training & Licensing to the post of Deputy Director General in the Office of the Director General of Civil Aviation on ad his basis for a period from 20-1-1982 to 28-2-1982 or till the post of Deputy Director General is filled on a regular basis, whichever is earlier.

### The 29th January 1982

No. A. 32013/5/80-EA.—The President has been pleased to sanction proforma promotion to Shri J. C. Parti, Aero-drome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 6-2-1981.

No. A. 38013/1/81-FA—Shri J. N. Singh, Senior Aerodrome Officer Office of the Regional Director, Calcutta retired from Government services on the 31-12-1981 on attaining the age of superannuation.

> S. GUPTA Deputy Director of Administration

### New Delhi, the 2nd February 1982

No. A. 19011/46/80-E. I.—On attaining the age of superannuation Shri N. Gopal, Deputy Director of Equipment in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government Service on the afternoon of No. A. 19011/46/80-E. I.—On attaining the 31-1-1982.

> S. GUPTA Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

### New Delhi, the 15th January 1982

No. A. 32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint S/Shri S. S. Ashta and J. S. Sangwan, Superintendents, as Administrative Officers (Group 'B') on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 1st Ianuary, 1982, for a period of 6 months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

### The 19th January 1982

No. A. 32013/4/79-ES.—The President is pleased to appoint S/Sh. S.·L. Vohra & S. S. Kuner, Aircraft Inspectors, to the grade of Senior Aircraft Inspector on ad hoc basis for a period of six months, with effect from 26-12-1981 (FN) or till the regular appointments to the grade are made, whichever is carlier.

### The 29th January 1982

No. A. 32013/4/79-FS.—The President is pleased to appoint Shri S. Majumdar, Aircraft Inspector to the grade of Sr. Aircraft Inspector on ad hoc basis for a period of six months, with effect from 30-12-1981 (FN) or till the regular appointment to the grade is made, whichever is

### The 5th February 1982

No. A 32014/3/81-E8.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad hoc appointment of S/Shri R. G. Shinde, S. H. Lalla, S. C. Mallick and K. T. Seen, Superintendents, as Administrative Officers upto 31-7-82 or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions,

J. C. GARG, Asstt. Director (Admn.)

### New Delhi, the 28th January 1982

No. A. 32013/8 80-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/11/79-FC, dated 10th April 1979, the President is pleased to appoint the following two Technical Officers at present working as Senior Technical Officer on ad-lice basis in the office of the Director, Radio Construction and Development Unit, New Delhi to the grade 23-476GI/81

- of Semon Tech. Officer on regular basis with effect from 31-3-1981 and to post them in the same office.
  - 1. Shri S. C. Duggal.
  - 2, Shri K. Viswanathan,
- 2. Shri S. C. Duggal, K. Viswanathan, Sr. Tech. will be assigned position in the combined eligibility list of Sr. Tech. Officer Sr. Comm. Officer for higher promotion, according to the date of their regular appointment in the grade subject to the maintenance of their inter-se seniority in the grade of Sr. Tech. Officer/Sr. Comm. Officer, and subject to the condition that in the case of officers appointed in the Civil Aviation Deptt. on the basis of Engineering Services Examination, their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Tech. Officer/Comm. Officer will also be maintained.

A,32013/10/80-EC.—The President is pleased to appoint the following two Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date(s) indicated against each and they are posted to the stations indicated against each:

- Name Present Stn of posting Stn. to which posted taking over charge
- Muniandy ACS Hyderabad ACS Madras 1. Shri N. 28-12-1981.
- 2. Shri S. Sana, ACS Calcutta RD's office Calcutta 24-12-1981.

#### The 5th February 1982

No. A-32013/4/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mullick, S.T.O., A.C.S., Gauhati to the grade of Asstt. Director of Communication for a period of six months we.f., 4-11-1981 (FN), and to post him at on D.G.C.A. (HQ), New Delhi.

> PREM CHAND, Asstt. Director of (Admn.), for Director General of Civil Aviation.

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 6th February 1982

No. A-19012 '937/81-Estt.V .- On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Maheshgauri, Supervisor, who satisfy all the conditions of the "Next Below Rule" while on deputation/foreign service to ex-Cadre post under National Hydroelectric Power Corporated and Management of the Commission of the Conditional Hydroelectric Power Corporated and Management of the Conditional poration Ltd. New Delhi, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in absential in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th June, 1981 until further orders.

2. Shri Meheshgauri will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. for a period of two years from the date he assumed charge of the post in the Central Water Commission i.c. 14-10-1981.

> K. L. BHANDULA, Under Secy. Central Water Commission

### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS New Delhi, the 4th February 1982

No 33/3/79-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Uma Shankar Sharma a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on the pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with of the computation of the comp with effect from 14-11-80 (FN) on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly according to the rules.

2. Shri Uma Shankar Sharma is placed on probation for period of two years with effect from 14-11-80 (F.N.).

MRS. NEENA GARG Dy. Director of Administration

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sree Meenakshi Paper Mills Limited

Pondicherry-605 001, the 6th February 1982

Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the name of the Company 'Shree Meenakshi Paper Mills Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO, Registrar of Companies Pondicherry

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sahyadri Consultants Private Ltd.

Bangalore, the 6th February 1982

No. 3810/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months form the date thereof the name of M/s. Sahyadri Consultants Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 6th February 1982

No. F. 48-Ad(AT)/1982.—Shri A. Ramakrishnan, substantive Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, who is officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, on ad-hoc basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th March, 1981, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on regular basis (against promotion quota) with effect from the forenoon of 27th January, 1982 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, until further orders.

Shri A. Ramakrishnan will be on probation for two years with effect from the 27th January, 1982.

B. B. PALEKAR President

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
SHILLONG

Shillong, the 29th December 1981

Ref. No. A-254/81-82/JRI/859.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Dag No. 3896 of P.P. No. 17 of Block No. I, Jorhat Town, situated at Block No. I, Jorhat Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at Jorhat on 5-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ramkishan Gattani, Babupatty, Jorhat.
  (Transferor)
- (2) Sh. Kuladhar Dutta, Garamur Duliagaon, Jorhat-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring three Kathas and half Lochas covered by Dag No. 3886 of P.P. No. 17 of Block No. I, situated at Rupahiali, Jorhat in the district of Sibsagar, Assam,

E. J. MAWLONG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Dated: 29-12-81

Seal:

### FORM ITNS-

(1) Sh. Sankar Kumar Tagore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Jayanta Kumar Tagore.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1982

Ref. No. TR-40/81-82 SL No. 600 IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27 situated at Park Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-5-81

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two storeyed building measuring 2K 7Ch, at 27 Park Lane, Calcutta.

M. AHMED,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Dated: 14-1-1982

Seal:

(1) M/s, Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Rita Ghosh Dastidar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calculta, the 20th January 1982

Ref. No. 1002/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 260°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the entire flat 'B' on the 3rd floor of the building known as 'Jay Jayanti' situate lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 20-1-1982

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 14th January, 1982

Ref. L.C. 560/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 29-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Valsala Kumari, C/o Shri K. Balakesari, Railway Engineer, Gundakal (A.P.).

(Transferors)

(2) (1) Smt. Anna Joseph (2) M. J. George (3)
Thankamma (4) Valsamma George (5) Antony
Luiz (6) Vimala Antony (7) Antony Luiz (8)
Rani Thomas (9) M. Joseph (10) M. P. Paul
(11) M. J. Antony (12) M. J. Luiz (13) M. J.
Thomas (14) M. J. Francis, Makkada House,
T.D. Road, Ernakulam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10 cents of land with a building as per schedule attached to document No. 2388 dated 29-5-81.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated: 14-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 14th January 1982

Ref. No. L.C. 559/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-

ing Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 11-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following potents, namely:—

(1) Sri Abu,
Pipipadam,
Sreenarayanapuram, P.O. Cranganore,
(Transferors)

(2) Sii P. P. Khader Haji, Ahamed Manzil, 27/1038, Sannidhi Road, Ravipuram, Cochin-16. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21\$ coats of land as per schedule attached to document No. 2085/81 dated 11-5-1981

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated: 14-1-1982

- (1) Smt. T. R. Sita Varma, Vrindavan, 34/400, Cochin-18.
- (2) Shri G. Vidyanathan, Mookambi, Puthen Madhom, N. Paroor,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reshmy's Wax & Chemicals (P) Ltd., Rep. by Mg. Director S. K. Gupta, IV/630, Kalamassery, Cochin-20.

(Transferces)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 14th January 1982

Ref. L.C. 547/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per scheduled situated at Cochin (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Putheneruz on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3.87 acres of land with building as per schedule attached to document No. 1793/81 dated 14-5-81.

T. Z. MANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Frankulam.

Dated : 16-1-1982 'Seal :

#### FORM ITNS ---- ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 16th January, 1982

, Ref. L.C. 548/81-82. -Whereas, I.

T. Z. MANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorre-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Cochin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puthencruz on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift of per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Aci, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24-476GI/81

 Smt. J. R. Siti Vatma, Vrindayan, 34/400, Cochin-18.

(Transferors)

(2) Reshmy's wax and chemicals (P) 1 td., Rep. by S. K. Gupta, Mg. Director, IV/630, Kalamassery, Cochin-22.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1.251 acres of land with building as per schedule attached to document No. 1794/ dated 15-5-1981.

T. Z. MANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Frequentam.

Dated: 16-1-1982

(1) Shri T. R. Sita Varma, Vrindavan, 34/400, Cochin-18.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reshmy's Wax & Chemicals (P) Ltd., Re: by Shri S. K. Gupta, Mg. Director, IV/630, Kalamassery, Cochin-22.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(Transferees)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 16th January, 1982

Ref. L.C. 549/81-82,--Whereas, I.

T. Z. MANI,

being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Cochin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Puthencruz, on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent fo such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.22 acres and land with a building as per schedule attached to document No. 1795 dated 15-5-1981.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

bw- Dated: 16-1-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th January, 1982

Re. L.C. 550/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Cochin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at Puthen Cruz on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. T. R. Sita Varma, Vrindavan, 34/400, Cochin-18.

(Transferors)

(2) Reshmy's Wax and Chemicals (P) Ltd., Rep by Mg. Director S. K. Gupta, IV/630, Kalamassarry, Cochin-22.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

631/2 cents of land with building as per schedule attached to document No. 1796 dated 15-5-1981.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated: 16-1-1982

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th January 1982

Ref. No. III-540/Acq /81-82.--Whereas, I. H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

Khata No. 191 Plot No. 221, Holding No. 150A-2 situated at village Morabadi, P.S. Sadar Dist. Ranchi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ranchi on 7-5-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shri Anil Kumar Modi S/o Sri Ram Nath Modi At Upper Bazar P.S. Kotwali, Ranchi.

(Transferor)

(2) (1) Sri Ajoy Kumar Singh (2) Sri Bijoy Kumar Singh

(3) Sri Sanjay Singh S/o Sri Mathura Prasad Singh At Himoo Ranchi. At Present Morabadi, Harihar Singh Road Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 45 decimals with building situated at Mohalla Morabadi P.S. Sadar Ranchi Town Ranchi more fully described in deed No. 5395 dated 7-5-81 registered with D.S.R. Ranchi.

> H. NARAIN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Blhar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th January 1982

Ref. No. III-542/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAJN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 478 Khata No. 171 Khesra No. 1674 G, 1673, 1673, 1674 G, 1673, 1673, Ward No. 2 situated at Sikander pur P.S./P.O. Muzaffarpur,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 27-5-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tachnating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Janak Lali Devi W/o Sri Babu Chakerdhar Prasad Sahi Village and P.O. Sahila Rampur Tola Baluahan, P.O. Baluahan Dist. Muzaffarpur.
- (2) Shri Babu Mohan Prasad Sahi S/o Babu Surender Prasad Sahi Village and P.O. Rupouli P.S. Saraiya Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 Kathas 19 dhurs situated at Mohalla Sikanderpur P.S. and P.O. Muzaffarpur Dist. Muzaffarpur more fully described in deed No. 7934 dated 27-5-81 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th January 1982

Ref. No. III-541/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 171, Kheshra No. 1674 (G) 1674 (k) 1674 (G) 1674 (kh) 1674 (G) 1674 (G) 1673 and 1673 situated at Sikandarpur P.S. and P.O. Muzaffarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muraffarpur on 26-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Janak Rali Devi W/o Late Babu Chaker-dhar Prasad Sahi Guardin of Ganendra Kumar Sahi of Village Sahilla Rampur Tola Baluahan P.O. Baluahan Dist. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Babu Shashi Bhushan Prasad Sahi S/o Surendra Narain Singh Sahi of Village Rupouli P. S. Saraiya Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Khathas 16½ dhurs situated at Sikandarpur P.S. and P.O. Muzaffarpur Dist. Muzaffarpur morefully described in deed No. 7885 dated 26-5-1981 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1128.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 12-5-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishwanath S/o Guru Das Mal Ji Buxi R/o Bhat Ji Ki Bari, Udaipur.

(Transferor)

 Shrimati Vimla Devi W/o Subhash Chand Ji Gupta, R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Sardarpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1050 dated 12-5-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-----

 Shrimati Kesai Devi W o Shri Mangi Lal Ji Bhat, R. o Udainut.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nand Lal S/o Shri Shobha Lal Ji Joshi, R/o Udaipur.

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 16th January 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. JAC/Acq/1129.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

No. Land situated at Udaipur

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac.t shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 30-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason'to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Sardarpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his Registration No. 1233 dated 30-5-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under vesection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 16-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1130.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Plot No. 16 situated at Udaipur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exercids the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—476GI/81

 Shrimati Prem Devi W/o Shri Mohan Singh Ji Dagliya,
 R/o 190, Bhoopalpura, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Fakruddin S/o Kurban Hussain Heetawala, R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16 situated at Sarup Sagar, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1042 dated 13-5-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1133.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 38 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rajmata Smt. Birad Kunwar W/o Maharana Bhoopal Singh Ji, Udaipur.

  (Transferor)
- (2) Shri Manohar Singh S/o Shri Pratap Singh Mehta, R/o Udaipur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 38, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale decd registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1083 dated 15-5-1981,

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

 Shri Ramesh Chand S/o Beni Ram Joshi, R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram S/o Balu Ji Suthar, R/o Vill. Oden Teh. Nathdwara (Udaipur).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq./1134.-Whereas, I M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 21-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Srva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1130 dated 21-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ramesh Chandra S/o Beni Ram Ji Joshi R/o Tekari (Udaipur).

(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal S/o Doulat Ram Suthar, R/o Oden Teh. Nathdwara.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq./1135.—Whereas, I.M. L. CHAUHAN, Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

One plot Outside Hall Gate situated at Amritsar

No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 20-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Srva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1129 dated 20-5-81,

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1131.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 1-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- . (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Goverdhan Singh S/o Mohan Singh Ji Ashiya, R/o Bheriyo Ki Kadiya Teh. Nathdwara, Distt. Udaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Bardi Bai W/o Mangilal Ji Jain, R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land at Fatchpura, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 943 dated 1-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-82

Scal:

## FORM ITNS ---

(1) Rajmata Smt. Birad Kunwar Ji W/o Late Maharana Bhoopalsingh Ji, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Tej Singh S/o Pratap Singh Ji Mehta, R/o Udaipur.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq/1132.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 37 A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 37A, situated at Srva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1084 dated 18-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-82

(1) Shri Govind Ram S/o Nanag Ram R/o Amer Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. D. Anand & Co. C/o Deoki Narain Bhatia S/o Dr. Shyam Das Bhatia, R/o Adrash Nagar, Jaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq./1121.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. — situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land at Amer Road, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 1120 dated 4-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq./1123.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing A

No. Plot No. D-3/ $\Lambda$  situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satyaprakash Tejpal S/o Pandit Nathulal Tejpal R/o Bani Park, Jaipur,
  - (Transferor)
- (2) Shrimati Sudha. Devi & Santosh Devi R/o Bani Park, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-3/A/New situated at Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 1135 dated 4-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-1-82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq./1122.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. H-20 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-476GI/81

(1) Shri Mahavir Prashad Jajoo S/o Shri Kishan Lal Jajoo, D-233, Bihari Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shir Navneet Kumar, Pramod Kumar Luhadiya sons of Chiranjilal Luhadiya, E-15, Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ver period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. H-20, Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 1548 dated 23-6-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-1-82

Scal

## FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1127.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A/4B situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 11-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vidhyasagar Mittal S/o Shri Rameshchandra Mittal C/o Kishanlal Rameshchandra R/o Bhusawar, Distt. Bharatpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prashad Garg S/o Devi Sahai Ji Gorg, R/o Vill. Mubarikpur Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A-4-B, Govind Marg, opposite Mental Hospital, Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 1375 dated 11-6-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition`Range, Jaipur

Date: 13-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1136.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 27-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Nand S/o Shri Ram Das, R/o Anand Bhawan, Shivpuri, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shrimati Chanda W/o Shri Gyan Dev & Shri C. S. Maheshwari R/o Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Lohagal Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S.R., Ajmer vide his registration No. 1174 dated 27-5-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-1-1982

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Madan Mohan Vyas, Mill Road, Beawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Madan Gopal Fatehpuriya G.P.A. holder of Shri Vikram through his father Shri Kishan Agarwal, Lohagal Road, Almer. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1137.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Aimer

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 1-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land situated at Lohagal Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide his registration No. 1059 dated 1-5-1981.

M. I. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

following Date: 19-1-82

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### FORM LT.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Madhu Singh S/o Manohar Singh, R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Roop Kumar Khurana, 133, Shakti Nagar, Udaipur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq/1118.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/and bearing

No. Hotel Building situated Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 6-7-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hotel building situated at Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1461 dated 6-7-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-1-82

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 16th January 1982

No. 397/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 2698 of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Survey No. 233 & 235 situated at Kundur village, Taluk

Chikmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Under Document Number 141 on 27-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. S. Narayanagouda S/o Sri K. C. Subbegouda, Kundur village, Banka Bobli, Tq. Mudigere.

(Transferor)

(2) Sri S. D. Nagaraj S/o S. M. Doddegouda Saragodu Kandya Hobli Taluk Chikmagalur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 141

Dated 27-5-1981]

8 Acres 6 Gunta wet land bearing Survey No. 233 and 1 acre coffee plantation bearing Survey No. 235 situated at Kundoor Village, Faluk, Chikmagalur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-1-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 262D(t) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE. LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/35/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4 share in Plot No. 331, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Col. Satya Dev Khanna S/o Sh. Channu Ram Khanna R/o 3, The Mall Road, Delhi Cantt. through his General Attorney S. Gurjit Singh Kang S/o S. Gurmukh Singh Kang, P 'o N&PO Khannino Kalan, Teh. Samuala, Distt. Ludbiana.

(Fransferor)

(2) Shri Nand Singh Brar S/o Jai Singh Brar, R/o V. & PO. Abdul Kharna, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 share in Plot No. 331, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 238 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

I udhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/34/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

share in Plot No. 331, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Col. Satya Dev Khanna S/o Sh. Channu Ram Khanna through his General Attorney S. Gurjit Singh Kang S/o S. Gurmukh Singh Kang, E/o V&PO Khamano Kalan, Teh. Sauntala, Eistt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gurdarshan Singh Brar S/o S. Nand Singh Brar, R/o V. Abdul Kharna, P.O. Abdul Kharna, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 share in Plot No. 331, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 237 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>((1)</sub> OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/59/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 3146, Sector 21-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-476GI/81

(1) Mrs. Ved Wati Sofat w/o Sh. Bansi Lal r/o 339, Sec. 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Dev Dutt Salwan, Raj Kumar Salwani Mrs. Janak Salwan and Mrs. Sunita r/o 1650, Sector 7C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3146, situated in Sector 21-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 352 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/45/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing No.

II. No. 547. Sector 16-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sh. Parmershwar Dutt s'o Shri Charanji Lal r'o H. No. 547, Sector 16-D, Chandigath.

(Transferor)

(2) Mrs. Pratibha Munshi and Mrs. Usha Kiran c/o Dr. Satish Garg r/o 1262, Sector 18-C, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 547, situated in Sector 16-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 266 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/41/81-82.—Whereas I SULTIDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 3961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1396, Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Brig C. R. Narang s/o Dr. T. D. Narang, Commandent A.M.C. Centre & School, Lucknow.

(Transferor)

(2) Kanwai Natinder Singh & Mrs. Charan Natinder Singh 1/o 1808. Sec. 33-D, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in virting to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1396, situated in Sector 34-C. Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 246 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

### FORM 1.T.N.S.-

 S/Shri Hardev Singh, Harinder Singh Ss/o Shri Harcharan Singh R/o Tripari, Patlala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Agya Kaur Wd/o S. Harnam Singh, R/o Bibrian Street, Patiala (Patiala).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

### CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th January 1982

Ref. No. PTA/27/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 1445 sq. yds. situated at Tripari, Sirhind Road. (Patiala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1445 sq. yds. at Tripari, Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1672 of May. 1981 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFIGE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. PTA/22/81-82,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 6 biswas (300 sq. yds.) situated at Lehal Dukh Niwaran Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Harpal Singh, Advocate S/o S. Gobinder Singh, Attorney Holder of Sh. Paramjit Singh S/o Sh. Rajwant Singh, R/o Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Narain Singh S/o Shri Gurdas Mal &
Sh. Avtar Singh S/o Shri Narain Singh,
R/o 15, Mansayan Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 6 biswas (300 sq. yds.) at Lehal, Dukh Niwaran Road, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1449 of May, 1981 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 23-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhians, the 23rd January 1982

Ref. No. PTA/23/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, Land measuring 6 biswas (300 sq. yds.) situated at Lehal Dukh Niwaran Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Darshan Singh S/o S. Balwant Singh R/o 7A/1, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh 570 blui Guidos Mal & Shri Avtar Singh 870 Shri Narain Singh, 15, Mansayan Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Land measuring 6 biswas (300 sq. y.ls.) at I chal, Dukh Niwaran Road, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1450 of May, 1981 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. PTA/24/81-82. -Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 6 biswas (300 sq. yds.) situated at Lehal, Dukh Niwa an Road, Patiala

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May 1981

for an apparent consideration which is less than the Lie market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jatınder Singh S/o S. Narain Singh R/o Buta Singh Wala, Sanaur, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh S/o Sh. Gurdas Mal & Shri Avtər Singh S/o Sh. Narain Singh, R/o 15 Mansavan Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 6 biswas (300 sq. yds.) at Lehal, Dukh Niwaran Road, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1451 of May, 1981 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-1-1982

## FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. PTA, 25/81-82,—Whereas I, SUKHDEV CHAND. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I and measuring 6 biswas (300 sq. yds.) situated at Lehal. Dukh Niwaran Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Narain Singh S/o Shri Buta Singh R/o Buta Singh Wala, Sanaur, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh S/o Shri Gurdas Mal & Shri Avtar Singh S/o Shri Narain Singh, R/o 15, Mansayan Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 6 biswas (300 sq. yds.) at Lehal, Dukh Niwaran Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1452 of May; 1981 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23 January 1982. Seal 4

FORM INTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/47/81-82,—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 2184, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—476GI/81

 Mis, Angrez Kam wd o Late Maj. Puran Singh r/o Vill. Daburjee P.O. Lakhana Disti. Kapurthala.

Cleansferor

(2) Sh. Mehar Chand Mittal s/o Sh. Thakur Mal & Smt. Sudesh Mittal w/o Sh. Mehar Chand Mittal r/o 158, Sector 20-A. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the daté of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2184, situated in Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 276 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhana

Date: 23 January 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/39/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market -value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Plot No. 157, Sndl. Area, situated at Chandigarh

Industrial Plot No. 157, Sndl. Area, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Baloria Foods & Farm Pvt. Ltd. through Managing Director Shri Jagjit Singh Baloria s/o Sh. Shiv Charan, 1/o H. No. 226, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Rani w/o Sh Sham Lal (ii.) Mrs. Bimlesh Rani w/o Sh. Naresh Kumar, r/o H. No. 12, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferce)

"(3) M/s P. L. Oil Mills.

r/o Indl. P. No. 156-157, Indl. Area Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Bldg. No. 157, situated in Indl. Area, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 244A, of May, 1981 of the Registering Authority. Chandigarh).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiane

Date: 23 January 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CIID: 46/81-82.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Indl. Plot No. 156, Indl. Area, situated at Chandigarb

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Belaria Foods & farms Pvt. Ltd. through M.D. Sh. Jagnt Singh Bolaria r/o 226, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamlesh Rani w/o Sh. Sham Lal (ii) Smt. Bimlesh Rani w/o Sh. Naresh Kumar r/o H. No. 12, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferce).

\*(3) M/s P. L. Oil Mills, r/o Indl. P. No. 156-157, Indl. Area, Chandigarb.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Plot No. 156. Indl. Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 273 of May, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23 January 1982.

Scal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ret No. LDH/82/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No Bl 444/2, Kundan Puri, Civil Lines, situated at

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ludhiana in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I'hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. Daya Wanti mother of Sh. Bal Krishan & Sh. Kewal Krishan S/o Sh. Pindi Dayal R/o B.I. 444/2, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi Wd/o Sh. Nand Lal & S/Shri\_Mangat Rai, Jiwan Kumar & Sham Kumar Ss/o Shri Nand Lal, R/o H. No. B.I. 444/2, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B.I. 444/2, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1130 of May, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23 January 1982.

## FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. LDH/102/81-82.---Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 86B (Measuring 300 sq. yds) situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh S/o S. Hazura Singh R/o V. Siar through Shri Sat Dev Kaura, (General Power of Attorney) S/o Shri Joti Ram R/o 12A, Udham Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Lal & Manohar Lal Ss/o Shri Barkat Ram R/o 469, Nawan Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein aware defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 86B (Measuring 300 sq. yds.) at Kitchlew Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1478 of May, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Detc : 23 January 1982. Seaf:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Ajit Singh S/o S. Charan Singh R/o Bhairo Munna, Tch. Ludhiana through his General Power of Attorney Shri Sat Dev Kaura S/o Sh. Joti Ram. 12A, Udham Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Om Parkash S'o Sh. Barkat Ram R/o B. VIII 469, Nawan Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. LDH/103/81-82.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plt No. 79B (Measuring 300 sq. yds.) situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), thas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 79, Measuring 300 sq. yds. at Kitchlew Nagar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1479 of May, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana)

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23 January 1982.

Scal :

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. I DH/90/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 1 Kanal 7 Marlas situated at Gurdev Nagar, Undhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Lal Chopra S/o Sh. Sardar Chand R. o Basant Villa, I dh. through Sh. Prem Parkash.

Transferor)

(2) Shii Jagdish Mitter Kalia S/o Sh. Gian Chand R/o 10, Parvati House, Punjab Agricultural University. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

l and measuring l Kanal 7 Marlas at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1199 of May, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23 January 1982.

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA**

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/61/81-82.--Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Plot No. 333, Sector 37-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 81/May, 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Mohinder Pal Trehan s/o Sh. Dewan Chand r/o 17, 2, Udbam Singh Nagar, Jullundur City (Pb).
- (2) (i) Sh. Harbhajan Singh 5/0 Sh. Sunder Singh, (ii) Sh. Jaswinderjeet Singh s/o Sh. Harbhajan Singh 1/0 H. No. 416, Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sam' meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 333, situated in Sector 37-A, Chandigarh. (The property as mentioned in registered deed No. 367 of May June, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiane.

Date: 23 January 1982.

Sont •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

## CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. 1 DH/109/81-82.—Whereas 1 SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition in enge. Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. B.V. 1279, situated at Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in May, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:29 -476GI/81

(1) Shri Bal Kishan Khullar S/o Sh. Atma Ram, Brahmpuri, Ludhiana.

Transferor )

(2) S/Shri Naranjan Lal, Ramesh Chand, Manohar Lal, Avnash Chander Gupta, Advocate, Yashpal Gupta, Advocate Surinder Kumar & Suresh Kumar Ss/o Sh. Krishan Gopal R/o B.IX. 721, Gulchaman Gali, Ludhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B.V. 1279, Madhopuri Kucha, No. 2, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1897 of May, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 23 January 1982.

Seal

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd January 1982

Ref. No. CHD/38/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share in SCF No. 9, situated at Sector 27C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Ram Saran Dass & Smt. Promila Bhatneja C/o 212, Sector 18A, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur w/o Sh., Joga Singh Sandhu V. Rurka Kalan, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur. c/o & through Sh. Sham Lal Aggarwal r/o H. No. 3454, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s New India Assurance Co. Ltd. Sh. Subash Chander, Sh. Davinder Kumar

Sh. Shiv Pal Sh. Mohinder Singh

all r/o SCF No. 9, Sector 27-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## . THE SCHEDULE

hare in SCF No. 9, Sector 27C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 243 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh)

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiann

Date: 23 January 1982.

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd February 1982

Ref. No. CHD/44/81-82.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 322, Sector 35-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Bakshi Avtar Singh r/o 99, New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

2635

(2) Smt. Malwinder Saran Kaur d/o Sh. Balsaran Singh Toor r/o 322, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that **Chapter.** 

## THE SCHEDULE

Plot No. 322, situated in Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 261 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 2-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd February 1982

Ref. No CHD 33/81-82,—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SCF No. 18, Sector 26, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Basant Singh S/o Shri Boota Singh, R/o VPO. Jandiala Via Tuto Majra Teh, Garh Shankar Distt. Hoshiarpur.
- (2) (1) Shri Udhan Singh S/o Shri Balwant Singh

(2) Shri Sukhjit Singh

(3) Shi Gurjit Singh Ss o Shri Udham Singh all R/o H. No. 613, Sector 16-D, Chandigarh, (Transferce)

(3) M/s. Sethi & Co. R/o SCF No. 18, Sector 26, Chandigarh.

(Person in occupatian of the property).

(Ferson in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 18, Sector 26, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 225 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Liebina

Date : 2-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1982

Ref. No. CHD/31/81-82.- Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 110, Sector 36-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Brig. Ram Sarup Chaudhri S/o Late Ch. Khushi Ram R/o 96, Lodhi Estate, New Delhi through his General Attorney Shri Des Raj S/o Sh. Ganda Ram R/o H. No. 706, Sector 8B, Chandigarh.

\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chand Sharma S/o Shri Mela Ram Sharma, R/o 203, Sector 21-A, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 share Plot No. 110, situated in Sector 36-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 223 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1982 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1982

Ref. No. CHD '32 84 82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Importing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R 1000, Ludhiana being the Commission Authority under Section 2698 of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 110, Sector 36-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the indian income tax (at, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Brig. Ram Sarup Chaudhri S/o Late Ch. Khushi Ram R/o 96, Lodhi Estate, New Delhi through his General Attorney Shri Des Raj S/o Sh. Ganda Ram R/o H. No. 706. Sector 8B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dharampal Sharma S/o Shri Kapoor Chand Sharma, R/o 203, Sector 21-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share Plot No. 110, situated in Sector 36-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 224 of May, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Ludbiana

Date : 2-2-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 95/P.R./81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kewti Devi W/o L, Shri P, S. Jain, R/o 213, Westand Road, Meerut Cantt, (Transferor)
- (2) Shri Gopol Chand S/o Shri Rati Ram, R o 213, Westand Road, Meerut Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at 213, Westund Road, Mecrut Cantt.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 204/P.R /81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Garhmukteshwar on 6-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gursaran Palace Delhi through partners S. Narendra Singh, Amar Pal Singh Ss/o S. Uttam Singh Kawali Resident C-12, Gurugovind Singh Marg, New Delhi Present Address: Baral, Distt. Sambhalpur, (Orissa) and Kasba Garh Mukteshwar, Distt. Ghaziabad and Shri Uttam Singh S/o Late Dhan Singh R/o Baral Sambalpur (Orissa).

(Transferor)

(2) Shri Jugendra Lal S/o Shri Gurbaksh Singh and Pradeep Kumar S/o Shri Bhagwan Das, R/o, Railway Road, Hapur, Distt., Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I.XPI.ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Cinema Building measuring 2763 Sq. Yds, situated at Railway Road, Hapur.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

Sea

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 200/P.R./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 13-5-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds hte apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--30—476GI/81

(1) M/s. Jagdish Cold Storage and General Mills, Rakhera, Pargana Sarawa, Teh. & Distt. Mecrut through Shri Naresh Kumar & Suresh Kumar S/s Smt. Prem Lata W/o Shri Jagdish Prasadji Caste Vaish Agarwal, R/o Railway Road. Hapur Tehsil Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s. B.P.R. Cold Storage & Ice Factory, Sri Khera, Par. Sarawa, Teh. & Distt. Meerut. H.O. 26, Bagpat Road, Prayag Market, City Meerut Through Shri Narendra Pratap S/o Lala Prayag Das, City Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere e defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property One Cold Storage Building in which Cold Storage, Room with Racks of wooden, other one room of Cold storage with Racks of wooden etc. situated at Sarawa. Teh. & Distt. Meerut.

> BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th January 1982

Ref. No. 65/P.R./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 12-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri R. D. Bansal S/o Shri Shvam Sunder Bansal, R/o, 45, Leni Saren, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Kanhaiya Kunj Cooperative Housing Society Ltd. Agra through Shri D. S. Kulshestra, President, 37/210, Saran Nagar, Dayalbagh Road, Nagla Pari, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable Property Nos. 939, 940, 941, 942, 943, 944, 946, 952, 953, 954 measures 10943.4 Sq. Yds. situated at Agra.

> BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE -

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 64/P.R./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-5-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Das Banshal S/o Shri Shyam Sunder Bansal (H.U.F.) R/o 45, Lanisaren, Calcutta. (Transferor)
- (2) Kanhaiya Kunj Cooperative Housing Society Ltd., Agra Through its-President Shri B.S. Kulsheshtra, 72/210, Saran Nagar, Dayalbagh Road, Nagla Pari, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Nos. 947, 949, 964, 958, 962, 959, 968, 967, 965, 963, 948, 954, 946, 953, 952, 955, & 945 measuring 2423.4 Sq. Yds. situated at Agra.

BIBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 269/P.R./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mussorrie on 28-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parxies has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rakesh Chandra Mehra (H.U.F.) Karta Shri Rakesh Chandra Mehra S/o 1. Shri Harbans Lal Mehra, R/o, A-292, Defence Colony, New Delhi (Transferoy)
- (2) Shri Vinay Mehra, Chandra Mehra (Minors), Pavan Mehra (Minor), U/G Smt. Lata Mehra, Ajai Mehra (Minor), Bharat Mehra, (Minor), U/G Smt. Madhu Rani Mehra, Navin Mehra, Deepak Mehra (Minors) U/G Smt. Mala Rani Mehra, Amit Mehra (Minor) U/G Anita, R/o, S-555, Greater Kailash-2, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Connaught Castel Cottage, Mussorrie measuring 0.20 acres.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

## PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1982

Ref. No. 268/81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Connaught Castle Hotel Mussorrie on 28-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) Shri Rakesh Chandra Mehra R/o A-292, Defence Colony, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Shri Vinay Mehra, Chandra Mehra (Minor), Pavan Mehra (Minor) U/G Smt. Lata Mehra, Ajay Mehra, Bharat Mehra (Minors) U/G Madhu Rani Mehra, Navin Mehra, Deepak Mehra U/g Smt. Mala Rani Mehra, Amit Mehra (Minor) U/G Anita Mehra, R/o S-555 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Immovable property, Connaught Castle Hotel, Mussorrie, Distt. Dehradun measuring 2.27 acres.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. 55/May/1981.—Whereas, IR. RAVICHANDRAN,

of transfer with the object of:-

being the Competent Authority under sectoin 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 306/2-D and situated at S. No. 306/1-D, Nanjundapuram village, Namakkal Taluk, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Salem Dt.) on 20-4-1981,

(Document No. 809/81). for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons; namely :--

(1) Sri T. V. Subbu Seshan, Minor Meenakshisundari (Guardian: Smt. Soundaranayagi Ammal Thuthi-kulam, Namakkal Taluk (Salem Dt.).

(Transferor)

(2) J. Sri R Kalinaran,

2. Sri R. Perumal.

Sri R. Sengodan, and
 Sri R. Shanmugam.

Village, Namakkal Tk. (Salem Nanjundapuram Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. wnichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 306/2-D and 306/1-D, Nanjundapuram village, Namakkal Tk (Salem Dt.)—Document No. 809/ 81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-J.

KANNAMMAI BUILDING HND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. 128/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 196/1 to 196/3 and situated at S. Nos. 197/1 to 197/3, Ariyakoundanpatti village, Salem Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Namagiripettai (Salem Dt.) on 10-3-1981 (Document No. 563/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Smt. Perumayammal, W/o Shri Periyakoundar,
  (2) Shri P. Kandappan S/o Shri Periya Koundar,
  (3) Shri K. Parthiban S/o Shri Kandappan,
  (4) Smt. Kamalam W/o Shri Sathiappan,
  (5) Smt. Leelayathi W/o Shri Natesan.
  A rivakoundannatti villagar. Parinyaman Tk Ariyakoundampatti village; Rasipuram Tk. (Salem Dt.).

(Transferor)

(2) Shri C. Mani S/o Shri Chellappa Koundar, Ariyakoundampatti village, Rasipuram Tk. (Salem Dt.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned\_\_\_

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 196/1 to 196/3 and 197/1 to 197/3, Ariyakoundampatti village, Rasipuram Tk. (Salem Dt.). Document No. 563/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-1-1982

## FORM I.T.N.S,--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. F. No. 4/May/81.—Whereas, I, R. RA'VICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 1/4, Jawahar Nagar, situated at Palanichettipatti, Veerapandi village, Periakulam Tk. Madurai Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periakulam on 14-5-1981 (Document No. 522/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) A. Sivakumar (3) Shri A. Veerabadran, All sons of late Shri
  - (4) Smt. A. Dhamayandhi—Widow of Sri S. K. Arunachala Nadar No. 103, Edamol Street, THENI (Madurai Dt.).
  - (5) Smt. A. Anusuya W/o Sri A. Sivaprakasam, No. 44, Jagannatha Mudali St., THENI and
  - (6) M/s. Aruna Movie House—A firm by partners S/Shri A. Sivakumar, A. Karthikeyan and A. Sivaprakasam.

(Transferor)

(2) Sri RM. Subramanian S/o Shri MR. RM. SP. RM. Ramanathan Chettiar, Natarajapuram; Karaikudi Taluk Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building-(Cinema Theatre known as 'Aruna Movie House' in S. No. 1/4, Jawahar Nagar, Pallanichettipattl, Veerapandi village, Periakulam Tk. Madurai Dt.—Document No. 522/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 16-1-1982 Seal :

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. 203/May, 81. Whereas, I, R. RAVICHANDRÂN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000.'- and bearing

No. New Door Nos. 66 to 69 and 71 situated at (Old Door Nos. 96-A, 97, 98) Lakshmipuram, Courtralam, Tenkasi Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tenkasi on 30-5-1981 (Document No. 1118/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-31-476GI/81

- (1) Smt. G. Sarojini Devi W/o Shri J. M. Gurunamasivayam Karubakaram Bungalow, Kriba Nagar, Naganakulam, Madurai North Taluk (Madurai Dt.). (Transferor)
- (2) Shri T. R. Sarangapani S/o Shri Thoppe Rajago-No. 2. Muniyandi Koil Lane, Manjanakara Street, Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land at Door Nos. 66 to 69 and 71 (Old Nos. 96-A, 97, and 98) Lakshmipuram Street, Courtralam, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—Document No. 1118/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 16-1-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. 204/May/81.--Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New Door Nos. 66 to 69 and 71, situated at (Old Door Nos. 96-A, 97 and 98), Lukshmipuram St., Courtralam, Tenkasi Tk. Airunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi on 30-5-1981

(Document No. 1119/81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. G. Sarojini Devi W/o Shri J. M. Gurunamasiyayam, 'Krubakaram Bangalow', Kriba Nagar, Naganakulam, Madurai North Tk. (Madurai Dt.). (Transferor)
- (2) Shri T. S. Kuppu Babu S/o Shri T. R. Sarangapani, No. 2, Muniyandi Koll Lane, Manjanakara Street, Madurai.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land at Door Nos. 66 to 69 and 71 (Old Nos. 96-A, 97 and 98, Lakshmipuram Street, Courtralam, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.—Document No. 1119/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Lospecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madres-6

Date : 16-1-1982 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1982

Ref. No. 205/May/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door Nos. 64, 65 and 70 situated at Lakshmipuram, Courtralam, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tenkasi on 30-5-1981

(Document No. 1120/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. G. Sarojini Devi W/o Shri J. M. Gurunamasivayam, Krubakaram Bangalow', Kriba Nagar, Naganakulam, Madurai North Tk. (Madurai Dt.). (Transferor)
- (2) Smt. T. S. Susila W/o Shri T. R. Sarangapani, No. 2, Muniyandi Koil Lane, Manjanakara Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Door Nos. 64, 65 and 70, Lakshmipuram, Street, Courtralam, Tenkasi Tk Madurai Dt.—Document No. 1120/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-1-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-6, the 21st January 1982

Ref. No. F. 16382.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS 15 and situated at 14/2, Door No. 808 to 812 Mount Road, Madras (Doc. Nos. 1263 to 1325/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (11 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) G. D. Narendra 12, IV Cross St., Indira Nagar, Madras-20. (Transferor)
- (2) R. Srinivasan 8/2/575 Road, 7, Banjara Hills, Hyderabad-500 034. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at RS 15 and 14/2, Door No. 808 to 812, Mount Road, Madras-2.

(Doc. Nos. 1263 to 1325/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 21-1-1982

(1) Shti Kabul Singh W/o Watan Singh R/o 3213 Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferon-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) 1. Smt. Som Vijan Wd/o Shri Guidas Ram Vijan, R/o 287 Basti Shaikh, Jullundur City. 2. Smt. Sushma Vijan W/o Shri R. C. Vijan,

R/o 431 Sector C, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,

#### ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1982

Ref. No. KLK/2/81-82, -Whereas I, G, S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000\$- and bearing

Plot No. 379 Sector 7, Urban Estate, situated at Panchkulla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kalka in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 379 Sector 7, Urban Estate, Panchkulla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 298 dated 22 5-1981 with the Sub Registrar,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-1-1982

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th January 1982

Ref. No. KNL/J6/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-mad bearing No.

Plot measuring 1511 sq. yds. situated at Railway Road, Karnal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Dharam Pal Gupta, Parshotam Dass Gupta, sons of Shri Likka Ram Gupta, and Raj Kumar Bansal S'o Shri Madan Lol Bansal Shri Shom Nath Gupta S'o Dina Nath Gupta, R/o Liberty Foot Wear House, Railway Road, Karnal.
  (Transferor)
- (2) Shri Sanjiv Bansul Charitable Trust, Karnal through Shri Banu Ram Gupta, Advocate, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Internation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1511 sq. yds, situated at Railway Road, Karnal and as more mentioned in the Saledeed registered at No. 1458 dated 27-5-1981 with the Sub-Registrar, Karnal,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY.
ROHTAK

Robtak, the 11th January 1982

Ref. No. DLI/129/81-82—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (beleinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 120 kanals 10 marla with building situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Shri Shiv Dhawan S/o Shri Jagdish Dhawan, R/o CI/34, Safdarjang Enclave. New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Gagan Pal Singh S/o Sarwan Singh,
  - 2. Shri Sarwan Singh S/o Shamsher Singh,
  - 3. Smt. Joginder Kaur W/o Sarwan Singh,
  - 4. Shri Gurdial Singh, S/o Shri Arjan Singh,
  - 5. Shri Gian Singh S/o Ajit Singh,
  - Shri Gian Singh S/o Des Raj, All R/o CI/34, Safdarjang Enclave, New Delhi both Rs/o Vill. Kharwan Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 120 kanals 10 merla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 495 dated 15-5-1981 with the Sub Registrar, Delhi

G. S. GOPALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Robtak

Date: 11-1-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY, ROHTAK

Robtak, the 11th January 1982

Ref. No. BGR/168/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. III-D 42 situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Birender Singh S/O Col. Ram Singh, Varaj Traders Raidarpur (U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Chetan Dass S/O Shri Chaman Lal, R/O 4D/35 Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. III-D/42 situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2207 dated 26-5-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

#### D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th January 1982

Ref. No. KNL/18/81-82.—Whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 566-R, Model Town, situated at Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—476GI/81

(1) Shri Kundan Lal Gaba S/o Shri Bhagwal, R/o Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Prem Sagar S/o Shri Ram Dass, House No. 566-R, Model Town, Karnal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the baid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 566-R, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1600 dated 29-5-1981 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-1-1982

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1982

Ref. No. PNP/27/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. House No. 46-L, Model Town, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sushila Kumar S/O Shri Anant Ram, R/O H. No. 46-L, Model Town, Panipat. (Transferor)
- (2) Shri Basti Ram S/O Shri Baro Ram R/O 46-L, Panipat, (Model Town). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 46-L, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1166 dated 20-5-1981 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, . ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1982

Ref. No. AmB/2/81-82.—Whereas, 1, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 2778 S.B. situated at Ambala Cantt. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in May, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Sachdeva Wd/o Shri Vijay Kumar, S/Shri Vinod Kumar, Nafin Kumar, S/o Shri Bhagat Ram, S/o Shri Kansi Ram, R/o H. No. 2778 Durga Charan Road, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh Thakur S/o Shri Kripal Singh Thakur, R/o Property No. 2778 S.B. Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being No. 2778, S.B. Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1275 dated 9-6-1981 with the sub Registrar Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th January 1982

Ref. No. DLI/116/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 2653 sq. yd. situated at Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in 7-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Surjit Kaur
 W/o Shri Avtar Singh,
 R/o 16/3, Mayapuri, Phase No. 2,
 New Delhi.

(Transferor)

 1. Smt. Sneh Garg W/o Shri Rajinder Parshad Garg,
 2. Shri Rajesh Garg S/o Shri Sham Lal Garg, R/o H. No. 54, Lacknow Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2653 sq. yds. with boundary wall situated at 16/5 Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 931 dated 7-9-81 with the Sub Registrar, Delbi.

G. S. GOPALA Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 11-1-1982

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Robtak, the 11th January 1982

Ref. No. DLI/117/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2653 sq. yds, situated at Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi in September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said. Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Harjit Kaur
 W/o Shri Amerjit Singh,
 R/o B-8, Extension-3,
 Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Associated Engineering Industries, 45 days from the date of publication of this notice (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2653 sq. yds. situated at Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 934 dated 10-9-1981 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date: 11-1-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACUQISITION RANGE, D.I.,F.COLONY ROHTAK

Rohtak, the 18th January 1982

Ref. No. BDR/2/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Factory building with land measuring 1033 sq. yds. situated at Vill. Hasanpur Teh. Bahadurgarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bahadurgarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Smt. Brij Lata Kapoor W/o Shri Bhushan Kumar Kapoor R/o Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Sharma W/o Shri Shiv Kumar Sharma, R/o Modern Industrial Estate, Bahadurgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being factory building with land measuring 1033 sq. yds. at Village Hasanpur Teh. Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 541 dated 30-5-1981 with the Sub Registrar Bahadurgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-1-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUQISITION RANGE, D.L.F.COLONY ROHTAK

Rohtak, the 18th January 1982

Ref. No. GRG/21/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 48 kanal 5 marla situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhup Singh Alias Rishal & Shri Hari Singh Ss/o Shri Prem R.o Vill. P.O. Chakarpur

(Transferor)

(2) Shri Amer Nath Goenka S/o Shri Kedar Nath Goenka, R/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi-110057.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 acres 5 marla (48 Kanals 5 marla situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 607 dated 8-5-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-1-1982.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY,

#### ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1982

Ref. No. ASD 2/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 440 K 7 M situated at Vill. Salwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asand in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Daulat Singh, Jagat Singh, & Nazir Singh Ss/o Smt. Runili R/o Vill. & P.O. Salwan,

(Transferor)

(2) S/Shri Kulwani Singh Labh Singh Ss/o Shri Anoop Singh, S/Shri Sukhdev Singh, Satnam Singh Ss/o Shri Mohinder Singh R/o Basti Bhatian, Ferojpur (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 440 k. 7 Marla situated at Vill. Salwan and as more mentioned in the sale deed registered at No. 496 dated 19-5-81 with the Sub Registrar, Asand.

G. S. GOPAI.A

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 20-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, D.L.F., COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1982

Ref. No. SRS/1/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 120 Nai Mandi, situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Peristration Act 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesable exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, fnerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33 -476GI/81

(1) Shri Jaisa Ram S/o Shri Nathu Ram S/o Shri Paida Ram alias Shri Bhag Chand S/o Shri Ladha Ram, R/o Sikanderpur Teh, Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Sumer Chand S/o Shri Bagu Mal S/o Shri Shanker Mal, R/o Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 120 New Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 748 dated 9-5-1981 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 20-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,

#### ROHTAK

Rohtak, the 19th January 1982

Ref. No. DBW/9/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 138 situated at Anaj Mandi Dabwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

 Shri Bachittar Singh S/o Shri Bhautar Singh R/o G.T. Road, Dabwali.

(Transferor)

(2) S/Shri Ramesh Kumar, Krishan Kumar Ss/o Shri Des Raj C/o Aggarwal Agencies, Mandi Dabwali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being half portion of Shop No. 138, New Anaj Mandi, Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 348 dated 14-5-1981 with the Sub Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-1-1982

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,

#### ROHTAK

Rohtak, the 19th January 1982

'Ref. No. BGR/127/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 35 Block-I area 500 sq. yds. situated at Sector 10, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kapli Dev Chandra S/o Shri Kundan Lal R/o New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar S/o Shri Virendra Singh R/o A-9, Greater Kailash Enclave-2, New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 35 Block No. I area 500 sq. yds. Sector 10, Faridabad and as more mentioned in the saleded registered at No. 1581 dated 8-5-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 22nd January 1982

Ref. No. HSR/34/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 92 kanals situated at Satroad Kalan, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Teka
 S/o Shri Mai Dhan
 R/o Vill. & P.O. Satroad Kalan,
 Disst. Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. Bhanu Industries Pvt. Limited, 10th K.M. Delhi Road, Hissar (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given: in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 92 kanals situated at Satroad Kalan and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1137 dated 27-5-1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Autho
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,

#### NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-81/340.--Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-13, situated at Greater Knilash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Maharaj Kumar R/o E-11, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sulina Narang R/o S-337, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-13 mg. 300 sq. yd. Greater Kailash-II New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 18-1-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2670

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq,I/SR-III/5-81/202.—Whereas, J. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

S-340, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raman Anand W/o Shri Ashok Anand R/o D-289, Defence Colony, New Delhi. and others.

(Transferor)

[PART III— SEC. 1

(2) Shri Roshan Lal Butail S/o Shri B. D. Butail R//o 86, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. S-340, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 18-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/5-81|254.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-1916, situated at Chittaranjan Park, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Air Commodore Madhu Sudan Ray s/o late Sesa-dhar Ray r/o CS/7/3 Golf Green Urban Housing Complex Calcutta at present 50- Kalkaji Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramananda Ghosh s/o late Sarat Chandra Ghosh r/o 109, Kidwai Nagar West, New Delhi.

(Transfere:)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE -

Property No. J-1916, measuring 372 sq. yds. Chittaranjan Park, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax., Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## ing Jangpura Extn., New Delhi. (Transferor)

(1) M/s Satish Kumar Sood & Co. Eros Cinema Build-

(2) Smt. Geets Mainkar w/o Shri Sharad Mainkar r/o Bungalow No. 9, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81/200.—Whereas I, R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. B-12, situated at Kalindi Colony, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/16th share of Plot No. B-12, Kalindi Delhi area 1/16th share of 886.78 sq. yd. Colony, New

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

## ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE

New Delbi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/5-81/203.--Whereas I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-149, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration adn that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34--476 GI/81

- Shri Dharam Bir Bajaj and others s/o late Sh. A. L. Bajaj, r/o F/26, Greater Kailash-Π, New Delhi. (Transfero)
- (2) Shri Nand Gopal Arora s/o Shri Mohan Lal Arora r/o A 101/13, Industrial Area, Wazirpur, Delhi-32 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S/149, Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extu., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Colts International (P) Ltd. through Mrs. Lata Chauhan w/o Mr. C.S. Chauhan r/o G-23, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81'199.-Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- aforesaid persons within a (a) by any of the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall lave the same meaning as given in that Clupter.

#### THE SCHEDULE

1/16th share measuring 886.113/144 sq. yd. Plot No. B-10, Kalindi Colony, New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-81/198.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in New Delhi of the Registering Officer at in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd., Cinema Building, Jangpura, Extension, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Colts International (P) Ltd., through Mr. C. S. Chouhan, Managing Director Maharani Bagh, New Delhi. r/o G-23, (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said prepertymay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/16th share measuring 886.113/144 sq. yd. Plot No. B-10, Kalindi Colony, New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982

#### FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81/339.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-126, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravinder Kumar Jaitly s/o Shri Jagan Nath Shastri and others r/o 30/34, West' Patel Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal Ghai s/o Shri Faqir Chand & Smt. Pushp Latta Ghai r/o F-60, Kamla Nagar, Delhi. (Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APPANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Built Property No. C/126, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982,

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81/334.—Whereas I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. E-212, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kuldip Singh s/o Saran Pal Singh r/o M-161, Greater Kailash-II, New Delhi through attorney Saran Pal Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Leela Mittal w/o Shri V. B. Mittal r/o A-3, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 212, Block E. measuring 250 sq. yds. greater Kailash Part-II. New Delhi.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATF NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81/301.—Whereas I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-330, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

in May 1981,

2678

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Lachhman Dass Mohla s/o Pandit Atma Ram & Smt. Uma Mohla w/o Shri Lachhman Dass Mohla r/o B-13/5A, Krishna Nagar, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri M. R. Sehgal s/o late Shri H. R. Sehgal and Smt. Raman Anand w/o Shri Ashok Anand, r/o D-289, Defence Colony, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-330, Greater Kailash-Π, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982,

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE
NEW DEI HI
New Delhi, the 18th January 1982
Ref. No. 1AC/Acq.J/SR-III/5-81/192.--Whereas 1,

S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-250, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Raj Dulari Trakroo w/o Shri A. K. Trakroo, r/o M-33 (Market) Greater Kailash-II, New Delhi.
- (2) Smt. Ishwar Loond w/o Shri Vasdev Loond r/o M-273, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-250, Greater Kailash-II, New Delhi-48 Area 300 sq vd.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DFLHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-81/337.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-277, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Régistration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Shri Subramania Balkrishna s/o late Shri Subramania Iyer, r/o B-277, Greafer Kailash Part-I.

(Transferor)

(2) Gulab Devi Pincha w/o Shri Hem Raj Pincha r/o B'277, Greater Kailash Part-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-277, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-1-1982

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/4555.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 A/1 situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-476G1/81

- (1) Shri T. R. Anand R/o E-6, Anand Niketan, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Joginder Associates (P) Ltd. D-144, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 4A/1, Tilak Nagar, New Delhi,

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-1-1982

FORM I.T.N.S.—

- (1) Mohd. Auris alias Bindo s/o Abdul Ghaloor R/o 2174, Kt. Mehar Parwar Darya Ganj, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Siraj Ahmed s/o Aziz Ahmed R/o 2174, Kt. Mehar, Parwar, D. Ganj, Defhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-I/5-81/7833.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair' market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 1936 situated at Gali Rajan, Kucha Chelan, Durya Ganj Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the Lie market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI YNATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1936, Gafi Rajan, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC Acq.H/SR-I 5.81/4505—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. situated at Vill. 'Manli Sakrawat', Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 2690 of he said Act to the following persons, namely

Shri Jagdish Chander
 S/o Shri Faqir Chand
 R/o C-1, New Krishna Park,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Suri S/o Shri Jagdish Chander R/o C-1, New Krishna Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory at Vill. Manjli Sakrawati, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-I-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7840.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 76 situated at New Qutab Road, Timber Mkt. Delhi (and, more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a), facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Shri Amrit Lal Chopra
 S/o Shri Bulaqi Ram Chopra
 C/o New Fields Advertising (P) Ltd.
 3/4A, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand Garg S/o Shri Shibo Mal R/o 159, Ruiwali Gali, Teliwara, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in . -- immovable property, within 45 days from the une of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 76, New Qutab Road, Timber Mkt. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7921.—Whereas, I, VIMAL VASISIT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot No. 86, [Block (G-3)86] situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt, Ramesh Kumari
 D o Shri Jog Raj Dhawan
 R/o No. HP/45, Pitampura, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Narbada Devi W/o Shri Sagar Mal Varma R/o G-3/86, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 86, Block (G-3/86) Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi, New Delhi,

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GÓVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATIF, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-81/7860.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G.B.H. No. 15A/5 situated at East Patel Ng. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said insrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 St.m., Chand Mehta W. o Shri Man Mohan Mehta R o 154/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Traosferor)

(2) Shri Darshan Kumar Raheja S/o Shri Mehan Lal Raheja Snit, Prbha Raheja W o Shri Darshan Kumar Raheja R/o W-1, West Patel Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period extires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.B.H. No. 15A/5, Fast Pafel Nagar, New Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7887.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. IX/1808-15 situated at Kucha Faulad Khan. Mohalla, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heroto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Un. Pavinder Singh Seo Shri Milap Singh R/o 1815 Kucha Faulad Khau, Unim Mahalla, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sabha Begum W/o Shti Hazi Mohd. Fayyaj R'o 1190, Kucha Faulad Khan. Kalan Mohalla, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. IX 1808-15 (New) Kucha Faulad Khan, Kalan Mohalla, Daryo Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

Scal ;

## • FORM I.T.N.S. (1) Shri

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gopi Chand, S/o Shri Tara Chand, R/o A/31, K/Camp, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishana Devi, W/o Shri Gopi Chand, R/o A/31 Quttam Lines, K/Camp, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7875 —Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. K-22 situated at Vill. Wazirpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been fransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. K-22, Sawan Park, Vill. Wazirpur, Delhi State, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Compretent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7867.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C/149-B situated at Moti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not bee ntruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-476GI/81

(1) Smt. Krishana Goswami, W/o Shri Trilok Nath Goswami, R/o C/149-B, Moti Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Rani Gupta, W/o Shri O. P. Gupta, R/o D-47B, Moti Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Or. No. C/149-B. Moti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-1982

GL 25.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4550.—Whereas, J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 337 situated at Kanhiya Park, Chand Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur Uppal W/o Shri Arju Singh Uppal R/o 249, Than Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand R/o D-29, Shan Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 337, Kanhiya Park, Chand Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SH-I/5-21/7896.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

G.B. P. 29/57 situated at Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration' which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kartar Devi W/o Shri Beli Ram, R/o 29/58, W.P. Nagar, New Delhi & others.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi W/o Shri Roshan Lal R/o No. WZ-A-32, Sudarshan Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.B.P. 29/57, Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7891.—Whereas, 1,

VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/-

No. 1398-A situated at Tilak Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) l'acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Hukam Singh & Sons through Shri Hukam Singh, S/o Shri Harjit Singh, R/o 1650/51, DLF Colony, Chatterpur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. German Dyes & Chemicals, 136-A, Tilak Bazar, Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1398-A, Tilak Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1,P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982 Ref. No. IAC/Acq.11/SR-1/5-81/7885.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 2310 situated at Teliwara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (%) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abdul Aleem, Advocate, R/o 1818, Chabuk Sawaran, Lai Kuan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass, S/o Shri Lekh Raj, R/o A/1, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

lst & Hnd Floor, H. No. 2310, Teliwara, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7838.--Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. X/1041-A(2) situated at Phatak Muftiwalan,

Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Balraj Kapur, S/o Shri Malik Wazir Chand Kapur, R/o 1041/A, Phatak Muftiwalan, Darya Ganj, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani, W/o Shri Baldev Raj, R/o 1041/A, Phatak Muftiwalan, Darya Ganj, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. X/1041-A(2), Phatak Muftiwalan, Darya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7850,—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. 2322 to 2324 situated at Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi, W/o Shri Inder Raj Batra, R/o 8/52, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

Shri Kharaiti Lal, S/o
 Shri Kundan Lal, R/o
 No. 1486, Aziz Ganj, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share in Mpl. No. 2322 to 2324, Bahadurgarh Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI ,

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1 5-81/7943.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,200/- and bearing No.

328, Gali Parkash, Teliwara, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the seid Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jai Kishan Dass S/o Shri Madan Lal R/o C-22, Vivek Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi W/o Shri Brij Mohan Gupta R/o 328 Gali Parkash, Teliwara, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 328, Gali Parkash, Teliwara, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.fl/SR-I/5-81/7898.—Whereas, I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6383 Gali Ishwaripershad situated at Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

37-476GI/81

 Sng, Devki Desi W/o J. Shri Ram Lubhai Sothi & others R/o 6383-84, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Sattar S/o Shri Hatiz Mohd. Isaq R/o 4848 B.H. Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 6383, Gali Ishwari Pershad, Bara Hindu Ruo, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangell,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7904.—Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 135, Vill. Dhirpur situated at Nirankari Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Sapra, S/o Shri Jawala Dass Sapra, R/o A/2, Qutram Lines, K/Camp, Delhi,

(2) Shri Sat Pal Mitra, S/o L. Thakur Dass, R/o 8-13/15, Jangpura Extn. New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 135 Vill. Dhirajpur, Nirankari Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangell,
Delhi/New Delhi

Date: 13-1-1982

Scal:

of :--

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7869.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flot No. 59, Rd. No. 41 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chand Rani, W/o Shri Kidar Nath Soni, R. o 36/62 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Bagga, S/o Shri Kishan Lal Bagga & others R/o Gali No. 27, H. No. 1507, Naiwala K/Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 59, Rd. No. 41, Punjabi Bagh, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-82

and the second second

## FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP, ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 13th January 1982

Rel. No. IAC/Acq.II SR-II/5-81/4569.—Whereas IVIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 67, J-13 situated at Rajouri Garden, Vill. Tarapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) Shri Ram Chand s/o Bhagwan Dass R/o J-13/67 Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Swaran Singh
  R/o C+1/1, Mansrovar Garden, New Delhi.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 67, J-13, Rajouri Garden, Vill. Tarapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-82.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Mahesh Kumar \$70 L. Shanker Dass R/o DE. 78 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Jain w.'o S. K. Jain R. o 3/52 Punjabi Bagh, N. Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NFW DELHI.

New Delhi, the 13th January 1982

No. IAC/Acq. II/SR-II/5-81/4537.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, Rd. No. 46, situated at Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :->

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, Road No. 46, Punjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAI. VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-11. Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-82

Scal !

FORM NO LTNS.-->=

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-81/7893.—Wheeras I, VJMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mpl. No. 220, Plot No. 22 situated at Tri Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the 'fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) A section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gur Narain and Bharma Nand s/o Girdhari Lal s/o 220, Onkar Nagar, Tri Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ram Roop Jain s/o Mouji Ram S/o 7055, Gali Kankwali Pahari Dhiraj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 1 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 220, Plot No. 22, Chowkri Mubarakpur, Tri Nagar, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-1982.

PART III—SEC. 1]

FORM NO. I.T.N S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Kaushal Devi Jain w/o Dayal Chand Jain r/o 7/9A Gali Makhan Lal, Ansari Rd. Darya Ganj, Delhi.

(Transferor

(2) Shri Gur Dayal Singh s/o Atma Singh, r/o AK-2/3 Arakashan Road, New Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE.
G 13. GROUND FLOOR CR BUILDING. LP. ESTATF.
NEW DFLHI.

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-II/5-81/4548...-Whereas 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agrl. land Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi, Khasra No. 37/15/2, 16/1, 25/2, 36/11, 20 & 21.

SMT. VIMAI. VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-82.

Scal:

#### TOPM NO. ITMS,\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAS ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Gur Dayal Singh 5/0 Atma Singh 1 0 AK-2/3, Atakashan Road, Delht.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Chand Jain 8/0 Dayal Chand Jain 1/0 7 9A Gali Makhan Lal, Ansari Road, Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. FSTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/5-81/4547.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-82.

## FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/4666/5-81.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—476 GI/81

- (1) Shri Inder Pal Singh s/o Harbans Singh R/o AK-2/3 Arakashan Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Jain S/o Sukh Mal Chand Jain r/o 7/9A Gali Makhan Lal, Ansari Rd. Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land. Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-82.

Seal;

#### FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7941.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. WZ-212 (Old) & 602 (New) situated at Sudershan Park, Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Darshan Lal s/o Mool Chand R/o XVI/450, K. D. Kohli Street, Joshi Rd. K/Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Qm. Sunita alias Guddi & Master Pankaj. Sh. Laxmi Narain s/o L. Sh. Jesa Ram R/o B-602 Sudershan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. WZ- 212 (Old) & 602 (New) Sudershan Park, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-82,

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-81/7886,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17, situated at 45 Mall Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) M/s Rentiers & Financiers (P) Ltd. Flat-4, 10-Hailey Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Gupto w/o Mohan Gupta R/o 161-E Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 17, Property No. 45, Mall Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/5-81/7849.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing No. 949 to 952 situated at Ward No. XI, Haveli Ajam Khan, Bazar Chitli Qabar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gham Khanam wd/o Hazi Abdul Majid 2857, Gali Bhistian, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Zanulabuddin s/o Hazi Islamuddin & Najakat Begum w/o Zanulabuddin r/o 750 Gali Peerji Wali, Haveli Ajam Khan, Bazar Chitli Qabar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

P. No. 949 to 952, Ward No. XI, Haveli Ajam Khan. Bazar Chitli Qabar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/5-81/7934,---Whereas, 1, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/33, Industrial Area situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Bhai Makhijani s/o Sham Dass r/o C-54 Mayfairs Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Batra & Rajesh Batra-s/o Ram Bhaj Batra & others r/o 6/14, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that. Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 5/33, Industrial Area, Kirti Nagar, N. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1982.

Scal:

#### FORM ITNS...

 Smt. Sushila Devi w/o Dharam, Chandra Goel r/o H. No. 396 Gali No. 31, Onkar Nagar, Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shyam Lata Gupta w/o Ram Gopal Gupta r/o H. No. 1468 Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7909.—Whereas, 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 396, Gali No. 31, situated at Onkar Nagar, Tri Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 9ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 396, Gali No. 31, Onkar Nagar, Tri Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1982.

- (1) Shri Chander Singh s/o Johrl Mal R/o 1517, Ranjit Bali, Pahar Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Pershad s/o Ramesh Pershad R/o 188/1, Tilak Bazar, Khari Baoli, Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

II/5-81/7905/SR-I.--Whereas, I, Ref. No. IAC/Acq. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. N-2 situated at Satyawati Nagar, Vill. Sadbora Kalan, Wazir Rd. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. N-2, Satyawati Nagar, Sadhora Kalan, Wazirpur Rd., Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi 'New Delhi.

Date: 15-1-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-81/7882.—Whereas, I. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding H. No. G-53 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Devi Bai w/o K. R. Kapur r/o F-65 Mansrover Garden, New Delhl. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Mohan s/o Sant Ram Kapoor r/o C/o FC-81, Tagore Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. G-53, Bali Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Ynspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-1-1982,

Soal;

 Shri Risal Singh s/o Net Ram R/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Net Ram R/o as above.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/5-81/4628.—Whereas, J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurad, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 39-476GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date: 11-1 1982.

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7940.—Whereas, J, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-4/5 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kartar Singh Paintal S/o L. S. B:shan Singh, R/o C-4/5, Model Town. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar s/o L. Sh. Mahija, R/o E-44, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. E-4/5, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7933.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

F-5/10 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nand Kishore s/o L. Faqir Chand R/o F-5/10, Model Town, Delhi.

(Transferor)

 Shri Gobind Ram Agarwal s/o Jagan Nath, 9/F, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. F-5/10, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II.
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7925.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17-DI.F situated at Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunder Singh s/o Mool Chand, R/o 17/22 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajindet Prashad s/o Gora Lal, R/o C-28, Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 17-DLF, Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistan, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. FSTATE, NEW DELIH

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-I/5-81/7924.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000 /2 and hearing

Rs. 25.000/- and bearing Plot No. 37, Block-F situated at Rajouri Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh s/o Gopal Singh R/o C-37, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s.o Atma Singh, R/o F-37, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Block-F, Rajouri Garden, Delhi.

SMT. VIMAI VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistan, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4627.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Village Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Risal Singh s/o Net Ram R/o Village Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Samey Singh s/o Net Ram R/o Village Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4615.—Whereas, J, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Factory Village Nangli situated at Sukrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Veena Rani w/o Jagdish Chander C-1, New Krishna Park, Delhi.

(Transferor)

 Shri Jagdish Chander s/o Faqir Chand, R/o C-1, New Krishna Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory at Village Nangli, Sokrawati, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
New Delhi

Date: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW-DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4610.---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at village Nangloi Jat, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rohtash s/o Lo Ram R/o Village Nangloi Jat, Delhi.

(Transferor)

 Hans Builders Contractors & Engg. (P) Ltd. I-E/2, Jandewalan Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land village Nangloi Jat, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistan, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

FORM J.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4614.—Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. EG-122 situated at

Inderpuri Extension, Village Naraina, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---40---476GI/81

(1) Shri Partap Singh s/o Bhag Mal, R/o H. No. EG-120, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lov Dev s/o Chaman Lal R/o C-102, Nai Basti, Seelampur, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. EG-122, Inderpuri Extension, Village Naraina, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Delhi/New Delhi

Date: 13-1-1982

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/5-81/7899.—Whereas, J, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6384, Gali Ishwari Pershad situated at Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Sint. Devki Devi w/o L. Ram Lubhai Sethi & others R/o B. H. Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Zabar s o L. Hafiz Mohd. R o 4848, B.H. Rao, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 6384, Gali Ishwar Pershad B. Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 11.
Delhi/New Delhi

Date: 13-1-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7900.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6383-84, Gali Ishwari Parshad situated at B. H. Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi in May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishav Nath a/o Ram Lubhai Sethi R/o 6383-84, B.H. Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hafiz Abdul Razak S/o Hafiz Mohd, Ishaq, R/o 4847, B.H. Rao, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No 6383-84 Gali Ishwari Parshad Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7906.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

J-179 situated at Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have been to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravinder Chadha S/o M. L. Chadha R/o J-48, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajeev Kumar Silas S/o L. Shri S. R. Silas & others R/o Civil Lines, Mirzapur, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. J-179, Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1982

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>(1)</sub> OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7922.---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000. and bearing
Plot No. B-11 situated at
Village Sadhore Kalan, Styawati Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 i(16
of 1908) in the office of the Registering Officer at New
Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Shri Suraj Mohan Thakral S/o Puran Chand Thakral & Others B-4A/22 Rana Pratap Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Bansal w/o Mahabir Pd. R/o 804, Kt. Hindu, Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-11, Village Sadhora Kalan, Satyawati Nagar,

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No IAC/Acq.II/SR-I/ $\dot{5}$ -81/7826.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 32/10E situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jitender Nath Puri S/o Ram Asra Puri & others R/o 15-A/1, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal s/o Amar Chand R/o 8281, Ch. Ch. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 32/10E, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 11.
New Delhi

Date: 15-1-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II 'SR-I/5-81/7845.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 18-A situated at Village Bassai

Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Benarssi Dass Bhanot
 Balram Bhanot
 R70 K-11, Kirti Nagar,
 New Delhi.

('Fransferor)

(2) Shri Harjeet Singh s/o Harnam Singh, R/o M-32, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Plot No. 18-A, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SMT, VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Dated: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7827.---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1018 situated at Katra Ghee, Phatak Habas Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

fair market value of the aforesaid property and I have fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anis Ahmed Bari S/o Shekh Mohd. Shafi Bari 7 others R/o 1214, Baradari, Delhi.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Smt. Chawli Devi w/o Ganpatram R/o 1018, Katra Ghee, Phatak Habas Khan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1018, Katra Ghee, Phatak Habas Khan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-1-1982

Seal ;

#### m-sec. Ij

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II 'SR-I/5-81/7939.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'spid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 36 (G.F. & F.F.) situated at Raja Garden, Village Bassai Darapur, Delhi State, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

41-476GI/81

 Shii Pavittai Singh s o Bishan Singh R/o G-76, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Simarjit Kaur
 W 'o Amarjit Singh,
 R/o B-1/9A Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 36, Raja Garden, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II.
New Delhi

Date: 15-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7916.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Built House on Plot No. 12 Vill. Dhirput situated at Nirankari Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Seltion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Krishna Bhatia w/o Tulsi Dass R/o 12 Pradhan Market Nirankari Colony, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Madan Gopal S/o Mahavir Pd. R/o 357/2, Nironkari Colony, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12, Vill. Dhirpur Nirankari Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7936.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

23/25A situated at Moti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said A., to the following persons, namely:—

- (1) Sh. K. L. Eanga S/o Uttam Chand Banga R/o 23/25A Moti Nagar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Madhu Sudan Kumar R/o as above. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of the days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 23/25A, Moti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 15-1-1982

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### . GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1982

Ref. No IAC/Acq.11/SR-11, 5-81/4545.—Whereus, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Inder Pal Singh S > Harhans Singh R/o Ak-2/3 Arakashan Road, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Sudarshon Kumari Jain W/o Sukhmal Chand Jain R/o 7.79A Galim Makhan Lal Ansari Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used here, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl, land Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Dated: 15-1-1982

(1) Sh. Tek Chand S/o Jai Lal R/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Pushpa Devi W/o Mohan Lal Kwatra R/o 21/165 D.S. Qrt. Kabool Nagar, Shahdra, Delhi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4619.--Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Dichaun Kalen, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 18-1-1982

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/5-81/4635.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Mustatil No. 17, Killa No. 8, Matiala, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execreds the apparent consideration therefor by more than laftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sheo Chand, Raghu Nath & others sons of Nancy R/o Vill. Matiala, Delhi. (Transferor)
- (2) Dera Ismail Khan, Bradri (West Zone) Tilok Nagar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mustatil No. 17, Killa No. 8, Matiala, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 18-1-1982

PART III-Sec. 1]

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Sheo Chand, Raghu Nath & others sons of Naney R/o Vill. Matiala, Delhi. (Transferor)

(2) Dera Ismail Khan Bardri (West Zone) rilak Nogar, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II 5-81/4635(a).—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Mustatil No. 17. Killa No. 8, Matiala. Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Deihi on May 81

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mustatil No. 17, Killa No. 8, Vill. Matiala, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 18-1-1982

Scal:

(1) Sh. Sheo Chand, Raghu Nath & other sons of Naney R/o Vill, Matiala, Delhi,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Dera lomail Khan, Bardii (West Zone) Tilak Nagar, Delhi.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ITION RANGF, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI ACQUISITION New Delhi, the 18th January 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4635.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Agri, land situated at Mustatil No. 17, Killa No. 8, Matiala, Delhi

Gazette.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 81

> EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mustatil No. 17, Killa No. 8, Matiala, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the areresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 18-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. Jawahar Lal S/o Mulkh Raj R/o 8005, Mohalla Kharian Roshanara Road, Delhi. (Transferor)

### (2) Smt. Parkash Kaur W/o Romeshwar Singh 35, Lal Katra S/Mandi, Delhi.

# (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/7832/5-81,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D.S. No. 8004-8005 situated at Ward No. XII, Mohalla Khariah, Roshanara Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property,

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

D. S. Property No. 8004-8005, Ward No. XII Mohalla Kharian, Roshanara Road, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 13-1-1982

Seal:

42-476GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4562.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. R-14 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tirath Singh S/o Sarup Singh R/o R14, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Ranjit Kaur W/o Raghbir Singh II. No. 40, Mall Road. Amritsar, Punjab. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. R-14, Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 18-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7930.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Oberoi Duplex No. 21 situated at Block C-III Oberoi Appartments, 2-Shamnath Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) East India Hotels Ltd. 4,
  Mangoe Lane, Calcutta through T. K. Sibal & others.

  (Transferor)
- (2) Sh. R. P. Saxena S/o J. P. Saxena R/o Duplex No. 21, Oberoi Appartments, 2-Shamnath Marg, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Oberoi Duplex No. 21, Blocks-C-III, Oberoi Appartments. 2-Shamnath Marg, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 18-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7929.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow No. 3, situated at Metealf Road, Civil Lines,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Babu Gupta S/o L. Sh. Hari Shai Gupta & Smt. Narvada Devi W/o L. S. Hari Shanker Gupta R/o 1124, Kucha Natwan, Ch. Ch. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar Singhania S/o L. Sh. Banarsi Dass Singhania & others R/o A-65, Vivek Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. 3, Metcalf Road, Civil Lines, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi.

Dated: 18-1-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4641.—Whereas, I. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 112, situated at Shiveji Park, Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising, from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sh. Madan Lal Bhatia S/o Bihari Lal Bhatia R/o 6, Khanna Building, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Tilak Raj Bagga S/o Harnam Dass Bagga, C-59, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 112, Shivaji Park, Vill. Mandipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi.

Dated: 13-1-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Rct. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4630.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. 112 situated at Vill. Madipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi

in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than (literal per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Madan Lal Bhatia S/o Behari Lal R/o 6, Khanna Build New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Tilak Raj Bagga S/o Harnam Dass Bagga R/o C-59, Ashok Vibar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H-112, Vill. Madipur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi.

Dated: 13-1-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7854.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-

No. Half portion of DS B. No. 1147 situated at Bardari, Nawab Wazir, Phatak Habas Khan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1)Sh. Swaroop Rani W/o Amar Dass & others R/o 21/42, Shakti Nagar, Delhi & others.

(Transferor)

(2) Smt. Chandro Devi W/o Babu. Ram R/o 1147, Bardari, Nawab Wazir, Phatak Habas Khan, Delhi-(Transferce)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of D.S.B. No. 1147, Baradati, Nawab Wazir, Phatak Habas Khan, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delbi.

Dated: 22-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sh. Gopi Chand Bhatia R/o 136, Tilak Bazar, Delhi,

(Transferor,

(2) Sh. Parveen Kumar Miglani R/o 11 S, Shakti Nugar, Delhi.

(Transferge

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7841.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Rajpura Road, Delhi situated at

No. 7, Rajpura Road, Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on May 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesald persons within a period 45 days from the date of publication of this noti in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7, Rajpura Road, Delhi.

SMT, VIMAL VASISH
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-II, Dc

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:

Dated: 23-1-82

(1) Sh. Gopi Chand Bhatia R/o 136 Tilak Bazar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rajinder Kumar R/o 11/5, Shakti Nagar, Delhi.

may be made in writing to the undersigned—

whichever period expires later;

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7842.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Rajpura Road, Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

7, Rajpura Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi.

Dated: 23-1-82

### FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7843. -Whereas, 1. VIMAL VASISHT.

VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at 7, Rajpura Road, Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 81

on May 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Gopi Chand Bhatia R/o 136 Tilak Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar S/o Uttam Chand Miglani R/o 11/5. Shakti Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

7, Rajpura Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi.

Dated: 23-1-82 Seal:

# FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1982

Ref. No. IAC/ $\Delta$ cq.II/SR-1/5-81/7841.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Rajpura Road, Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopi Chand Bhatia R/o 136 Tilak Bazar, Delhi.

2. Sh. Neeraj Miglani R/o 11/5 Shakti Nagar. Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7, Rajpura Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 23-1-82

Scal: